Skill India
कौशल भारत-कुशल भारत

सत्यमेव जयते
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF SKILL DEVELOPMENT
& ENTREPRENEURSHIP

N·S·D·C
National
Skill Development
Corporation
Transforming the skill landscape

SCGJ
SKILL COUNCIL FOR GREEN JOBS
ISO 9001 : 2015 CERTIFIED

प्रतिभागी पुस्तिका

क्षेत्र

ग्रीन जॉब्स

उप क्षेत्र

वेस्ट मैनेजमेंट

व्यवसाय

हाउसकीपिंग अटेंडेंट

रिफरेन्स आई डी

SGJ/Q6102, Version 3.0 NSQF Level 3

सफाई कर्मचारी

क्यूआर कोड
स्कैन या क्लिक करें

यह पुस्तक निम्नलिखित संस्था द्वारा प्रायोजित है

स्किल काउंसिल फोर ग्रीन जॉब्स
तीसरी मंजिल, सीबीईपी बिल्डिंग, मालचा मार्ग चाणक्यपूरी नई दिल्ली – 110021
ई.मेलः info@sscgj.in
वेबसाइटः www.sscgj.in
फोनः 011–41792866

क्रिएटिव कॉमन्स लाइसेंस के तहत: CC-BY-SA

The Licence lets others remix, tweak, and build upon your work even for commercial purposes, as long as they credit you and licence their new creations under the identical terms. This licence is often compared to "copyleft" free and open-source software licenses. All new works based on yours will carry the same license, so any derivatives will also allow commercial use. This is the license used by Wikipedia and is recommended for materials that would benefit from incorporating content from Wikipedia and similarly licensed projects.

Disclaimer

The information contained herein has been obtained from sources reliable to Skill Council for Green Jobs(SCGJ). SCGJ disclaims all warranties to the accuracy, completeness or adequacy of such information. SCGJ shall have no liability for errors, omissions or inadequacies in the information contained herein or for interpretations thereof. Every effort has been made to trace the owners of the copyright material included in the book. The publishers would be grateful for any omissions brought to their notice for acknowledgements in future editions of the book. No entity in SCGJ shall be responsible for any loss whatsoever, sustained by any person who relies on this material. All pictures shown are for illustration purpose only. The coded boxes in the book called Quick Response Code(QR Code) will help to access the e-resources linked to the content. These QR codes are generated from links and youtube video resources available on internet for knowledge enhancement on the topic and are not created by SCGJ. Embedding of the link or QR code in the content should not be assumed endorsement of any kind.

SCGJ is not responsible for the views expressed or content or reliability of linked videos. SCGJ can not guarantee that these links/QR codes will work all the time as we have no control over availability of linked pages.

"कौशल से बेहतर भारत का निर्माण होता है।
यदि हमें भारत को विकास की ओर ले जाना है तो
कौशल का विकास हमारा मिशन होना चाहिए।"

श्री नरेंद्र मोदी
प्रधानमंत्री

Skill India
कौशल भारत-कुशल भारत

SCGJ | SKILL COUNCIL FOR GREEN JOBS

N·S·D·C National Skill Development Corporation
Transforming the skill landscape

Certificate

COMPLIANCE TO QUALIFICATION PACK – NATIONAL OCCUPATIONAL STANDARDS

is hereby issued by the

SKILL COUNCIL FOR GREEN JOBS

for the

SKILLING CONTENT: PARTICIPANT HANDBOOK

Complying to National Occupational Standards of
Job Role/ Qualification Pack: '**Safai Karamchari**' QP No. '**SGJ/Q6102 NSQF Level 3**'

Date of Issuance: **May 27th , 2021**

Valid up to next review date of Qualification: **May 26th , 2024**

Authorised Signatory
(Skill Council for Green Jobs)

आभार

स्किल काउंसिल फॉर ग्रीन जॉब्स (SCGJ), इस भागीदार पुस्तिका के विकास में निम्नलिखित संगठनों के विषय वस्तु विशेषज्ञों (एसएमई) के योगदान को स्वीकार करता है:

National Safai Karamcharis Finance and Development Corporation

Shree Ganesh Recycling Pvt. Ltd.

National Solid Waste Association of India

Kärcher Cleaning Systems Private Limited

Earthwatch Institute India

Chintan Environmental Research and Action Group

इस पुस्तक के बारे में

भारत के प्रधान मंत्री ने 2 अक्टूबर, 2014 को नई दिल्ली में स्वच्छ भारत अभियान का शुभारंभ किया। इस अभियान को पेयजल और स्वच्छता मंत्रालय (एम.डी.डब्ल्यू.एस), दो उप मिशन, स्वच्छ भारत अभियान (ग्रामीण) और स्वच्छ भारत अभियान (शहरी) के साथ संचालित करता है, जिसका उद्देश्य 2019 तक स्वच्छ भारत को प्राप्त करना है जो कि महात्मा गांधी की 150वीं जयंती पर एक उचित श्रद्धांजलि होगी।

यह प्रतिभागी पुस्तिका, योग्यता पैक एस.जी.जे/क्यू 6102 के अनुसार सफाई कर्मचारी के प्रशिक्षण के लिए तैयार की गई है, योग्यता पैक इस लिंक पर उपलब्ध है– http://sscgj.in/publications/qualification-pack/ योग्यता पैक के अनुसार, सफाई कर्मचारियों सार्वजनिक क्षेत्र और भवनों में झाड़ू लगाता है, सफाई करता है व कचरा हटाता है। सार्वजनिक क्षेत्रों और सड़कों पर, सफाई कर्मचारी धूल, मलबे और कूड़े को हटाने के लिए एक झाड़ू या अन्य उपयुक्त उपकरण के साथ सफाई करता है। भवनों में, वह फर्श को साफ करता है, और महीन धूल को हटाने के लिए उपयुक्त सफाई द्रव्य का उपयोग करके फर्श को साफ़ करता है। वह कचरे को हटाता है और निर्दिष्ट क्षेत्र में कचरे को एकत्रित करता है। एक सफाई कर्मचारी 'गीली सफाई' या 'मैकेनाइज्ड सफाई' पर विशेष प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का चयन भी कर सकता है। गीली सफाई में विशेषज्ञता प्राप्त एक सफाई कर्मचारी, झाड़ू लगाता है साफ–सफाई करता है और स्नानघर एवं शौचालय को धोता है, कचरे और कूड़े को बंद डस्टबिन में डालकर हटाता है। 'मैकेनाइज्ड सफाई' में विशेषज्ञता प्राप्त सफाई कर्मचारी वैक्यूम क्लीनर, मेकैनिकल स्वीपर, मेकैनिकल स्वीपर राइड और मैकेनाइज़्ड स्क्रबिंग मशीन की मदद से झाड़ू लगाता है, सफाई करता है व कचरा हटाता है।

यह पुस्तक प्रतिभागियों की न्यूनतम शैक्षिक योग्यता के अनुसार बनाई गई है। प्रतिभागियों द्वारा आसानी से पढ़ने के लिए यह सामग्री न्यूनतम साहित्य के साथ चित्रात्मा भाषा में है। यह उल्लिखित है कि यह पुस्तक प्रतिभागियों को अपने काम को सही तरीके से करने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल प्रदान करेगी।

एस.सी.जी.जे 'प्रॉजिलेंस' की टीम और श्री एस.के भारद्वाज द्वारा प्रतिभागी पुस्तिका की सामग्री के विकास के लिए 'सामग्री लेखन' में उनके महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए आभारी है।

स्किल काउंसिल फॉर ग्रीन जॉब्स की ओर से, इस पुस्तक को, श्री तन्मय बिश्नोई (हेड–स्टेंडर्स एंड रिसर्च), श्री विभाश त्रिवेदी (असेसमेंट एसोसिएट), श्री ऑरपो मुखर्जी (टेक्नीकल एसोसिएट) द्वारा श्री प्रवीण सक्सेना, सी.ई.ओ – स्किल काउंसिल फॉर ग्रीन जॉब्स, के मार्गदर्शन में समायोजित एवं संकलित किया गया है।

पुस्तक में प्रयोग की गई इकाइयां और प्रतीक नीचे सूचीबद्ध की गई हैं।

प्रयुक्त सकेंत

मुख्य शिक्षा परिणाम

चरण

नोट्स

उद्देश्य

प्रायोगिक

अभ्यास

विषय–सूची

क्रम संख्या	मॉड्यूल और यूनिट	पृष्ठ संख्या
1.	परिचय	1
	यूनिट 1.1 – प्रशिक्षण कार्यक्रम का परिचय	3
	यूनिट 1.2 – सफाई कर्मचारी की कार्यभूमिका का परिचय	9
2.	सड़कों, फुटपॉथ और सार्वजनिक क्षेत्रों की सफाई (SGJ/N6105)	19
	यूनिट 2.1 – प्रस्तावना	21
	यूनिट 2.2 – सडकों, फुटपाथ आदि की सफाई	24
	यूनिट 2.3 – पार्क और सार्वजनिक क्षेत्रों की सफाई	33
	यूनिट 2.4 – कचरे को इकट्ठा करना और अलग करना	41
3.	भवनों के फर्श की सफाई (SGJ/N6106)	49
	यूनिट 3.1 – प्रस्तावना	51
	यूनिट 3.2 – भवनों के फर्श की सफाई	52
	यूनिट 3.3 – कचरे का एकत्रीकरण एवं अपवाहन	70
4.	सफाई करते समय व्यक्तिगत स्वास्थ्य और सुरक्षा (SGJ/N6107)	77
	यूनिट 4.1 – स्वास्थ्य और सुरक्षा का महत्व	79
	यूनिट 4.2 – स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के मुख्य पहलु	80
	यूनिट 4.3 – सुरक्षा से संबंधित – कार्यस्थल में खतरे	83
	यूनिट 4.4 – सुरक्षा से संबंधित – निजी सुरक्षा उपकरण	105
	यूनिट 4.5 – सुरक्षा से संबंधित – व्यक्तिगत स्वच्छता	111
	यूनिट 4.6 – सुरक्षा से संबंधित – कार्यस्थल की स्वच्छता	119
	यूनिट 4.7 – सुरक्षा से संबंधित – प्राथमिक चिकित्सा	122
5.	रोजगार कौशल	129
	30 घंटे की अवधि के संबंधित रोजगार कौशल के लिए कृपया नीचे दिए गए ईस्किल पोर्टल पर उपलब्ध रोजगार कौशल कार्यपुस्तिका देखें: https://eskillindia.org/NewEmployability	
6.	स्नानघर और शौचालय की गीली सफाई (SGJ/N6112)	147
	यूनिट 6.1 – सफाई में प्रयोग होने वाले औजार एवं उपकरण	149
	यूनिट 6.2 – गीली सफाई	152
7.	मशीनीकृत सफाई उपकरण के साथ सफाई (SGJ/N6113)	159
	यूनिट 7.1 – मशीनों का सुरक्षित उपयोग व देखभाल	161
	यूनिट 7.2 – वैक्यूम कलीनर के साथ सफाई	167

क्रम संख्या	मॉड्यूल और यूनिट	पृष्ठ संख्या
	यूनिट 7.3 – मेकैनिकल स्वीपर के साथ सफाई	178
	यूनिट 7.4 – मैकेनाइज्ड स्वीपर राइड के साथ सफाई	184
	यूनिट 7.5 – मैकेनाइज्ड स्क्रबिंग मशीन के साथ सफाई	195

Skill India
कौशल भारत-कुशल भारत

सत्यमेव जयते
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF SKILL DEVELOPMENT
& ENTREPRENEURSHIP

N·S·D·C
National
Skill Development
Corporation
Transforming the skill landscape

SCGJ | SKILL COUNCIL FOR GREEN JOBS

1. परिचय

यूनिट 1.1 – प्रशिक्षण कार्यक्रम का परिचय

यूनिट 1.2 – सफाई कर्मचारी की कार्यभूमिका का परिचय

क्यूआर कोड स्कैन करें या संबंधित वीडियो देखने के लिए लिंक पर क्लिक करें

https://www.youtube.com/watch?v=Grt25N5pKtc

प्रमुख शिक्षा परिणाम

इस मॉड्यूल को पढ़ने के बाद आप नीचे बताए गए पहलुओं में सक्षम हो जाएंगेः

1. सफाई कर्मचारी के प्रशिक्षण कार्यक्रम को जानने में
2. सफाई कर्मचारी की कार्यभूमिका को जानने में

यूनिट 1.1: प्रशिक्षण कार्यक्रम का परिचय

यूनिट उद्देश्य

इस यूनिट को पढ़ने के बाद आप नीचे बताए गए पहलुओं में सक्षम हो जाएंगे:

1. प्रशिक्षण का उद्देश्य समझने में
2. प्रशिक्षण कार्यक्रम के लाभ जानने में

1.1.1 प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य

स्वच्छ भारत अभियान को राष्ट्रीय स्तर पर कचरा प्रबंधन एवं स्वच्छता से संबंधित मुद्दों से निपटने के लिए बनाया गया था। महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर यह अभियान 2 अक्टूबर 2014 को शुरू किया गया था और 2019 तक गांधीजी की 150 वीं जयंती पर पूरा होने की उम्मीद है। इसके अंतर्गत, विभिन्न क्षेत्रों को साफ रखने के लिए मानक मापदंड दिए गए हैं और उनके अनुसार कार्य करना ज़रूरी है। इसी को आगे बढ़ाते हुए, इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को बनाया गया है।

चित्र 1.1 – स्वच्छ भारत अभियान

यह कार्यक्रम उन व्यक्तियों के लिए है जो सफाई कर्मचारी के रूप में कार्य करते हुए पर्यावरण एवं समाज को साफ व स्वच्छ रखने में अपना योगदान देते हैं।

चित्र 1.2 – सफाई करता कर्मचारी

इस कार्य को करने के लिए अथक परिश्रम और ताकत की ज़रुरत होती है। अक्सर कर्मचारी इस कार्य को करने में चूक कर जाते हैं जिससे या तो उनके स्वास्थ्य को हानि होती है या फिर उस क्षेत्र में रहने वाले लोगों को। सफाई कार्य ठीक से न होने पर समाज में प्रदूषण फैलता है और बीमारियां पनपती हैं। सफाई के बाद कूड़े के निपटान में चूक होने से भी पर्यावरण एवं लोगों को नुक्सान पहुँचता है।

चित्र 1.3 – गंदगी से होने वाली बीमारियां

इस कार्यक्रम को सफाई कर्मचारियों को सही प्रशिक्षण देने के लिए बनाया गया है जिससे कि वे अपने कार्य को बेहतर ढंग से कर सकें और भूलों को भी सुधार सकें।

कुशल कर्मचारी एक बेहतर समाज की नींव रखने में अपना योगदान दे सकते हैं।

चित्र 1.4 – कुशल कर्मचारी

1.1.2 प्रशिक्षण कार्यक्रम का तरीका और अवधि

यह प्रशिक्षण कक्षा सत्र और अभ्यास सत्र के द्वारा प्रदान किया जाता है।

चित्र 1.5 – कक्षा सत्र

चित्र 1.6 – अभ्यास सत्र

1.1.3 QP और NOS का परिचय

यह प्रशिक्षण, सफाई कर्मचारी नामक योग्यता पैक पर आधारित है। योग्यता पैक को QP (क्वालिफिकेशंस पैक) भी कहा जाता है और सफाई कर्मचारी का QP कोड SGJ/Q 6102 है। इस में एक कर्मचारी की मानक योग्यता को उल्लेखित किया जाता है।

सफाई कर्मचारी QP के तहत 4 NOS हैं जो कार्य विवरण बताते हैं जिनका प्रदर्शन कार्यस्थल पर करना होता है।

NOS कोड	प्रमुख कार्य / टास्क
SGJ/N6105	सड़कों, फुटपाथ और सार्वजनिक क्षेत्रों की सफाई
SGJ/N6106	इमारतों के फर्शों की सफाई
SGJ/N6107	सफाई करते समय व्यक्तिगत स्वास्थ्य और सुरक्षा बनाए रखना
SGJ/N6108	सफाई करते समय दूसरों के साथ प्रभावी ढंग से कार्य करना

चित्र 1.7 – सड़कों, फुटपाथ और सार्वजनिक क्षेत्रों की सफाई

चित्र 1.8 – इमारतों के फर्शों की सफाई

चित्र 1.9 – सफाई करते समय व्यक्तिगत स्वास्थ्य और सुरक्षा बनाए रखना

चित्र 1.10 – सफाई करते समय दूसरों के साथ प्रभावी ढंग से कार्य करना

चित्र 1.11 – स्नानघर और शौचालय की गीली सफाई

चित्र 1.12 – मशीनीकृत सफाई उपकरण के साथ सफाई

वैकल्पिक NOS:

विकल्प 1:	स्नानघर और शौचालय की गीली सफाई
विकल्प 2:	मशीनीकृत सफाई उपकरण के साथ सफाई

तालिका 1.1 – क्वालिफिकेशंस पैक

1.1.4 प्रशिक्षण कार्यक्रम के लाभ

- इस प्रशिक्षण के बाद कर्मचारी को एक मूल्यांकन से गुजरना होगा जिसमें उनके ज्ञान और दक्षता की परीक्षा होगी।
- मूल्यांकन में सफल होने पर कर्मचारी को एक प्रमाण पत्र से सम्मानित किया जाएगा।
- इस प्रशिक्षण से प्राप्त हुई जानकारी से कर्मचारी अच्छा कार्य कर पाएंगे और अपने पेशे में प्रगति की ओर अग्रसर होंगे।

चित्र 1.13 – मूल्यांकन

इस प्रशिक्षण के बाद मूल्यांकन किया जाता है और उसमें उत्तीर्ण होने के बाद एक प्रमाण पत्र जारी किया जाता है।

चित्र 1.14 – प्रमाण पत्र

नोट्स

यूनिट 1.2: सफाई कर्मचारी की कार्यभूमिका का परिचय

यूनिट उद्देश्य

इस यूनिट को पढ़ने के बाद आप नीचे बताए गए पहलुओं में सक्षम हो जाएंगे:

1. सफाई कर्मचारी की कार्यभूमिका समझने में
2. सफाई कर्मचारी बनने के लिए आवश्यक व्यक्तिगत गुण एवं न्यूनतम योग्यता जानने में
3. सफाई कर्मचारी के उत्तरदायित्व जानने में

1.2.1 सफाई कर्मचारी की कार्यभूमिका

सफाई कर्मचारी किसी स्थान की स्वच्छता में अहम भूमिका निभाते हैं। वह सार्वजनिक स्थानों और भवनों में झाड़ू लगाते हैं, सफाई करते हैं और कचरे का एकत्रीकरण एवं निपटान करते हैं। एक सार्वजनिक स्थान और सड़क पर, कर्मचारी झाड़ू से सफाई करते हैं, धूल, मिट्टी और कचरा उठाने के लिए उचित उपकरण का प्रयोग करते हैं।

एक भवन में, फर्श पर झाड़ू लगाते हैं, उचित क्लीनिंग रसायन का प्रयोग कर के फर्श से महीन धूल हटाते हैं। वे कचरा एकत्र करते हैं और निर्धारित क्षेत्र तक ले जाते हैं।

चित्र 1.15 – सफाई कर्मचारी की भूमिका

विकल्प 1: गीली सफाई

गीली सफाई में विशिष्टता प्राप्त कर्मचारी स्नानघर और शौचालय में झाड़ू लगाते हैं, सफाई करते हैं और धुलाई करते हैं, कचरा व कूड़ा ढके हुए डस्टबिन में एकत्र करते हैं।

चित्र 1.16 – गीली सफाई

विकल्प 2: मशीनी सफाई:

मशीनी सफाई में विशिष्टता प्राप्त कर्मचारी वैक्यूम क्लीनर, मेकेनाइज़्लड स्वीपर, मैकेनाइज़्ड स्वीपर राइड, और मैकेनाइज़्ड स्क्रबिंग मशीन की सहायता से झाड़ू लगाते हैं, सफाई करते हैं और धुलाई करते हैं व कचरा हटाते हैं।

चित्र 1.17 – मशीनी सफाई

व्यक्तिगत गुण:

इस रोज़गार में एक व्यक्ति को अपने कार्य पर ध्यान देकर नियमित रूप और आवधिकता से पूर्ण करने की आवश्यकता है। उन्हें अपने साथी–कर्मचारी और बाकी लोगों के साथ शिष्टाचार युक्त संचार करना चाहिए।

न्यूनतम योग्यता:

सफाई कर्मचारी बनने के लिए एक व्यक्ति को कम–से–कम 5वीं पास होना चाहिए और उम्र 18 वर्ष होनी चाहिए

1.2.2 सफाई कर्मचारी के उत्तरदायित्व

सफाई कर्मचारी को अपने कार्यस्थल पर बहुत सारे उत्तरदायित्वों का निर्वहन करना होता है ताकि वह सुचारु रूप से कार्य को सम्पन्न कर सकें:

- पी पी ई (Personal Protective Equipment–निजी सुरक्षा उपकरण) पहनने के बाद ही कार्य शुरु करना
- कार्य के अनुसार पी पी ई का चुनाव करना
- सड़कों, फुटपाथ आदि को सही तरीके से साफ करना

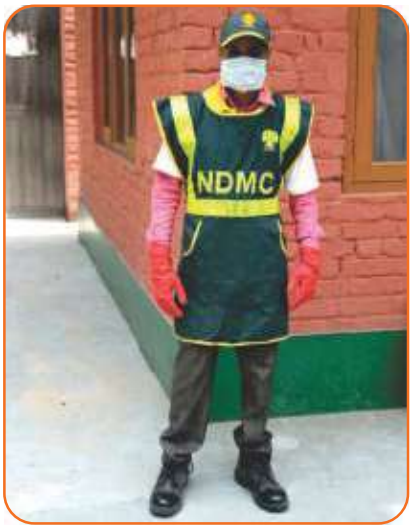

चित्र 1.17 – पूर्ण पी.पी.ई के साथ सफाई करना

चित्र 1.18 – सड़कों, फुटपाथ की सफाई करना

- निश्चित समय अवधि में कार्य को पूर्ण करना

चित्र 1.19 – निश्चित समय अवधि में कार्य को पूर्ण करना

- बताए गए क्षेत्रों से सारा कचरा एकत्र करना और निपटान के लिए उचित क्षेत्र में कचरा ले जाना

चित्र 1.20 – कचरे को एकत्रित करना और निपटान करना

- सुनिश्चित करना कि जब कचरा एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाया जा रहा हो तब वह सही ढंग से ले जाया जाए
- कचरे को ठीक से लोड और अनलोड करना
- बायोडिग्रेडेबल कचरे से ठोस कचरे, प्लास्टिक और पुनर्नवीनीकरण कचरे (जिसे दोबारा प्रयोग किया जा सके) को अलग करना

चित्र 1.21 – कचरे के निपटान के लिए वर्गीकरण करना

- आपातकाल के समय में स्थानीय अधिकारियों से संपर्क करना (पुलिस, डॉक्टर, आदि)
- आपातकालीन फोन नम्बरः 100 (पुलिस), 101 (अग्निशमन विभाग), 102 (एम्बूलेंस)

चित्र 1.22 – आपातकालीन स्थिति में अधिकारियों को संपर्क करना

- कार्य करते समय आने वाली समस्याओं और शिकायतों को अपने अधिकारी को बताना

चित्र 1.23 – अपनी समस्याओं को अधिकारियों को बताना

1.2.3 सफाई कर्मचारी के लिए आवश्यक बुनियादी कौशल

सफाई कर्मचारी बनने के लिए एक व्यक्ति में निम्नलिखित कौशल होने आवश्यक हैं:

- निर्देशों को समझना

चित्र 1.24 – निर्देश अनुसार कार्य करना

- डस्टबिन पर इस्तेमाल किए जाने वाले विभिन्न निपटान रंगों, चिह्नों को समझना और बताना

चित्र 1.25 – विभिन्न निपटान रंगों, चिह्नों को समझना

- व्यक्तिगत सुरक्षा खतरों या कार्यस्थल के खतरों को पहचानना

चित्र 1.26 – व्यक्तिगत या कार्यस्थल के खतरों को पहचानना

- जहां संभव हो, अन्य कर्मचारियों की सकारात्मक तरीके से कार्य करने में सहायता करना

चित्र 1.27 – कार्य में दूसरों की मदद करना

- कार्यों से निपटने में गुणकारिता और दक्षता को अधिक करने के लिए परामर्श करना
- काम करते समय उचित संचार शिष्टाचार का प्रदर्शन करना

चित्र 1.28 – सहकर्मियों के साथ उचित संचार शिष्टाचार का प्रदर्शन करना

- कार्यस्थल पर ज़िम्मेदारी और अनुशासित व्यवहार का प्रदर्शन करना

चित्र 1.29 – कार्यस्थल पर ज़िम्मेदारी और अनुशासित व्यवहार का प्रदर्शन करना

1.2.3 सफाई कर्मचारी के लिए पेशे में प्रगति के अवसर

एक सफाई कर्मचारी अपने कौशल, अनुभव और ज्ञान के आधार पर "अलग किए हुए म्युनिसिपल के ठोस कचरे को एकत्र करने वाला", "कचरा एकत्र करने वालों का सुपरवाइज़र" और "रिसाइक्लेबल कचरे को इकठ्ठा और अलग करने वाला" भी बन सकते हैं।

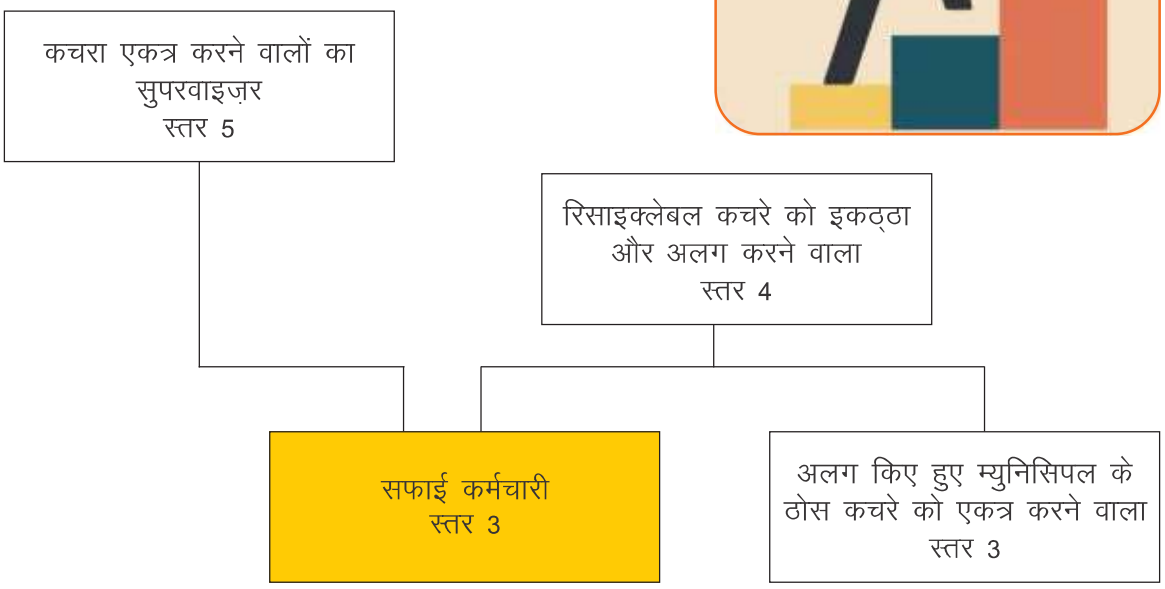

चित्र 1.30 – सफाई कर्मचारी के लिए पेशे में प्रगति के अवसर

अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें।
   a. QP का अर्थ क्या होता है?
   b. सफाई कर्मचारी QP के तहत कोई भी 3 NOS के नाम बताएं।
   c. इस प्रशिक्षण के 2 लाभ बताएं।
   d. सफाई कर्मचारी के 10 उत्तरदायित्व बताएं।

2. निम्नलिखित सही हैं या गलत हैं, बताएं।

a. इस प्रशिक्षण से आपको अपने करियर में प्रगति के लिए कौशल प्राप्त करने में मदद मिलेगी।

सही गलत

b. मूल्यांकन में सिर्फ व्यावहारिक परीक्षा होगी।

सही गलत

c. "सफाई करते समय व्यक्तिगत स्वास्थ्य और सुरक्षा बनाए रखना", सफाई कर्मचारी QP के तहत एक NOS है।

सही गलत

नोट्स

Skill India
कौशल भारत-कुशल भारत

सत्यमेव जयते
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF SKILL DEVELOPMENT
& ENTREPRENEURSHIP

N·S·D·C
National
Skill Development
Corporation
Transforming the skill landscape

SCGJ | SKILL COUNCIL FOR GREEN JOBS

2. सड़कों, फुटपाथ और सार्वजनिक क्षेत्रों की सफाई

यूनिट 2.1 – प्रस्तावना

यूनिट 2.2 – सड़कों, फुटपाथ आदि की सफाई

यूनिट 2.3 – पार्क और सार्वजनिक क्षेत्रों की सफाई

यूनिट 2.4 – कचरे को इकट्ठा करना और अलग–अलग करना

क्यूआर कोड स्कैन करें या संबंधित वीडियो देखने के लिए लिंक पर क्लिक करें

https://www.youtube.com/watch?v=3DGpE9NsHc8

SGJ/N6105

प्रमुख शिक्षा परिणाम

इस मॉड्यूल को पढ़ने के बाद आप नीचे बताए गए पहलुओं में सक्षम हो जाएंगे:

1. सड़कों, फुटपाथ आदि की सफाई करने में
2. पार्क और सार्वजनिक क्षेत्रों की सफाई करने में
3. कचरे को इकट्ठा और अलग करने में
4. कचरे का उचित क्षेत्र तक अपवाहन करने में
5. एकत्रित किए गए कचरे से बायोडिग्रेडेबल कचरे, ठोस कचरे, प्लास्टिक और रीसाइक्लेबल कचरे को अलग करने में
6. झाड़ू को तैयार करने में
7. सड़कों, फुटपाथ इत्यादि को साफ करना करने में
8. निर्दिष्ट स्थान पर कचरे को एकत्र करने में
9. बायोडिग्रेडेबल कचरे से अन्य कचरे को अलग करने में
10. निर्दिष्ट स्थान पर कचरे का ठीक से अपवाहन करने में
11. संग्रह स्थान से बड़े यूनिट तक अपवाहन के लिए कचरा तैयार करने में
12. कचरे को ठीक से लोड और अनलोड करने में
13. कचरे वाले डिब्बे खोलने में
14. विभिन्न कचरे से प्लास्टिक अलग करने में
15. रिसाइक्लेबल कचरे को अलग करने में जैसे, धातु, कागज
16. खतरनाक कचरे को सुपरवाइज़र के साथ परामर्श करके उचित रूप से पहचानने और निपटाने में
17. अलग कचरे को श्रेणी के अनुसार रखने में

यूनिट 2.1: प्रस्तावना

यूनिट उद्देश्य

इस यूनिट को पढ़ने के बाद आप नीचे बताए गए पहलुओं में सक्षम हो जाएंगे:

1. सफाई का महत्व समझने में
2. सफाई कर्मचारी के मुख्य कार्य समझने में

2.1.1 प्रस्तावना

एक सफाई कर्मचारी विभिन्न क्षेत्रों की सफाई करता है, कचरे को एकत्रित करता है, उचित निपटान के लिए कचरे को निर्दिष्ट स्थान पर ले जाता है।

चित्र 2.1 – सफाई कर्मचारी के कर्तव्य

यह कार्य एक कर्मचारी को ध्यानपूर्वक और उचित समय सीमा में पूरा करना होता है।

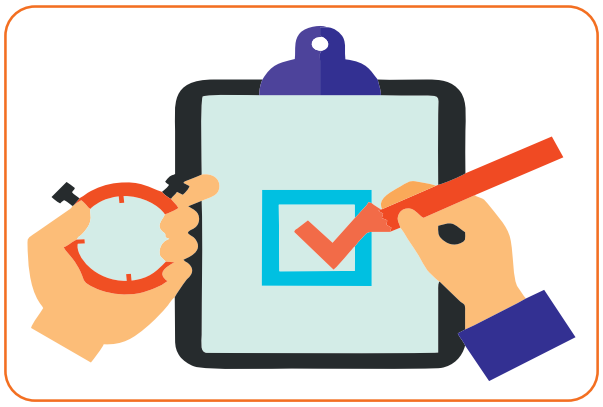

चित्र 2.2 – कार्य को ध्यानपूर्वक और समय पर समाप्त करना

उसके कार्य क्षेत्र में विभिन्न सड़कें, गलियां, फुटपाथ, पार्क, अन्य सार्वजनिक स्थल, भवन आदि सम्मिलित हैं।

चित्र 2.3 – सार्वजनिक स्थलों को साफ करना

सड़क को साफ़ रखना बहुत ही महत्त्वपूर्ण है जिससे उनको उपयोग में लाया जा सके। सड़कें साफ़ रहेंगी तो दुर्घटनाएं कम होंगी, पर्यावरण भी शुद्ध रहेगा और बीमारी होने के अवसर भी कम रहेंगे।

चित्र 2.4 – स्वच्छ वातावरण होने से स्वस्थ समाज का निर्माण होता है

पार्क और वातावरण को साफ़ सुथरा रखना बहुत ज़रुरी है क्योंकि इससे बाकि समाज के लोग भी स्वस्थ रहेंगे। सफाई के बाद कचरे को सही तरीके से एकत्रित करना और निपटान करना महत्वपूर्ण है जिससे कि वह बीमारी की वजह न बने।

चित्र 2.5 – कूड़े दान के पास कूड़े का ढ़ेर न लगाएं

इन सभी कार्यों की ज़िम्मेदारी सफाई कर्मचारी के ऊपर होती है।

चित्र 2.6 – गंदी सड़क

चित्र 2.7 – साफ सड़क

यूनिट 2.2: सड़कों, फुटपाथ आदि की सफाई

यूनिट उद्देश्य

इस यूनिट को पढ़ने के बाद आप नीचे बताए गए पहलुओं में सक्षम हो जाएंगे:

1. सड़कें साफ करने में
2. फुटपाथ, डिवाइडर व अन्य स्थानों को साफ करने में
3. विभिन्न कूड़ा के प्रकारों को जानने में
4. कूड़ा एकत्रित और अलग करने में
5. हरे और नीले बिन में डाले जाने वाले कचरे को जानने में

2.2.1 प्रस्तावना

'स्वच्छ भारत अभियान' का उद्देश्य भारत के सभी गांवों और शहरों को साफ और स्वच्छ बनाना है। भारत में सार्वजनिक क्षेत्रों में गंदगी फैलाना एक आम बात है और इसका दुष्प्रभाव सबसे अत्यधिक सड़कों पर पड़ता है। कचरे के ढेर के अलावा, ये सीवेज के अवरुद्ध होने और खुले में शौच करने वाले का भी शिकार बनती हैं।

चित्र 2.8 – गलियों में फैला कचरा बीमारियों की वजह बनता हैं

एक स्वस्थ समाज के लिए आवश्यक है कि पूरा क्षेत्र साफ हो और वातावरण शुद्ध हो।

इस कार्य को पूरा करने में सफाई कर्मचारी बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है।

चित्र 2.9 – शुद्ध वातावरण स्वस्थ समाज

2.2.2 सड़कों, फुटपाथ आदि की सफाई

सड़कों की सफाई के लिए अपनी शिफ्ट पर समय से पहुंचें क्योंकि उस वक्त लोगों की आवाजाही कम होती है और यातायात भी न के बराबर होता है। इस समय आप अपना कार्य अच्छे से, बिना किसी दुर्घटना के भय के, निपटा सकते हैं।

चित्र 2.10 – सुबह सड़कों की सफाई के लिए अपनी शिफ्ट पर समय से पहुंचे

सफाई कार्य के लिए झाड़ू तैयार करना आना आवश्यक है।

झाड़ू तैयार करने की विधि इस प्रकार है:

झाड़ू बनाने के लिए निम्नलिखित वस्तुएं आवश्यक है:–

1. लोहे का छल्ला
2. रस्सी
3. लकड़ी का डंडा
4. चीरी हुई तीलियों का झाड़ू

बनाने का तरीका:–

1. झाड़ू को छल्ले की सहायता से कस दें।
2. फिर इसे रस्सी की सहायता से डंडे पर अच्छे से बांध दें।
3. ध्यान रखें कि झाड़ू की तीलियां चीरी हुई हों। यदि ऐसा न हो, तो उसे स्वयं चीर लें।

चित्र 2.11 – झाड़ू तैयार करने की विधि

निम्नलिखित बिंदुओं को ध्यान में रखकर कार्य करें:

1. बीट पर पंहुचते ही सबसे पहले "पिकिंग" करें। इसका मतलब है, वहां जो पॉलीथिन, कागज़, छिलके, आदि बिखरे हैं, उन्हें उठाएं। यह कार्य बिना दस्ताने पहनें न करें।

चित्र 2.12 – सफाई कर्मचारी "पिकिंग" करते हुए

2. इसके बाद बांस पर लगी तीलियों वाली झाड़ू सफाई करें।

चित्र 2.13 – सफाई कर्मचारी झाड़ू से सफाई करते हुए

3. सड़क पर बने राउण्ड अबाउट की सफाई करें और इसके बाद डिवाइडर की।

4. इनके बाद फुटपाथ को साफ करें। ध्यान रखें कि वैल माउथ में कचरा न फेंके बल्कि उसे साफ करें जिससे कि उसमें पानी न रुके।

चित्र 2.14 – वैल माउथ में कचरा न फेंके बल्कि उसे साफ करें

5. सड़क के किनारे लगे ड्स्टबिन को खाली करें। आवश्यकता हो तो साफ भी करें।
6. कचरे को ट्राईसाइकिल या व्हीलबैरो में डालें और निर्धारित बिनों में डालें जहां से नगर पालिका की गाड़ी उसे उचित निपटान के लिए ले जा सके।

चित्र 2.15 – सफाई कर्मचारी ड्स्टबिन को ट्राईसाइकिल में खाली करते हुए

7. कचरे को बिनों के पास ढेर लगाकर न रखें, उसे बिन के अंदर डालें। ध्यान रखें बिन के पास भी सफाई हो और जानवर कचरे को फैलाएं न।

चित्र 2.16 – कचरे को बिनों के पास ढेर लगाकर न रखें

8. मैन होल के ऊपर लगी जाली को नियमित रूप से साफ करें।

चित्र 2.17 – इसमें कूड़े को न फंसने दें

2.2.3 सफाई कर्मचारी के लिए आवश्यक बुनियादी कौशल

9. अगर मैन होल का ढ़क्कन गायब हो या टूट गया हो, पानी व्यर्थ बह रहा हो, तो सुपरवाइज़र को सूचित करें।

चित्र 2.18 – निर्देश अनुसार कार्य करना

10. जमे कचरे को पंजर की सहायता से निकालें और सूखे पत्तों को इकठ्ठा करें।

चित्र 2.19 – जमे कचरे को पंजर से निकालें

चित्र 2.20 – सूखे पत्तों को इकठ्ठा करें

11. दुकानों के बाहर बेकार पड़े टायर, कूलर, ठहरा हुआ पानी, आदि, मच्छरों के प्रजनन स्थल बन सकते हैं। दुकानदारों को उसे हटाने के बारे में कहें।

चित्र 2.21 – ऐसा न होने दें, इनमें मच्छर पनपते हैं

12. किसी भी प्रकार के गेट के सामने कचरा जमा न होने दें।

चित्र 2.22 – गेट के सामने कचरा जमा न होने दें

13. गलियों, नालियों आदि में बारिश के पानी को जमा न होने दें।

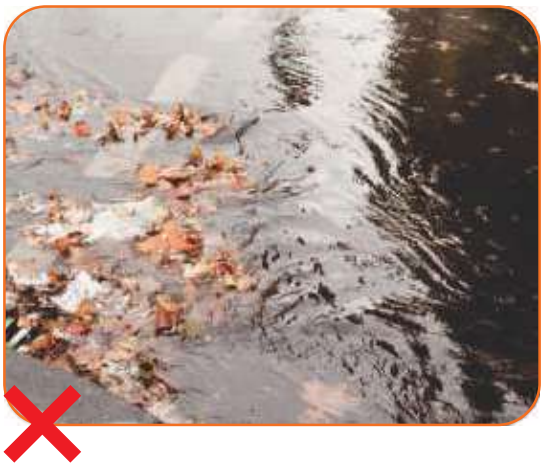

चित्र 1.23 – गलियों, नालियों आदि में बारिश के पानी को जमा न होने दें

14. बरसात के मौसम में डिसइंफेक्टैंट का प्रयोग करना अनिवार्य है (अन्य मौसमों में भी अच्छा होता है) जिससे कि सड़कें किसी भी फंगल, वायरल या बैक्टीरियल हमले से मुक्त रहें।

चित्र 1.24 – बरसात के मौसम में डिसइंफेक्टैंट का प्रयोग करना

2.2.3 कूड़े के प्रकार एवं प्रबंधन

उत्पन्न कूड़े के प्रकार

क) बायोडिग्रेडेबल (सूखा) कूड़ा – हरा कचरा, खाद्य कूड़ा, बायोडिग्रेडेबल प्लास्टिक्स

ख) रीसाइक्लेबल – पेपर कूड़ा, कार्डबोड, कांच, धातु आदि

ग) अन्य सभी गैर – बायोडिग्रेडेबल (सूखा) कचरा (रीसाइक्लेबल और गैर–रीसाइक्लेबल)

चित्र 2.25 – कूड़े के प्रकार एवं प्रबंधन

कचरे के निपटान के लिए उसे अलग करें और निर्दिष्ट बिनों में डालें। दो प्रकार के बिन में कचरे को डालें– हरा और नीला :

क) खाद्य पदार्थ और बायोडिग्रेडेबल कचरे के लिए (गीला) – हरा बिन :

- सभी प्रकार के खाद्य कूड़ा, अंडे, चाय, कॉफी
- फलों के रस सहित फूल और फलों के कचरे

चित्र 2.26 – खाद्य पदार्थ और बायोडिग्रेडेबल कचरे के लिए (गीला) – हरा बिन

ख) रीसाइक्सेबल और अन्य गैर–बायोडिग्रेडेबल कचरे के लिए (सूखा) –नीला बिनः

- सभी प्रकार के कागज और प्लास्टिक
- कार्डबोर्ड और डिब्बे
- सभी प्रकार की पैकेजिंग सामग्री
- सभी प्रकार का कांच
- सभी प्रकार की धातु
- रबड़, लकड़ी
- फ़ॉइल, रैपिंग कागज, पाउच, सैशे, टैट्रापैक
- कैसेट, कंप्यूटर डिस्क, प्रिंटर कार्टरिज और इलेक्ट्रॉनिक भाग
- फेंके गए कपड़े, फर्नीचर और उपकरण
- कचरे को निर्धारित बिन के अंदर ही डालें, साथ में ढेरी न लगाएं।

चित्र 2.27 – रीसाइक्सेबल और अन्य गैर–बायोडिग्रेडेबल कचरे के लिए (सूखा) –नीला बिनः

चित्र 2.28 – कचरे को बिन के अंदर डालें

- कचरे को संग्रहित करने आए ट्रकों पर विशेष ध्यान दें और उन्हें ढके बिना न जाने दें। कचरा उठाने वाले ट्रक को तिरपाल से ढकें जिससे कि कचरा रास्ते पर न गिरे और न ही पक्षी आकर उस पर बैठें।

चित्र 2.29 – कचरे को बिना ढ़के ट्रक में न ले जाए

नोट्स

यूनिट 2.3: पार्क और सार्वजनिक क्षेत्रों की सफाई

यूनिट उद्देश्य

इस यूनिट को पढ़ने के बाद आप नीचे बताए गए पहलुओं में सक्षम हो जाएंगे:

1. पार्क साफ करने में
2. पार्क परिसर में अन्य स्थानों को साफ करने में
3. विभिन्न कूड़े के प्रकारों को जानने में
4. कूड़ा एकत्रित करना और अलग करना
5. हरे और नीले बिन में डाले जाने वाले कचरे को जानने में

2.3.1 प्रस्तावना

पार्क और अन्य सार्वजनिक क्षेत्रों की स्वच्छता, वातावरण को प्रदूषण और बीमारी से बचाने के लिए आवश्यक है। पार्कों के लिए ज़रुरी है कि वे बिल्कुल साफ हों व उनका रख–रखाव भी अच्छे से हो जिससे सभी लोग उनका उपयोग कर सकें।

चित्र 2.30 – स्वच्छ वातावरण स्वस्थ समाज

आगे के भागों में हम उन्हें साफ करने के तरीके, कूड़ा प्रबंधन, आदि के बारे में जानेंगे।

2.3.2 पार्कों व अन्य सार्वजनिक क्षेत्रों की सफाई

पार्क के परिसर में सभी जॉगिंग ट्रैक, फुटपाथ, तालाब / झील / जल निकाय, शौचालय, बेंच, खुले जिम और खेल के उपकरण हर समय साफ रहें। निम्नलिखित सफाई दिनचर्या का पालन करना चाहिए:

कूड़ेदान

क) बायोडिग्रेडेबल और गैर–बायोडिग्रेडेबल सामग्री के लिए अलग–अलग कूड़ेदान का प्रयोग करें।

चित्र 2.31 – कचरे के अनुसार कूड़ेदान का प्रयोग करना

ख) कूड़ेदान से कचरे को निकालें और यदि आवश्यक हो ता उसे साफ करें।

चित्र 2.32 – कूड़ेदान को खाली करना

ग) कचरे के डिब्बे को मूल स्थान पर ही रखें।

घ) यदि कोई भी कचरा पार्क के परिसर में कहीं भी पाया जाता है, तो उसे तुरंत उठाएं।

टॉयलेट / शौचालय

क) टॉयलेट और सिंक हर प्रकार की धारियों, मिट्टी और साबुन के दागों से मुक्त होने चाहिए।

चित्र 2.33 – सिंक और मूत्रपात्र के आसपास सफाई रखें

ख) दर्पण और खिड़कियां धूल और धारियों से मुक्त होने चाहिए।

चित्र 2.34 – दर्पण अच्छे से साफ करें

ग) डिस्पेंसर धूल, मिट्टी और अवशेषों से मुक्त होने चाहिए और खाली होने पर प्रतिस्थापित होने चाहिए।

घ) कूड़ा उचित रूप से दैनिक आधार पर साफ किया जाता चाहिए।

चित्र 2.35 – दैनिक आधार पर कूड़ा साफ करना

ङ) साबुन, टॉयलेट पेपर, हाथ तौलिया/ड्रायर, सेनेटरी पैड मशीन, डस्टबिन और अन्य आवश्यक वस्तुओं की व्यवस्था होनी चाहिए।

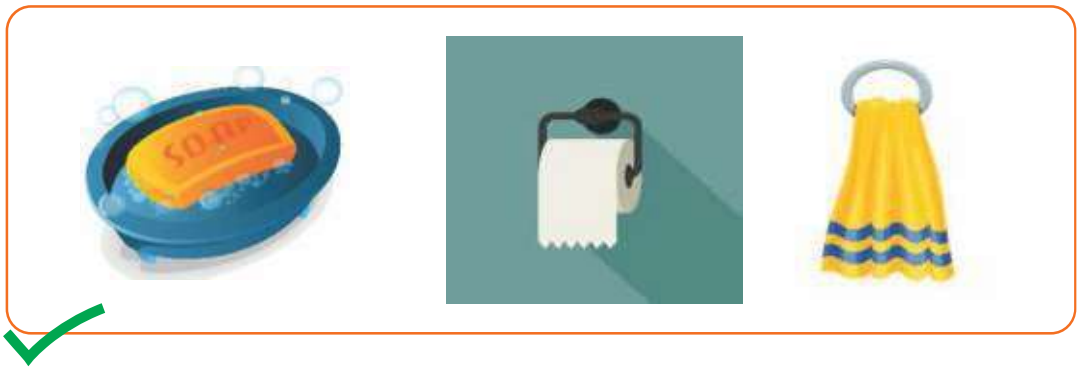

चित्र 3.36 – सभी सामान चेक करें और न हो तो व्यवस्था करें

च) टॉयलेट बाउल, मूत्रपात्र और आसपास के क्षेत्रों को रोज कीटाणुनाशक से साफ किया जाना चाहिए और एसिड–आधारित कीटाणुनाशक के उपयोग से बचा जाना चाहिए।

चित्र 2.37 – टॉयलेट बाउल, मूत्रपात्र की सफाई के लिए कीटाणुनाशक का प्रयोग करना

छ) टॉयलेट के फर्श को जितना संभव हो सके उतना सूखा रखा जाना चाहिए।

खुला क्षेत्र/सामान्य क्षेत्र

क) रास्तों की सफाई, जॉगिंग ट्रैक, तालाबों का किनारा कम से कम दो बार रोज साफ करें।

चित्र 2.38 – रास्तों को साफ करना

ख) कचरा डंपिंग स्थल (यदि परिसर में मौजूद हो) की सफाई महीने में एक बार ज़रूर करें।

ग) प्रत्येक दिन पार्क के बेंच और अन्य बाहरी उपकरणों को स्वच्छ रखें।

चित्र 2.39 – प्रत्येक दिन पार्क के बेंच की सफाई करना

घ) जितनी जल्दी हो सके मिट्टी/उर्वरक के ढेर को निकाल दें (यदि कोई हो)।

ङ) शाखाओं/सूखे पेड़ों को (यदि कोई हो) हर महीने या हर 15 दिनों में हटाने की आवश्यकता हो सकती है।

चित्र 2.40 – सूखी पत्तियों को हटाना

च) पत्तियों और बायोडिग्रेडेबल कचरे को खाद बनाएं (यदि संभव हो)।

ख़ाद/कम्पोस्टः

चित्र 2.41 – कम्पोस्ट खाद

पौधों को बढ़ने के लिए पोषक तत्त्वों से भरपूर मिट्टी की बहुत आवश्यकता होती है। मिट्टी में पोटाश और फॉस्फेट अच्छी मात्रा में मिल जाता है, परंतु पौधों की वृद्धि व विकास के लिए अत्यंत आवश्यक तत्त्व होता है नाइट्रोजन, जो कि कम मात्रा में होता है।

चित्र 2.42 – कम्पोस्ट बनाने की प्रक्रिया

यह कम्पोस्ट द्वारा आसानी से उपलब्ध हो जाता है। यदि इस कम्पोस्ट को सही रूप में तैयार कर लिया जाए तो पौधों को अत्यंत संतुलित पोषक तत्त्व प्रदान किया जा सकता है। उद्यान और पेड़ों के पास, पत्तों के गिरने से सड़ने की प्रक्रिया निरंतर चलती रहती है व पेड़–पौधों को निरंतर पोषक तत्त्व उपलब्ध होते रहते हैं। प्रकृति में यह सड़ना व गलना बैक्टीरिया की सहायता से होता रहता है। इसी के अनुसार कम्पोस्ट तैयार करने के लिए एक गड्ढा तैयार किया जाता है। गड्ढे में पहले चारों तरफ पानी का छिड़काव करके उसे नम किया जाता है और उसमें पत्ते, पौधे व अन्य गलने योग्य कचरे की तह बिछाई जाती है। इस पर गोबर की एक तह बिछाई जाती है। इस तरह कचरे और गोबर की विभिन्न तहों से गड्ढे को भरा जाता है। गोबर खाद में बैक्टीरिया पैदा करता है, जिसमें सड़ने–गलने की प्रक्रिया में तेजी आ जाती है। गड्ढे को भरपूर भर कर मिट्टी से अच्छी तरह बंद किया जाता है और इसके बाद पूरे गड्ढे पर पर्याप्त पानी डाला जाता है। ये नमी कचरे को जल्दी से गलने व सड़ने में सहायता करती है। इस में समय–समय पर पानी डालने की आवश्यकता होती है। इस प्रक्रिया से तीन–चार महीने में पोषक तत्त्वों से भरपूर कम्पोस्ट तैयार हो जाती है।

जल के स्रोत (यदि मौजूद हों)

क) जल की सतह पर तैरने वाले कूड़े को रोज साफ करें।

ख) जल, घास, लारवा और अवांछनीय सामग्री को अच्छे से साफ करें।

चित्र 2.43 – जल की सतह पर तैरने वाले कूड़े को रोज साफ करें

2.3.2 कूड़ा एकत्रित करना और अलग करना

कचरे के समुचित प्रबंधन को सुनिश्चित करने और रीसाइक्लिंग या पुनः उपयोग के माध्यम से कचरे को कम करने के लिए शेड्यूल तैयार किया जाना चाहिए।

1. बायोडिग्रेडेबल ठोस कूड़ा आदर्श रूप से साइट पर कम्पोस्ट किया जाना चाहिए। हालांकि, यदि कंपोस्ट नहीं किया गया है, तो इस तरह के कचरे को परिसर के भीतर जमा किया जाएगा और इसे बायोडिग्रेडेबल कूड़ा संग्रह वाहन द्वारा ले जाया जाएगा। नगर पालिका कचरा संग्रह के अपने कर्तव्यों को ध्यान में रखते हुए पार्क के अंदर से बायोडिग्रेडेबल कचरा एकत्र करेगा।

चित्र 2.44 – बायोडिग्रेडेबल कचरा संग्रह वाहन द्वारा ले जाना

2. उद्यान और बागवानी कचरे को मिलाना नहीं चाहिए और पार्क परिसर में ही कम्पोस्ट किया जाना चाहिए।
3. किसी भी प्रकार के ठोस कचरे को जलाने पर प्रतिबंध है।

चित्र 2.45 – ऐसा बिल्कुल न करें

4. अन्य सभी गैर–बायोडिग्रेडेबल (सूखे) कचरे – रीसाइक्लेबल और गैर–रीसाइक्लेबल दोनों को सूखे कूड़ा संग्रह वाहन में संग्रहित और वितरित किया जाना चाहिए।
5. कचरे के निपटान के लिए उसे अलग करें और बताए गए बिनों में डालें। दो प्रकार के बिन में कचरे को डालें– हरा और नीला, जैसे कि सेक्शन 2.2.3 में बताया गया है।

नोट्स

यूनिट 2.4: कचरे को इकट्ठा करना और अलग करना

यूनिट उद्देश्य

इस यूनिट को पढ़ने के बाद आप नीचे बताए गए पहलुओं में सक्षम हो जाएंगे:

1. कचरे के विभिन्न प्रकारों को जानने में
2. कचरे के अपवाहन के स्तरों को जानने में
3. कचरे के संग्रह और निपटान में
4. सफाई में प्रयुक्त होने वाले औजारों व उपकरण को जानने में

2.3.1 कचरे के प्रकार

एक स्थान से जब आप कचरा साफ करते हैं तो उस में विभिन्न प्रकार के कूड़ा होते हैं जैसे सूखे पत्ते, कागज़, प्लास्टिक की बोतलें, कांच, धातु की वस्तुएं, आदि। ये सभी वस्तुएं अलग–अलग तरीकों से नष्ट की जाती हैं या पुनर्नवीनीकरण के द्वारा दोबारा इस्तेमाल करने योग्य बनाई जाती हैं। इसके लिए आवश्यक है कि इनका संग्रह और वितरण ठीक से किया जाए, और ऐसा तभी हो सकता है जब आप इनके विभिन्न प्रकारों के बारे में जान लें।

कचरे के प्रकार हैं:

गीला कूड़ा		पकाया हुआ और कच्चा भोजन, पौधे के पत्ते, खाद्य सामग्री, कॉफी पाउडर, चाय, मांस और पोल्ट्री कूड़ा आदि
सेनेटरी कूड़ा		मासिक धर्म का कपड़ा (प्रयोग किया), डिस्पोजेबल डायपर, सैनिटरी नैपकिन, पट्टियाँ आदि
सूखा कूड़ा (कागज़)		सभी प्रकार के पेपर, पेपर प्लेट, टिकट, टेलीफोन बिल, रैपर, पत्रक, फ्लायर आदि।

सूखा कूड़ा – रिसाईक्लेबल (प्लास्टिक / कांच)		सभी प्रकार के प्लास्टिक, प्लास्टिक बैग, कोक की बोतलें, पानी की बोतलें, कचरा पैक, दूध के पैकेट, पाउच, चूड़ियाँ, क्रॉकरीज़ आदि
सूखा कूड़ा (खतरनाक)		प्रयुक्त सिरिंज, कीटनाशक और कंटेनर, बेकार दवाइयां, बेकार बैटरी, घरेलू रसायन, आदि
ई–वेस्ट		मोबाइल, सीडी, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, सीएफएल, ट्यूब लाइट्स, आदि
सूखा कूड़ा (अन्य)		धातु की वस्तएुं, टेट्रा पैक, एल्यूमीनियम फॉएल्स, एल्यूमीनियम के डिब्बे, थर्मोकोल, बोतलें, प्लेट, बर्तन, पैकेजिंग सामग्री, आदि
उद्यान कूड़ा		पेड़ की पत्तियां, शुष्क और गीली कटी शाखाएं आदि

निष्क्रिय कूड़ा		सभी प्रकार की निर्माण सामग्री, सीमेंट, कीचड़, धूल आदि

तालिका 2.1 – कचरे के प्रकार

कचरे के निपटान के लिए उसे अलग करें और बताए गए बिनों में डालें। दो प्रकार के बिन में कचरे को डालें– हरा और नीला, जैसे कि सेक्शन 2.2.3 में बताया गया है।

2.4.2 कचरे का अपवाहन

कचरे का अपवाहन दो स्तरों पर किया जाता है:

1. **प्राथमिक अपवाहन:** इसमें विशिष्ट डिब्बे में कचरे का संग्रह और वितरण शामिल है। इसके अलावा, शुरु में अलग किए कचरे को बिन से निकालकर ट्राईसाईकिल द्वारा ट्रांसफर स्टेशन तक ले जाना भी इसमें शामिल है।

चित्र 2.46 – ट्राई साईकिल से कचरे का अपवाहन

2. **माध्यमिक अपवाहन:** इसमें सड़क और ट्रांसफर स्टेशन से कचरे का अपवाहन निपटान स्थल तक किया जाता है। यह महत्वपूर्ण है कि कॉम्पैक्टर वाहन कचरे को, खुली लॉरियों की तरह नहीं बल्कि ढककर ले जाएं।

चित्र 2.47 – ट्रक में कूड़ा खुला न ले जाएं

2.4.3 कचरे का संग्रह और निपटान

1. सभी कचरा बिनों को ऊपर तक भरने से पहले ही खाली करना चाहिए क्योंकि अगर यह गंदे और भरे हुए होंगे तो लोग इसका प्रयोग नहीं करेंगे।
2. यह सुनिश्चित करें कि सड़कें व पार्क लम्बे समय तक साफ–सुथरे लगें और कचरा अच्छे से इकठ्ठा किया जाए।
3. कचरे के अपवाहन के लिए प्रयुक्त वाहन ढका हुआ होना चाहिए, कूड़ा जनता की नज़र में नहीं आना चाहिए, न ही खुले में बिखरना चाहिए।

चित्र 2.49 – कचरे को बिनों से खाली करना

4. क्या करें और क्या न करें:

क्या करें		क्या न करें
निर्माता की सेटिंग्स और मानकों के अनुसार सभी स्वीपर उपकरणों का संचालन करें।		नालियों या ड्रेनेज में स्वीपर उपकरणों का स्थानांतरण या निपटान न करें (अस्थायी रूप से भी नहीं)।
दिशा–निर्देशों के साथ सभी कूड़े को निपटाएं।		पार्किंग, ड्रेनेज, नालियों या किसी अन्य स्थान के बाहर या आसपास कचरे का निपटारा न करें, जहां वे पर्यावरण को नुकसान पहुंचा सकते हैं।
सभी उपकरणों को साफ रखें; कचरे को बढ़ावा न दें।		उपकरणों को क्षतिग्रस्त या जंग लगने न दें; यदि अधिक उपयोग के लिए अनुपयुक्त हो तभी बदलें।
उन सड़कों पर ध्यान दें जहां ज्यादा कचरा बनता है और सुपरवाइजर को सूचित करें ताकी वहां आपरेशन के शेड्यूल को बढ़ाया जा सके।		स्वीपर उपकरणों के लिए नियमित रखरखाव की आवश्यकताओं को अनदेखा न करें जो संभावित रूप से भविष्य की समस्याओं को कम कर सकते हैं

तालिका 2.2 – क्या करें क्या न करें

2.4.4 सफाई औजार व उपकरण

उपयुक्त औजार बेहतर कार्य–क्षमता के लिए आवश्यक हैं। इन्हें लम्बे समय तक इस्तेमाल योग्य बनाए रखने के लिए उचित रख–रखाव की आवश्यकता होती है। यह आपके कार्य को आसान बनाते हैं और श्रम की आवश्यकता को कम करते हैं। महत्वपूर्ण औजार इस प्रकार हैं:

औजार		**उपयोग**
झाड़ू		झाड़ू दक्षता और स्वास्थ्य दोनों के लिए महत्वपूर्ण है।
धातु की ट्रे और प्लेट		एक धातु ट्रे और प्लेट सड़क के कचरे को ट्राईसाइकिल में ट्रांसफर करने के लिए होता है और कर्मचारी को कचरे के संपर्क में आने से बचाता है।
हैंडकार्ट या ट्राईसाइकिल		• हैंडकार्ट सफाई कर्मचारी को आवाजाही की सुविधा देती है। • डिटैचेबल कंटेनरों के कारण कूड़ा माध्यमिक बिन में आसानी से डाल सकते हैं। • कंटेनर को आसानी से उठाया जा सकता है। • हैंडकार्ट कम से कम तीन पहियों का होता है और हैंडल ऊंचाई पर होता है जिससे कि गाड़ी को धक्का देने के लिए कर्मचारी को झुकना न पड़े।
टोकरी (बांस और एल्यूमिनियम)		आवश्यकता के अनुसार
ब्रश		आवश्यकता के अनुसार

पहिएदार बिन या कंटेनर गाड़ियां		आवश्यकता के अनुसार

तालिका 2.3 – सफाई के औजार व उपकरण

अभ्यास

1. "पिकिंग" का मतलब बताएं।

2. कचरे के निपटान के लिए निर्दिष्ट बिनों के प्रकार बताएं।

3. कचरा उठाने वाले ट्रक को तिरपाल से ढकना क्यों जरूरी है?

4. कचरा अपवाहन के दोनों स्तर बताएं।

5. ट्राईसाइकिल के उपयोग बताएं।

6. निम्न सफाई औजारों व उपकरणों को पहचान कर नाम लिखें:

नोट्स

Skill India
कौशल भारत-कुशल भारत

सत्यमेव जयते
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF SKILL DEVELOPMENT
& ENTREPRENEURSHIP

N·S·D·C
National
Skill Development
Corporation
Transforming the skill landscape

SCGJ | SKILL COUNCIL FOR GREEN JOBS

3. भवनों के फर्श की सफाई

यूनिट 3.1 – प्रस्तावना
यूनिट 3.2 – भवनों के फर्श की सफाई
यूनिट 3.3 – कचरे का एकत्रीकरण एवं अपवाहन

क्यूआर कोड स्कैन करें या संबंधित वीडियो देखने के लिए लिंक पर क्लिक करें

https://www.youtube.com/watch?v=lHYohdFBgWQ

https://www.youtube.com/watch?v=wuFC1xW7OyQ

SGJ/N6106

प्रमुख शिक्षा परिणाम

इस मॉड्यूल को पढ़ने के बाद आप नीचे बताए गए पहलुओं में सक्षम हो जाएंगे:

1. भवनों की सफाई के महत्व को जानने में
2. इस कार्य में प्रयोग होने वाले औजार एवं उपकरणों को जानने में
3. विभिन्न प्रकार के फर्शों की सफाई करने में
4. भवन के अन्य स्थानों की सफाई करने में
5. कचरे के प्रकारों को जानने एवं निपटान करने में
6. कचरे का एकत्रीकरण एवं अपवाहन करने में
7. फर्श को साफ करने के लिए उचित झाड़ू का चयन करने में
8. भवनों के फर्श को साफ करने में
9. महीन धूल को हटाने के लिए गीले कपड़े के साथ फर्श को साफ करने में
10. निर्दिष्ट डिब्बे में कचरे को इकट्ठा करने में
11. कागज और प्लास्टिक जैसे रिसाइक्लेबल कचरे को अलग करने में
12. कचरे को बड़ी यूनिट में ठीक से लोड करने में
13. भवन के कचरे को ठीक से उठाकर निर्धारित क्षेत्र पर ले जाने में

यूनिट 3.1: प्रस्तावना

यूनिट उद्देश्य

इस यूनिट को पढ़ने के बाद आप नीचे बताए गए पहलुओं में सक्षम हो जाएंगे:

1. भवनों की सफाई के महत्व को जानने में

3.1.1 भवनों की सफाई का महत्व

देखा गया है कि कार्यालयों में उचित सफाई व रख–रखाव नहीं किया जाता है जो आज के वक्त में पर्यावरण की सुरक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। एक स्वच्छ कार्यस्थल और वातावरण, वहां के कर्मचारी व आने वाले आंगतुकों की सुरक्षा, सम्मान और आराम के लिए आवश्यक है।

चित्र 3.1 – भवनों की सफाई के तरीके

कार्यालय की सफाई बाकि सफाई कार्यों से भिन्न होती है और इसमें बहुत बारीकी से और ध्यानपूर्वक काम करना होता है। इसके लिए आपको उपकरण, रसायन, फर्श, आदि के बारे में विस्तारपूर्वक जानना आवश्यक है। इसके लिए आगे के भागों में सभी कार्य विस्तार से समझाए गए हैं।

यूनिट 3.2: भवनों के फर्श की सफाई

यूनिट उद्देश्य

इस यूनिट को पढ़ने के बाद आप नीचे बताए गए पहलुओं में सक्षम हो जाएंगे:

1. सफाई कार्य में प्रयोग होने वाले औजार एवं उपकरणों को जानने में
2. मैनुअल और मशीनी उपकरणों को जानने में
3. विभिन्न प्रकार के फर्शों की सफाई करने में
4. भवन के अन्य स्थानों की सफाई करने में
5. गलत सफाई सामग्री प्रयोग करने से होने वाली हानि के बारे में

3.2.1 कार्यालय भवनों में सफाई

एक कार्यालय में आप को सम्पूर्ण सफाई रखने के लिए आवश्यक है कि आप इस कार्य में प्रयोग होने वाले औजार, उपकरण, अन्य सामग्री, सफाई के प्रकार, तरीका, सावधानियां जान लें और अपनी सुरक्षा के लिए उनके अनुसार सफाई करें।

चित्र 3.2 – सफाई के इस्तेमाल किए जाने वाले उपकरण

3.2.2 सफाई में प्रयोग होने वाले औजार एवं उपकरण

सफाई उपकरण मुख्यतः दो प्रकार के होते हैं: हाथ से (मैनुअल) चलने वाले एवं मशीनी।

मैनुअल उपकरण

फर्श की सफाई लिए झाड़ू	
पोंछा	
ब्रश	
वाइपर	
कपड़ा	
स्प्रे बोतलें	

तालिका 3.1 – मैनुअल उपकरण

मशीनी उपकरण

वैक्यूम क्लीनर	
स्क्रबिंग मशीन	
पोलिशिंग मशीन	

तालिका 3.2 – मशीनी उपकरण

सफाई सामग्री

फर्श की सफाई के लिए डिटर्जेंट	
फ़र्नीचर पोलिश	

कांच और खिड़की के लिए क्लीनर	
धातु की सतहों के लिए पोलिश	
सैनेटाइज़र	

तालिका 3.3 – सफाई सामग्री

आप सफाई उपकरणों की जानकारी विस्तार में सेक्शन 6.1.3 में पढ़ेंगे।

3.2.3 सफाई के तरीके

सफाई करने के निम्नलिखित दो तरीके हैं:

सूखी सफाई

चित्र 3.4 – सूखी सफाई

कार्यालय के सभी क्षेत्रों और कमरों में लोगों का आना–जाना हमेशा लगा रहता है। ऐसे में वहां धूल और गंदगी ज्यादा आती है। ब्रश या झाड़ू का उपयोग करके इस धूल और गंदगी को हटाने की प्रक्रिया झाड़ू लगाना है। यह हमेशा पोंछे लगाने से पहले किया जाता है। लॉबी, रिसेप्शन एरिया, प्रतीक्षा कक्ष, आदि में अधिक लोग आते हैं। इसलिए इन क्षेत्रों को एक दिन में कई बार साफ करना चाहिए।

गीली सफाई

चित्र 3.5 – गीली सफाई

इस प्रक्रिया में फर्श को साफ करने के लिए फ्लोर क्लीनर के साथ गीला पोंछा लगाया जाता है।

उत्पाद के लेबल पर दिए गए निर्देशों के अनुसार फ्लोर क्लीनर को बाल्टी में डालें।

एक साफ पोंछे के साथ शुरू करते हुए सफाई करें। पोंछे को बाल्टी में डालकर भिगोएं और अच्छे से निचोड़ लें। नम पोंछे से फर्श साफ करें। क्लीनर गंदा होने पर उसे बदलें।

विस्तार में सफाई के तरीके:

कार्यालय के भवन के सभी गलियारे, कमरे, शौचालय और उनके फर्श, छत, फर्नीचर, दरवाजे, खिड़कियां, आदि किसी भी समय साफ होना चाहिए। निम्नलिखित सफाई दिनचर्या का पालन करना चाहिए:

फर्श की सफाई

क) दिन में कम से कम एक बार निस्संक्रामक से गलियारे की सफ़ाई करें।

चित्र 3.6 – निस्संक्रामक के साथ फर्श की सफाई

ख) दुर्घटनाओं से बचने के लिए उपयुक्त चेतावनी का संकेत रखें।

चित्र 3.7 – चेतावनी का संकेत

ग) एक दिन में गलियारे को बार–बार साफ करें।

चित्र 3.8 – गलियारों की सफाई

घ) उचित वैक्यूम सफाई उपकरणों का उपयोग कर कालीनों की दैनिक सफाई करें।

विभिन्न प्रकार के फर्शों की सफाई के लिए तरीके:

- लकड़ी के फर्श

चित्र 3.9 – लकड़ी के फर्श की सफाई

लकड़ी के फर्श को ठीक से बनाए रखने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है कि निम्नलिखित तरीके से सफाई की जाए:

सफाई निर्देश:

1. धूल को हटाने के लिए फर्श को साफ करें।

चित्र 3.10 – धूल को हटाने के लिए फर्श को साफ करें

2. नरम ब्रश का प्रयोग करके, फर्श को साफ करें, कोनों पर विशेष ध्यान दें।

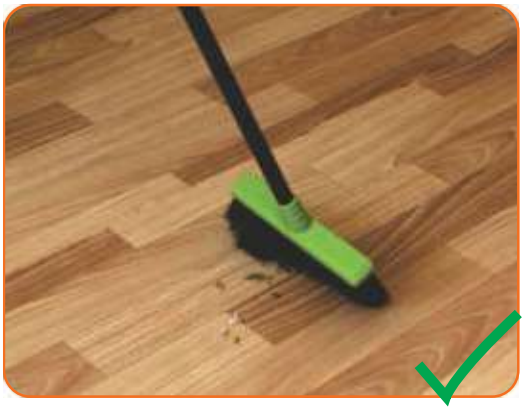

चित्र 3.11 – नरम ब्रश से कोनों को साफ करना

3. हल्के ढंग से लकड़ी की पॉलिश पोछे के कपड़े पर डालें।
4. फर्श पर हल्के से पोछा लगाएं। चलते समय फर्श के पॉलिश से फिसलने से बचें।

चित्र 3.12 – हल्के हाथों से लकड़ी के फर्श पर पोंछा लगाए

5. लकड़ी के फर्श का सबसे बड़ा दुश्मन पानी है। लकड़ी के फर्श पर गीला पोछा या बड़ी मात्रा में पानी का इस्तेमाल न करें।

चित्र 3.13 – लकड़ी के फर्श पर गीला या अधिक पानी वाला पोंछा न लगाए

6. किसी भी दाग को हटाने के बाद, एक नम कपड़े के साथ उस जगह को पोंछे और अच्छी तरह सुखाएं। अगर उस जगह पर फर्श खराब हो गया है, तो उपयुक्त फिनिश या मोम के साथ फिर से वैक्स करें।

चित्र 3.14 – किसी भी दाग को हटाने के बाद, नम कपड़े से पोंछे

7. लकड़ी के फर्श पर नियमित वैक्सिंग और बफ्फिंग करना चाहिए।

- **सिरेमिक टाइल फर्श**

चित्र 3.15 – सिरेमिक टाइल फर्श

यह आजकल इस्तेमाल किया जाने वाला सबसे सामान्य प्रकार का फर्श है। यह कई प्रकार के आकार, रंग और बनावट में आता है। इस प्रकार के फर्श आग प्रतिरोधक होते हैं और लंबे समय तक चलते हैं। इसका रख–रखाव बहुत आसान है।

सफाई निर्देश:

1. धूल को हटाने के लिए फर्श को साफ करें।

चित्र 3.16 – धूल को हटाने के लिए फर्श को साफ करें

2. गीला पोंछा लगाएं।

चित्र 3.17 – गीला पोंछा लगाएं

3. हमेशा टाइल के बीच की जगह को साफ करें।

चित्र 3.18 – टाइल के बीच की जगह को साफ करें

4. सिरेमिक टाइल फर्श को साफ करते समय इनसे बचा जाना चाहिए – लोहे की जाली, या अन्य रगड़ने वाले पदार्थ का प्रयोग, जिसे टाइल खराब हो सकती है।

चित्र 3.19 – सिरेमिक टाइल फर्श को लोहे की जाली से साफ न करें

5. फर्नीचर की रगड़ से फर्श को बचाएं।
6. दाग को तुरंत पोंछें और साफ करें।

चित्र 3.20 – दाग को तुरंत पोंछें

7. टाइल के सौंदर्य को बढ़ाने के लिए नियमित रूप से धूल साफ करें और गंदगी जमा न होने दें। पत्थर के फर्श की सफाई भी ऐसे ही करें।

चित्र 3.21 – पत्थर का फर्श

- **कंक्रीट का फर्श**

चित्र 3.22 – कंक्रीट का फर्श

इस तरह के फर्श भवन के आंगन में बनाए जाते हैं। यह लम्बे समय तक चलते हैं और धूप में भी खराब नहीं होते।

सफाई निर्देश:

1. धूल को हटाने के लिए फर्श पर झाड़ू लगाएं।

चित्र 3.23 – फर्श पर झाड़ू लगाएं

2. फर्श को पानी से धोएं।

चित्र 3.24 – फर्श को पानी से धोए

3. दाग हटाने के लिए अच्छे से रगड़ें।

चित्र 3.25 – दाग हटाने के लिए अच्छे से रगडें

4. अगर कोई पदार्थ गिर गया है, पहले उसे सूखे कपड़े से साफ करें ताकि कंक्रीट उसे सोख न ले।

चित्र 3.26 – गिरे हुए पदार्थ को सूखे कपड़े से साफ करें

कार्यालय के बाकी स्थानों की सफाई:

कचरादानी

1. कचरे को डस्टबिन से निकालें और यदि आवश्यक हो तो उन्हें साफ भी करें।

चित्र 3.27 – कचरे को डस्टबीन से निकालें और बड़े कंटेनर में डालें

2. बायोडिग्रेडेबल और गैर–बायोडिग्रेडेबल सामग्री के लिए अलग–अलग कूड़ेदान का प्रयोग करें।
3. कचरे के डिब्बे को मूल स्थान पर ही रखें।
4. यदि क्षेत्र में कोई भी कचरा मिलता है तो उसे तुरंत उठाएं।

चित्र 3.28 – बिखरे हुए कचरे को उठाएं

दरवाज़े, खिड़कियां और दीवारें

1. पानी या उपयुक्त स्प्रे के साथ खिड़कियां और उसके कांच को साफ करें।

चित्र 3.29 – खिड़कियां और उसके कांच को साफ करें

2. सभी जाले और दाग हटाएं।

चित्र 3.30 – सभी जाले और दाग हटाएं

3. अगर गलियारे की दीवार पर उंगलियों के निशान, धब्बे या दाग पाए जाते हैं तो तुरंत उसे साफ किया जाना चाहिए।

झरोखे और फिक्स्चर

1. लाइट फिटिंग, दीवारों पर लगी सजावटें व अन्य फिक्स्चर हल्के ब्रश या डस्टर से साफ करें।

चित्र 3.31 – पंखे और बिजली के बोर्ड को साफ करना

2. एयर कंडीशनिंग वेंट्स को भी साफ किया जाना चाहिए।

टॉयलेट

1. टॉयलेट की सफाई के बारे में आप विस्तारपूर्वक सेक्शन 6.2.1–गीली सफाई में पढ़ेंगे।

चित्र 3.32 – सिंक और मूत्रपात्र के आसपास सफाई रखें

बाहरी क्षेत्र / खुली जगहें / सामान्य स्थान

1. बाहरी क्षेत्रों की रोज़ाना कम से कम दो बार सफ़ाई करें।
2. कचरा डंपिंग स्थल (यदि परिसर में मौजूद हो) की सफाई महीने में एक बार ज़रूर करें।
3. पत्तियों और बायोडिग्रेडेबल कचरे को खाद बनाएं (यदि संभव हो)।

साफ करने वाली वस्तुएं / आवृत्ति	
साफ करने वाली वस्तुएं – छत सहित एयर कंडीशनिंग और वेंटिलेशन ग्रिल / वेंट और लाइट फिक्सचर **आवृत्ति** – मासिक	
साफ करने वाली वस्तुएं – स्टोर कमरे और स्टोरेज क्षेत्र **आवृत्ति** – मासिक	
साफ करने वाली वस्तुएं – खिड़कियां और दीवारें **आवृत्ति** – मासिक	
साफ करने वाली वस्तुएं – सभी क्षैतिज समतल सतहें (सभी शेल्फ) **आवृत्ति** – साप्ताहिक	

साफ करने वाली वस्तुएं – फर्नीचर **आवृत्ति** – साप्ताहिक	
साफ करने वाली वस्तुएं – कालीन **आवृत्ति –** दैनिक	
साफ करने वाली वस्तुएं – सभी दीवारें, दरवाजों और खिड़कियों सहित **आवृत्ति –** सप्ताह में दो बार	
साफ करने वाली वस्तुएं – फ़र्श, कोनों और किनारों सहित **आवृत्ति** – दैनिक	
साफ करने वाली वस्तुएं – बाहरी क्षेत्र **आवृत्ति** – दैनिक	

तालिका 3.4 – साफ करने वाली वस्तुएं और उनकी आवृत्ति

क्या करें और क्या नहीं करें

क्या करें	क्या नहीं करें
इमारत और उद्यान/खुली जगह के अंदर और बाहर कचरे को एकत्रित करें और निर्धारित आवृत्ति के अनुसार निपटाएं	कचरे को इमारत के आस–पास जमा न करें।
दिशा–निर्देशों के अनुसार सभी कचरे का निपटान करें	पार्किंग स्थल, बागानों, नालियों, जल निकाय या किसी अन्य स्थान में कचरे का निपटान न करें, जहां वह पर्यावरण को नुकसान पहुंचा सकता है।
सभी उपकरणों को साफ रखें; कचरे को बढ़ावा न दें।	उपकरणों को क्षतिग्रस्त या जंग न लगने दें; यदि अधिक उपयोग के लिए अनुपयुक्त हो तभी बदलें।
स्वच्छ और स्वस्थ कार्यस्थल सुनिश्चित करें।	अधिकारियों को अपने रिक्त स्थान में अनावश्यक फाइल जमा नहीं करने को कहें।

तालिका 3.5 – क्या करें और क्या नहीं करें

यदि गलत सामग्री का उपयोग किया जाता है:

- यदि गलत सफाई कैमिकल का उपयोग किया जाता है, तो सतह खराब होने के कारण दुर्घटना का कारण हो सकता है।

चित्र 3.33 – यदि गलत सामग्री का उपयोग किया जाता है, तो यह गिरने का कारण हो सकता है

यदि गलत सामग्री का उपयोग किया जाता है तोः

- यह संभावना है कि सतहें ठीक से साफ नहीं हों और यह कार्यालय के स्वच्छता मानकों को प्रभावित करे।
- उपकरण या सतह को अलग–अलग रसायनों का उपयोग करके फिर से साफ करना होगा; यह रसायन (पैसा) और समय की बर्बादी है।
- रसायनों और सामग्री का गलत इस्तेमाल सतहों को नुकसान पहुंचा सकता है।
- बदबू का आना।

चित्र 3.34 – बदबू का आना

- कार्यालय के लिए खराब छवि बनना।

नोट्स

यूनिट 3.3: कचरे का एकत्रीकरण एवं अपवाहन करने में

यूनिट उद्देश्य

इस यूनिट को पढ़ने के बाद आप नीचे बताए गए पहलुओं में सक्षम हो जाएंगे:

1. कचरे के प्रकारों के बारे में
2. कचरे का निपटान करने में

3.3.1 कचरे का निपटान

कचरे के समुचित प्रबंधन को सुनिश्चित करने और रीसाइक्लिंग और पुन: उपयोग के माध्यम से कचरे को कम करने के लिए शेड्यूल तैयार की जानी चाहिए।

कचरे के प्रकार

क) बायोडिग्रेडेबल (सूखा) कूड़ा (हरा कचरा, खाद्य कूड़ा, पेपर कूड़ा, बायोडिग्रेडेबल प्लास्टिक्स)

ख) खतरनाक कूड़ा

ग) निर्माण और तोड़–फोड़ का मलबा

घ) अन्य सभी गैर–बायोडिग्रेडेबल (सूखा) कचरा (रीसाइक्लेबल और गैर–रीसाइक्लेबल)

इन सबके बारे में आप पहले भी पढ़ चुके हैं, पर खतरनाक कूड़े के बारे में नहीं। तो अब इसके बारे में जानते हैं:

खतरनाक कूड़ा

संभावित खतरनाक कचरे में शामिल हैं:

पॉलिश फर्श, धातु, जूते और फर्नीचर पर इस्तेमाल किया जाता है	
सफाई और रोगाणुओं से मुक्त करने के उत्पाद कालीन और ओवन क्लीनर, डिटर्जेंट, ब्लीच, स्पॉट रिमूवर	

कार्यालय उत्पाद सफेद तरल पदार्थ, स्थायी स्याही मार्कर, फोटोकॉपी और प्रिंटिंग तरल पदार्थ	
सॉल्वेंट्स और एरोसोल एयर फ्रेशनर	
तेल आधारित पेंट और वार्निश	
फ्लेमेबल्स गैस, चिकनाई, तेल	

मोटर तेल	
अन्य खतरनाक कूड़ा ठोस वस्तुओं के रूप में बैटरी, फ्लोरोसेंट लैंप, लाइट बल्ब, कंप्यूटर और मॉनिटर	

तालिका 3.6 – उपकरण और उनके उपयोग

3.3.3 कचरे के निपटान के तरीके

कचरे के निपटान के लिए उसे अलग करें और बताए गए बिनों में डालें। दो प्रकार के बिन में कचरे को डालें–हरा और नीला, जैसे कि सेक्शन 2.2.3 में बताया गया है। पूरा निपटान इसी प्रकार करें।

अभ्यास

1. निम्न तस्वीरों को पहचान कर नाम लिखें:

अभ्यास

2. ब्रश क्या होता है? ब्रश के प्रकारों के बारे में बताएं।

3. वाइपर क्या होता है?

4. लकड़ी के फर्श की सफाई प्रक्रिया बताएं।

5. कंक्रीट के फर्श की सफाई प्रक्रिया बताएं।

6. स्टोर कमरे, खिड़कियां, फर्नीचर व कालीन की सफाई की आवृत्ति बताएं।

7. खतरनाक कचरे के 3 उदाहरण दें।

Skill India
कौशल भारत-कुशल भारत

सत्यमेव जयते
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF SKILL DEVELOPMENT
& ENTREPRENEURSHIP

N·S·D·C
National
Skill Development
Corporation
Transforming the skill landscape

SCGJ | SKILL COUNCIL FOR GREEN JOBS

4. सफाई करते समय व्यक्तिगत स्वास्थ्य और सुरक्षा

यूनिट 4.1 – स्वास्थ्य एवं सुरक्षा का महत्व
यूनिट 4.2 – स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के मुख्य पहलु
यूनिट 4.3 – सुरक्षा से संबंधित– कार्यस्थल में खतरे
यूनिट 4.4 – सुरक्षा से संबंधित– निजी सुरक्षा उपकरण
यूनिट 4.5 – स्वास्थ्य से संबंधित– व्यक्तिगत स्वच्छता
यूनिट 4.6 – स्वास्थ्य से संबंधित– कार्यस्थल की स्वच्छता
यूनिट 4.7 – स्वास्थ्य से संबंधित– प्राथमिक चिकित्सा

क्यूआर कोड स्कैन करें या संबंधित वीडियो देखने के लिए लिंक पर क्लिक करें

https://www.youtube.com/watch?v=Ktv9DdjmS8c

प्रमुख शिक्षा परिणाम

इस मॉड्यूल को पढ़ने के बाद आप नीचे बताए गए पहलुओं में सक्षम हो जाएंगे:

1. स्वास्थ्य एवं सुरक्षा का महत्व जानने में
2. स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के मुख्य पहलु जानने में
3. कार्यस्थल में खतरों के बारे में
4. व्यक्तिगत स्वच्छता रखने में
5. कार्यस्थल को स्वच्छ रखने में
6. प्राथमिक चिकित्सा करने में
7. कार्यस्थल सुरक्षा नीतियों का उल्लंघन होने पर अधिकारियों से संपर्क करने में
8. प्राथमिक चिकित्सा किट का स्थान जानने में
9. कार्य के अनुसार निजी सुरक्षा उपकरण का चुनाव करने में
10. सड़क, फुटपाथ, सार्वजनिक क्षेत्रों और भवनो की सफाई करने हुए मास्क और दस्तानों का प्रयोग करने में
11. सफाई करते समय अपनी स्वस्त का ख़याल रखने में
12. अपनी और अपने सहकर्मी की सुरक्षा करने में

यूनिट 4.1: स्वास्थ्य एवं सुरक्षा का महत्व

यूनिट उद्देश्य

इस यूनिट को पढ़ने के बाद आप नीचे बताए गए पहलुओं में सक्षम हो जाएंगे:

1. स्वास्थ्य एवं सुरक्षा की आवश्यकता जानने में

4.1.1 स्वास्थ्य एवं सुरक्षा की आवश्यकता

एक क्षेत्र को साफ व स्वच्छ रखने में सफाई कर्मचारी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अक्सर कर्मचारी इस कार्य को करने में चूक कर जाते हैं जिससे या तो उनके स्वास्थ्य को हानि होती है या फिर उस क्षेत्र में रहने वाले लोगों के स्वास्थय को। सफाई कार्य ठीक से न होने पर समाज में प्रदूषण फैलता है और बीमारियां पनपती हैं। सफाई के बाद कूड़े के निपटान में चूक होने से भी पर्यावरण एवं लोगों को नुक्सान पहुँचता है।

चित्र 4.1 – गंदगी से होने वाली बीमारियां

बीमारियों को रोकने के लिए ज़रूरी है कि कर्मचारी अपना ख्याल अच्छे से रखें और सभी आवश्यक प्रक्रियाओं का पालन करें। आगे के भागों में आप सभी आवश्यक प्रक्रियाओं के बारे में जानेंगे।

नोट्स

यूनिट 4.2: स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के मुख्य पहलु

यूनिट उद्देश्य

इस यूनिट को पढ़ने के बाद आप नीचे बताए गए पहलुओं में सक्षम हो जाएंगे:

1. सुरक्षा के मुख्य पहलु जानने में
2. स्वास्थ्य के मुख्य पहलु जानने में

4.2.1 सुरक्षा के मुख्य पहलु

सफाई करते हुए आपकी अपनी सुरक्षा सबसे महत्वपूर्ण होती है। हर कार्य में आपको बहुत सावधानी बरतनी चाहिए। इसके लिए ज़रुरी है कि आप सभी खतरों से परिचित हों, उन्हें टालने के तरीके जानते हों, निपटना जानते हों और निजी सुरक्षा उपकरण पहनना जानते हों। आगे सभी पहलु विस्तार से बताए गए हैं।

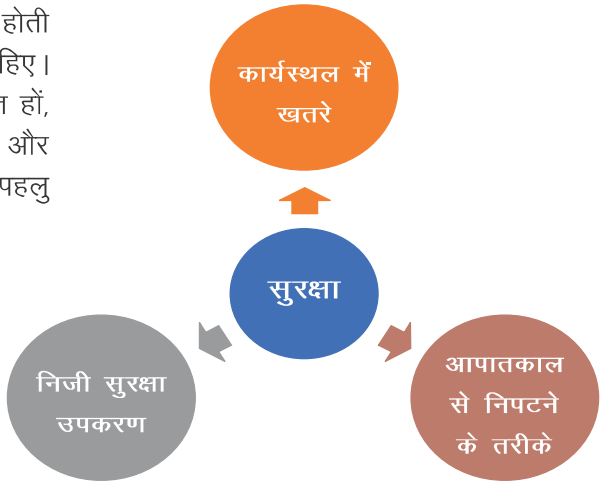

चित्र 4.2 – सुरक्षा के मुख्य पहलु

4.2.2 स्वास्थ्य के मुख्य पहलु

कहा जाता है ''पहला सुख निरोगी काया'' इसमें कोई दो राय नहीं है कि अगर आपका स्वास्थ्य ठीक नहीं हो तो कोई भी कार्य सही नहीं होता। आपका स्वास्थ्य सही रहेगा तो हर कार्य अच्छे से सम्पन्न हो जाएगा। पंरतु कई बार हमारे कार्यों और दिचर्या की वजह से भी हमारे स्वास्थ्य को नुक्सान होता है। इसलिए जो भी कार्य करना हो पहले यह सुनिश्चित कर लें कि उससे आपके स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव न पड़े।

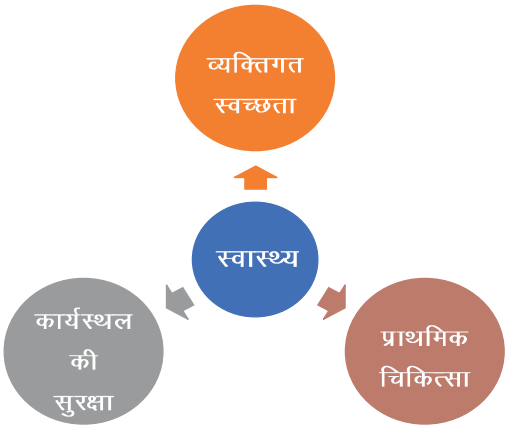

चित्र 4.3 – स्वास्थ्य के मुख्य पहलु

अभ्यास

1. सुरक्षा के मुख्य पहलुओं के बारे में बताएं।

2. स्वास्थ्य के मुख्य पहलुओं के बारे में बताएं।

4.3.2 आग लगना

जान और माल की हानि सबसे ज़्यादा आग लगने पर होती है। हालांकि इससे बचा जा सकता है अगर आप निम्नलिखित बिंदुओं का ध्यान रखें:

चित्र 4.4 – आग लगना

1. अग्निशामक का प्रयोग करना जानें।
2. किसी बंद जगह पर ज़रुरत से ज़्यादा सामान न रखें।
3. ज्वलनशील पदार्थ को सील कंटेनर में रखें।
4. मॉक ड्रिल में ज़रुर हिस्सा लें।

आग बुझानाः आग सुलगने के लिए तीन तत्वों की ज़रुरत होती है – ताप, ऑक्सीजन और ईंधन। इनमें से अगर एक भी तत्व लुप्त होता है, तो आग बुझ जाती है।

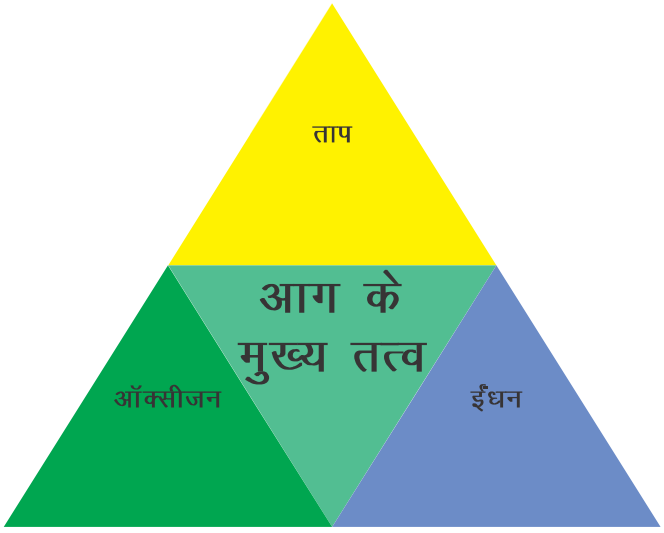

चित्र 4.5 – आग लगने के लिए जरुरी तत्व

नोट्स

यूनिट 4.3: सुरक्षा से संबंधित–कार्यस्थल में खतरे

यूनिट उद्देश्य

इस यूनिट को पढ़ने के बाद आप नीचे बताए गए पहलुओं में सक्षम हो जाएंगे:

1. कार्यस्थल में उत्पन्न होने वाले खतरों को जानने में
2. आग से सुरक्षित रहने में
3. बिजली के झटके से सुरक्षित रहने में
4. कैमिकल से सुरक्षित रहने में
5. प्राकृतिक आपदा से सुरक्षित रहने में
6. कार्यस्थल में आने वाले भौतिक खतरों से सुरक्षित रहने में
7. हाथ से मानव मल न निकालने के बारे में

4.3.1 कार्यस्थल में उत्पन्न होने वाले खतरे

एक कार्यस्थल में आप बहुत से खतरों के सम्पर्क में आते हैं। जिसमें आग लगना, बिजली का झटका लगना, रसायन के सम्पर्क में आना, भारी चीज़ों को उठाना, फिसलना और गिरना, हानिकारक वस्तुओं के सम्पर्क में आना, प्राकृतिक आपदा, आदि प्रमुख हैं। इनसे बचने का मुख्य तरीका है सतर्क रहना और सावधानी बरतना। आप जितने सतर्क रहेंगे, उतने ही सुरक्षित रहेंगे। अपने आसपास के खतरों को अच्छे से जानें और सावधान रहें।

चित्र 4.6 – कार्यस्थल में उत्पन्न होने वाले खतरे

4.3.2.1 आग के प्रकार

आग से सुरक्षित रहने के लिए यह जानना आवश्यक है कि हर आग एक जैसी नहीं होती। आग के प्रकारों को ईंधन के आधार पर वर्गीकृत किया जाता है, जो कि निम्नलिखित हैं:

क्लास ए: यह आग लकड़ी, कागज़, कपड़ा, कूड़ा, प्लास्टिक से लगती है। इस तरह की आग को पानी की सहायता से आसानी से बुझाया जा सकता है।

चित्र 4.7 – सूखी लकड, पतों में आग लगाना

क्लास बीः यह आग ज्वलनशील तरल पदार्थ जैसे तेल, गैसोलिन, पेंट, पेट्रोल, और गैसों के कारण लगती है। इसे बुझाने के लिए ऑक्सीजन की आपूर्ति रोक देनी चाहिए।

चित्र 4.8 – ज्वलनशील तरल पदार्थ जैसे पेट्रोल में आग लगना

क्लास सीः इस आग की मुख्य वजहों में बिजली से चलने वाले उपकरण होते हैं, जैसे, मोटर, ट्रांसफ़ॉर्मर, आदि। इसे बुझाने के लिए सबसे पहले बिजली की आपूर्ति बंद करनी चाहिए।

चित्र 4.9 – सॉकेट में शॉर्ट सर्किट से आग लगना

क्लास डीः यह आग ज्वलनशील धातु जैसे, पोटाशियम, सोडियम, एल्यूमीनियम, मैग्नीशियम के कारण लगती है। इसे बुझाने के लिए पानी का प्रयोग कतई न करें।

चित्र 4.10 – ज्वलनशील धातु से लगने वाली आग

क्लास केः इसमें सामान्य रूप से रसोई घर में लगने वाली आग शामिल है जो खाना पकाने वाले तेल, घी, आदि से लगती है।

चित्र 4.11 – रसोई घर में तेल या घी की वजह से आग लगना

4.3.2.2 अग्निशामक के प्रकार

विभिन्न तरह के ईंधनों से विभिन्न तरह की आग लगती है इसलिए उसके शमन के लिए विभिन्न प्रकार के अग्निशामक की आवश्यकता होती है। एक अग्निशामक आग के मुख्य तीन तत्वों में से एक या दो तत्वों को हटाकर आग बुझाता है। अग्निशामक मुख्य रूप से निम्नलिखित प्रकार के होते हैं:

1. **पानी व झाग:** पानी ताप को हटाता है। इस तरह के अग्निशामक को क्लास ए की आग बुझाने में ही प्रयोग करना चाहिए। अगर दूसरे प्रकार की आग में प्रयोग किया जाता है तो अन्य खतरे उत्पन्न कर सकता है।

   अगर क्लास बी के लिए पानी प्रयोग किया जाता है तो वह ज्वलनशील पदार्थ को बहा कर आग को बड़ा कर सकता है। क्लास सी के केस में यह बिजली के झटके का कारण बन सकता है।

चित्र 4.12 – आग बुझाने के तरीके–पानी एवं झाग

2. **कार्बन डाई ऑक्साइड:** यह दो तत्वों को हटा कर कार्य करता है। यह ऑक्सीजन की आपूर्ति को रोकता है और ठंडक से ताप कम करता है। यह बी और सी क्लास की आग में कारगर साबित होता है।
3. **सूखा रसायन:** यह क्लास ए, बी और सी के लिए कारगर होता है। यह ईंधन और ऑक्सीजन के बीच अवरोध उत्पन्न करता है जिससे आग बुझ जाती है।

चित्र 4.13 – कार्बन डाई ऑक्साइड द्वारा आग बुझाना

4. **गीला रसायन:** यह क्लास के की आग बुझाता है जो तेल या घी की वजह से लगती है। यह अग्निशामक ताप कम करता है और ईंधन व ऑक्सीजन के बीच अवरोध उत्पन्न करता है। इस श्रेणी के कुछ अग्निशामक क्लास ए की आग के शमन में भी कारगर होते हैं।

5. **क्लीन एजेंटः** यह बी और सी क्लास की आग बुझाने में प्रयोग होता है। इसी श्रेणी के बड़े अग्निशामक क्लास ए, बी और सी तीनों तरह की आग का शमन करने में भी प्रयोग हो सकते हैं।

चित्र 4.14 – क्लीन एजेंट द्वारा आग बुझाना

6. **सूखा पाऊडरः** यह ईंधन और ऑक्सीजन के बीच अवरोध उत्पन्न करता है जिससे आग बुझ जाती है। यह सिर्फ डी क्लास की आग के लिए प्रयोग होता है और किसी प्रकार की आग के लिए काम नहीं करता।

चित्र 4.15 – सूखे पाउडर से आग बुझाना

7. **धुंध के रूप में पानीः** यह ताप हटाता है और क्लीन एजेंट की जगह प्रयोग किया जा सकता है। यह मुख्यतः क्लास ए के लिए प्रयोग होता है पर क्लास सी में भी प्रयोग हो सकता है।
8. **कारट्रिज व सूखा रसायनः** मुख्यतः क्लास ए के लिए प्रयोग होता है। यह ऑक्सीजन की आपूर्ति को रोकता है।

4.3.2.3 आग से कैसे निपटें

आप हर संकट से निकल सकते हैं अगर आप उससे निपटने का तरीका पहले से ही जानते हों। कार्यस्थल में आग लगने पर निम्नलिखित ध्यान में रखें:

1. शांत रहें और भगदड़ न मचाएं।
2. आस–पास के लोगों को सतर्क करें।

3. 101 नम्बर डायल करके अग्निशमन विभाग को जानकारी दें।
4. अपनी समझ का प्रयोग करें और भागने (बड़ी आग के वक्त) या अग्निशमन करने (छोटी आग के वक्त) में से एक का निर्णय लें।

चित्र 4.16 – आग से निपटना

5. अगर अग्निशमन करना तय करें तो, अग्निशामक आग के प्रकार के हिसाब से ही चुनें।
6. अगर अग्निशमन नहीं कर पा रहे हों तो वहां से सुरक्षित निकास करना ही बेहतर है।
7. आपातकाल के वक्त पास के असेम्बली क्षेत्र या निर्धारित क्षेत्र में जाएं।
8. अगर आप भवन की ऊपरी मंजिल पर हों तो नीचे आने के लिए सीढ़ियों का ही प्रयोग करें।
9. अगर आप को लगता है कि कोई व्यक्ति आग में फंसा है तो सुरक्षा ऑफिसर को सूचित करें। किसी भी स्थिति में भवन में दोबारा प्रवेश न करें।

चित्र 4.17 – असेम्बली क्षेत्र

4.3.2.4 प्राथमिक चिकित्सा

अगर कपड़ों ने आग पकड़ ली हो तो रुकें, लेट जाएं, कवर करें और लुढ़कें। जलने की स्थिति में निम्न तरीके अपनाएं:

1. जले हुए हिस्से को ठंडे पानी की टूटी के नीचे 20 मिनट तक रखें।
2. अगर ये उपलब्ध न हो, तो गीला कपड़ा प्रयोग करें।
3. बर्फ, क्रीम आदि का प्रयोग न करें।
4. गहने उतार दें ताकि खून का बहाव न रुके।

चित्र 4.18 – जले हुए हिस्से को राहत देने के लिए पानी डालें

5. छालों को फ़ोड़े न, इससे दर्द बढ़ सकता है और संक्रमण हो सकता है।
6. खून का रिसाव, हड्डी का टूटना, सिर की चोट, जैसी अन्य चोटों की जांच करें।
7. चोटिल व्यक्ति को घेर कर न खड़े हों और उसे सांस लेने के लिए पर्याप्त जगह दें।
8. तुरंत चिकित्सक की सहायता लें।

4.3.2.5 बचाव तकनीक

आपातकाल में सबसे पहली बचाव तकनीक होती है पलायन। जब बाहर निकल रहे हों या किसी को बचा रहे हों, तो अपने आसपास के परिवेश से सतर्क रहें। सुरक्षित निकास के लिए नीचे दिए गए तरीके अपनाएं:

1. सबसे पास का निकास ढूंढें, चाहे दरवाज़ा हो या खिड़की। ध्यान रखें कि चौखट टूटी या जल न रही हों।
2. आग से निकलते वक्त आवाज़ लगाते हुए जाएं ।
3. अगर आपके साथ कोई घायल व्यक्ति हो, तो कंबल या चादर की सहायता से उसे गिरते हुए मलबे से बचाएं।
4. रास्ता बनाने के लिए मलबा हटाते हुए सतर्क रहें, यह पूरे भवन या उसके हिस्से के ढहने की वजह बन सकती है।
5. कोई दरवाज़ा खोलने के लिए हाथ के पीछे का हिस्सा प्रयोग करें क्योंकि हथेली आसानी से जल सकती है। अगर कोई दरवाज़ा गर्म लगता है तो उसे न खोलें।
6. धुंआ जहरीला होता है। उससे बचने के लिए मूंह ढकें।
7. भवन से जल्दी और सुरक्षित निकलें और सबसे नज़दीकी सीढ़ियां लें।

चित्र 4.19 – नजदीकी रास्ते से निकलें

चित्र 4.20 – धुंए से बचें

4.3.3 बिजली का झटका लगना

बिजली आज के समय में एक आवश्यकता है पर सावधानी हटने से यह जानलेवा भी बन सकती है। बिजली के झटके से कई चोटें लग सकती हैं और स्थाई रूप से क्षति पहुंच सकती है। मशीन और तारों के आसपास काम करते हुए अत्यधिक सावधानी बरतनी चाहिए। आपकी सुरक्षा इस पर निर्भर करती है कि आप उस स्थिति का सामना कैसे करते हैं।

4.3.3.1 खतरे को भांपना

एक कार्यस्थल पर निम्नलिखित खतरे हो सकते हैं:

1. नंगी तारें, टूटे प्लग और सॉकेट, टूटे यंत्र, आदि

चित्र 4.21 – नंगी तारों से बचें

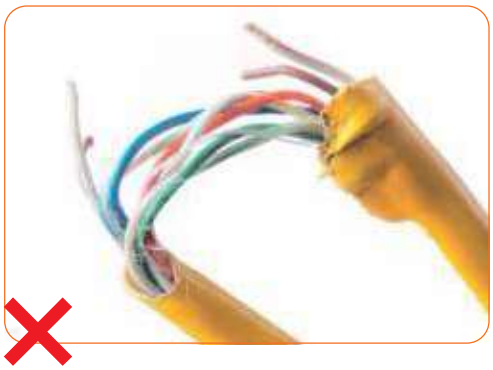

चित्र 4.22 – तारों का क्षतिग्रस्त होना या अपर्याप्त वायरिंग होना

2. अनुचित ग्राउंडिंग
3. तारों की इंसुलेशन का क्षतिग्रस्त होना या अपर्याप्त वायरिंग होना

4. ज़्यादा भार वाले सर्किट जिनमें शॉर्ट सर्किट होने का खतरा रहता है
5. त्रुटिपूर्ण औजार व उपकरण

चित्र 4.23 – टूटे सॉकेट में प्लग न लगाएं

चित्र 4.24 – मशीनों को पानी के स्त्रोत के पास न रखें

6. पानी का मशीनों के पास होना

4.3.3.2 बिजली के झटके के प्रभाव

एक झटके के प्रभाव बहुत खतरनाक हो सकते हैं और जान भी ले सकते हैं। कुछ प्रभाव निम्नलिखित हैं:

1. **जलने से चोट:** बिजली के तेज़ झटके से त्वचा पर जलने के घाव हो सकते हैं। 500 वोल्ट से ऊपर के झटकों से अंदरूनी अंगों को नुक्सान पहुंच सकता है और ये दिल को भी हानि पहुंचा सकता है। अंगों के फेल होने से मृत्यु का खतरा बढ़ जाता है।
2. **हड्डियों की क्षति:** झटके से हड्डियों को नुक्सान पहुंच सकता है जैसे फ्रैक्चर होना या जोड़ का हटना।
3. **भवसन प्रणाली की क्षति:** इसमें लकवा भी हो सकता है या तंत्र काम करना बंद भी कर सकता है।
4. **दिमाग को क्षति:** तंत्रिका प्रणाली को गम्भीर नुक्सान पहुंच सकता है जिसके नतीजे काफी आगे जाकर सामने आ सकते हैं।
5. **दिल का दौरा:** झटके से दिल की मांसपेशियों पर प्रभाव पड़ता है और वे पूरी तरह से रुक सकती हैं।

चित्र 4.25 – बिजली के झटके से त्वचा का जलना

चित्र 4.26 – बिजली के झटके से दिल का दौरा पड़ना

4.3.3.3 बचने के तरीके

बिजली के झटके तब लगते हैं जब शरीर बिजली के स्रोत के सम्पर्क में आता है और बिजली की प्रकृति होती है धरती में जाना, तो शरीर के द्वारा वह धरती में जाने का रास्ता बना लेती है और नतीजतन झटका लगता है। इससे बचने के लिए निम्न तरीके अपनाएं:

1. सबसे ज़्यादा हादसे एक्सटेंशन कॉर्ड के कारण होते हैं क्योंकि अक्सर उन पर ज्यादा लोड डाल दिया जाता है जिससे शॉर्ट सर्किट का खतरा बढ़ जाता है। अगर उससे तारें बाहर निकल रही हों या खराब हों तो उसे सुपरवाइज़र के नोटिस में लाएं। अगर प्लग को निकालना हो तो स्विच बंद करने के बाद ही निकालें।

चित्र 4.27 – बिजली के झटके से बचने के लिए एक्सटेंशन कॉर्ड पर ज्यादा प्लाग न लगाएं

2. बिजली से चलने वाले यंत्रों को गीले हाथों से न छुएं। इन यंत्रों को पानी के पास न रखें।

चित्र 4.28 – गीले हाथों से बजली न छुएं

चित्र 4.29 – सॉकेट में अपनी उंगलियां न डालें

3. किसी भी खराब यंत्र को सुधारने की कोशिश न करें।
4. सॉकेट में अपनी उंगलियां न डालें और न ही बिना प्लग के तार डालने की कोशिश करें। हाथों से तार को न छुएं।
5. जब कोई यंत्र प्रयोग में न हो तो प्लग सॉकेट से निकाल कर रखें।

4.3.3.4 बिजली का झटका लगने के बाद क्या करें

1. झटका लगते वक्त उस व्यक्ति को न छुएं। किसी लकड़ी के डंडे से उसे बिजली के स्रोत से हटाने की कोशिश करें।

चित्र 4.30 – लकड़ी के डंडे से व्यक्ति को बिजली के स्त्रोत से हटाए

2. हादसे के वक्त बिजली का मुख्य स्विच बंद कर दें। बिजली का स्रोत जानने के बाद ही ग्रसित व्यक्ति की सहायता करें।
3. आपातकालीन नम्बर पर सम्पर्क करें और मदद के लिए बुलाएं।
4. एक व्यक्ति का बचाव करने के लिए सावधानीपूर्वक निर्णय और योजना बहुत महत्वपूर्ण है।
5. घायल व्यक्ति को तब तक हिलाने की कोशिश न करें जब तक कोई और खतरा ना हो।

चित्र 4.31 – चोटों के लिए अच्छे से जांच करें

6. चोटों के लिए उसकी अच्छे से जांच करें। ये रक्तस्राव, फ्रैक्चर या जलने के घाव के रूप में हो सकता है।
7. शरीर का तापमान सामान्य करने के लिए ग्रसित व्यक्ति को कम्बल से ढकें। अगर उसे चोट लगी हो तो न ढकें।
8. शांत रहें और घायल व्यक्ति का ध्यान रखें।

4.3.4 कैमिकल से सुरक्षा

सफाई के कार्य में बहुत सारे कैमिकल का प्रयोग होता है पर ये घातक हो सकते हैं अगर आपको इन का सही इस्तेमाल न पता हो। इन्हें लेबल पर लिखे अनुसार ही प्रयोग करें और शरीर के सम्पर्क में न आने दें।

4.3.4.1 कैमिकल को हैंडल करने के तरीके

कैमिकल के खतरे को कम करने के लिए निम्न तरीके याद रखें:

1. **पी पी ई:** कार्य अनुसार पी पी ई पहनना सुरक्षा की दिशा में सबसे महत्वपूर्ण है। यह कैमिकल को आपके शरीर के सम्पर्क में आने से बचाता है।

चित्र 4.32 – कार्य अनुसार पी पी ई पहनना

2. **काम का स्थानः** कभी भी अपने कार्यस्थल को कैमिकल का स्टोर न बनाएं। काम के वक्त साथ रखें पर काम खत्म होने के बाद इन्हें अलग स्थान पर ही रखें।

चित्र 4.33 – कार्यस्थल पर कैमिकल का स्टोर न बनाएं

3. **ढक्कन अच्छे से बंद करनाः** कैमिकल की बोतलों को काम खत्म होने के बाद अच्छे से बंद करके रखें। इन्हें किनारे से दूर करके रखें जिससे कि ये गिरे न।

4. **लेबलः** ध्यान रखें कि बोतलों पर लेबल लगा हो।

चित्र 4.34 – कैमिकल की बोतलों पर लेबल लगा होना चाहिए

5. **कैमिकल का अपवाहनः** कैमिकल को हाथों में उठाकर न ले जाएं। इन्हें ले जाने के लिए ट्रे या टोकरी का प्रयोग करें जिससे कि टूटने की स्थिति में यह आपके सम्पर्क में न आए।

चित्र 4.35 – कैमिकल को हाथों में उठाकर न ले जाएं

4.3.4.2 कैमिकल स्टोर करने के सही तरीके

अगर कैमिकल को सही तरीके से स्टोर किया जाए तो सम्भावित खतरों और बड़ी आपदाओं से बचा जा सकता है। हालांकि द्रव्य कैमिकल, पाउडर से खतरनाक होते हैं क्योंकि उनके गिरकर फैलने का खतरा ज्यादा होता है। इसलिए कैमिकल के लिए अलग जगह होनी चाहिए और उन्हें सही तरीके से रखना चाहिए।

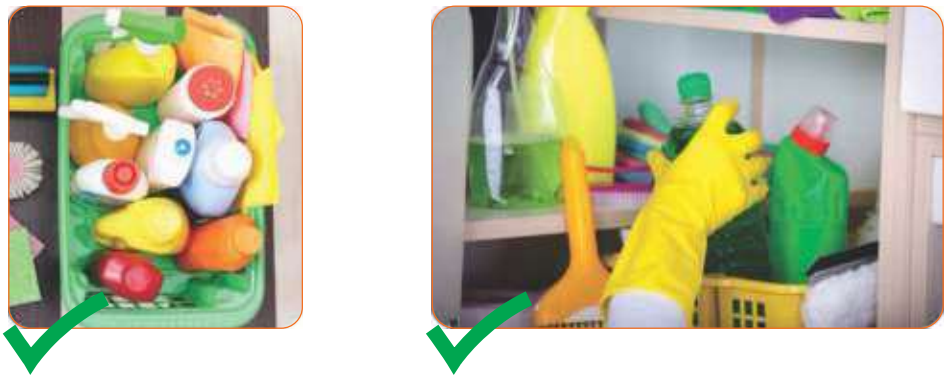

चित्र 4.36 – कैमिकल स्टोर करने का सही तरीका

1. कैमिकल को स्टोर करने के लिए अलग कमरा/जगह होनी चाहिए।
2. उन्हें शेल्फों में करीने से लगाकर रखना चाहिए जिससे कि उनके गिरने की सम्भावना कम हो।

चित्र 4.37 – कैमिकल को शेल्क में अच्छे से रखें

चित्र 4.38 – सुसंगत कैमिकल को एक साथ रखें

3. सुसंगत कैमिकल एक साथ रखने चाहिए क्योंकि असंगत कैमिकल आग लगने या बढ़ने में सहायता कर सकते हैं।

4. हर कैमिकल को प्रयोग करने के बाद उसके निर्दिष्ट स्थान पर ही रखें।
5. किसी भी कैमिकल को सीधे ताप या धूप में न रखें।
6. हर कैमिकल पर लेबल ज़रुर लगा होना चाहिए।

4.3.4 प्राकृतिक आपदा से निपटने के तरीके

आपदाएं कभी बताकर नहीं आती। इनसे निपटने के लिए धैर्य, हिम्मत और विवेक से काम लेना चाहिए। भूकंप के आने की पूर्व सूचना आज तक नहीं दी जा सकी है, पर इसका यह मतलब नहीं कि इस से होने वाले नुक्सान को कम नहीं किया जा सकता। नीचे कुछ महत्वपूर्ण बिंदु दिए गए हैं जिनमें आपदा से पहले, आपदा के दौरान और बाद में क्या करना चाहिए, यह बताया गया है।

4.3.4.1 आपदा से पहले क्या ध्यान रखें

1. अपने कार्यस्थल में आपदा के दौरान इकठ्ठे होने के स्थान के बारे में जानकारी रखें। इसे "असैम्बली प्वाइंट–Assembly Point कहा जाता है।

चित्र 4.39 – असैम्बली प्वाइंट का चिन्ह

2. अपने कार्यस्थल पर मौजूद इमरजैंसी किट के बारे में जानकारी रखें। ध्यान रखें कि इसमें तीन दिन तक की सुरक्षा और जीवित रहने के लिए आवश्यक सामग्री हो।
3. प्राथमिक चिकित्सा करने के बारे में जानें।

चित्र 4.40 – प्राथमिक चिकित्सा करने के बारे में जानें

4. भूकंप के आने की पूर्व सूचना आज तक संभव नहीं हुई है इसलिए न अफवाहों पर ध्यान दें और न ही उन्हें फैलाएं।
5. कार्यस्थल पर समय–समय पर मॉक ड्रिल की जाती है जिसमें आपदा से निपटना सिखाया जाता है। उसमें अवश्य हिस्सा लें।

चित्र 4.41 – मॉक ड्रिल में हिस्सा जरूर लें

4.3.4.2 आपदा के दौरान क्या करें

1. शांत रहें और भगदड़ न मचाएं। अन्य लोगों को भी शांत करने की कोशिश करें।
2. अपने आप को बचाएं। किसी मजबूत टेबल के नीचे आश्रय लें और उसे दृढ़ता से पकड़ लें। जब तक कंपन रुक न जाए, तब तक वैसे ही रहें।
3. कांच की खिड़कियों से, भारी फर्नीचर से, बाकी गिरने वाली चीज़ें जैसे झूमर, पंखे, सजावटी सामान से दूर रहें।

चित्र 4.42 – भुकंप की स्थिती में टेबल के नीचें आश्रय लें

4. अगर किसी ऊपरी मंजिल पर हैं तो खिड़की या बालकनी से कूदें न। अगर भवन में हैं तो बेतहाशा दौड़े न, आप गिरने वाले मलबे से टकरा सकते हैं।
5. अगर आप बाहर हैं तो इमारतों, पेड़ों, बिजली की तारों, खम्बों और तंग गलियों से दूर खाली जगह पर चले जाएं।

4.3.4.3 आपदा के बाद क्या करें

1. सार्वजनिक सूचनाओं की ओर ध्यान दें। रेडियो, टीवी, आदि के द्वारा आपातकाल एवं सुरक्षा जानकारी सुनें।

चित्र 4.43 – सार्वजनिक सूचनाओं की ध्यान दें

2. क्षतिग्रस्त स्थानों, टूटकर गिरी हुई बिजली की तारों और गैस पाइपलाइन से बचकर चलें।
3. क्षतिग्रस्त भवनों में न जाएं। उनके ढहने का खतरा ज्यादा होता है।
4. अगर आपको अपना घर खाली करके जाना पड़े तो 'कहां जा रहे हैं', यह संदेश अवश्य छोड़कर जाएं।

4.3.5 कार्यस्थल में आने वाले भौतिक खतरे

आपके कार्य में अन्य तरह के खतरे भी उत्पन्न हो सकते हैं जो देखने में चाहे छोटे लगे पर उनके गम्भीर परिणाम देखे जा सकते हैं। इन परिणामों को छोटी–छोटी सावधानियों से टाला जा सकता है।

4.3.5.1 फ़िसलना

ये सबसे आम खतरा है। इससे बचने के लिए नीचे दिए गए बिंदुओं को ध्यान में रखें:

1. आरामदायक और न फिसलने वाले जूते पहनें।
2. फर्श पर तभी पोंछा लगाएं जब कम लोग हों। साथ में चेतावनी संकेत भी रखें।

चित्र 4.45 – पोंछा लगाने से पहले चेतावनी रखें

चित्र 4.44 – भौतिक खतरे–फिसलना या गिरना

3. ऊंचाई पर पहुंचने के लिए कुर्सी के बजाए सीढ़ी वाला स्टूल प्रयोग करें। अगर मजबूरीवश सीढ़ी पर चढ़ना भी पड़े तो उसे दीवार पर अच्छे से टिकाएं।
4. कूड़ा ले जाते हुए ध्यान रखें कि आपकी नज़र के रास्ते में बाधा उत्पन्न न हो।
5. चलने के रास्ते खाली रखें, कूड़ा, मलबा जमा न करें।

चित्र 4.46 – ऊंचाई पर पहुंचने के लिए कुर्सी के बजाए सीढ़ी वाला स्टूल प्रयोग करें

4.3.5.2 नुकीली वस्तुएं

1. कई बार कचरे में टूटा कांच, कीलें, सुईंयां या ब्लेड होते हैं। इन्हें उठाते हुए सावधान रहें।
2. इस कचरे को मजबूत और ढक्कन वाले डिब्बे में डालें।
3. नुकीली वस्तुओं के बिन के ऊपर लिखा होना चाहिए "नुकीली वस्तुएं"।
4. टूटा कांच रिसाइकल किया जा सकता है।
5. मोटे दस्ताने पहनें।

चित्र 4.47 – नुकीली वस्तुओं से सावधान रहें

4.3.5.3 काम करने की मुद्रा

1. एक व्यक्ति को सीधे बैठना या खड़े होना चाहिए।
2. झुककर काम करने से रीढ़ की हड्डी पर बुरा असर पड़ता है।
3. सही मुद्रा से गरदन में भी दर्द नहीं होता।
4. खड़े होने पर दोनों पैरों पर सामान वज़न डालें।
5. एक ही मुद्रा में काम न करें।
6. थोड़ी–थोड़ी देर में मुद्रा बदलते रहें।

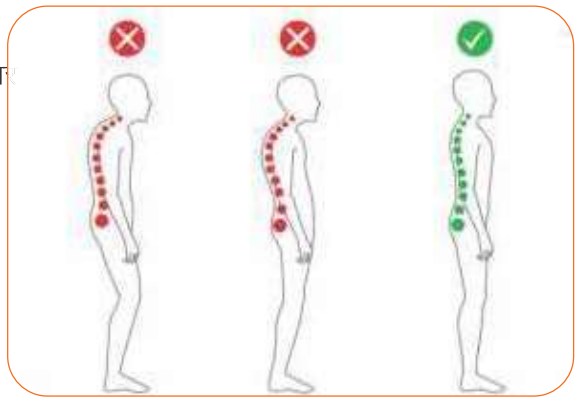

चित्र 4.48 – खड़े होने की मुद्रा

7. अगर आपको लगता है कि आपकी मुद्रा में गड़बड़ है तो दीवार के साथ खड़े होकर उसे ठीक करने के लिए सही मुद्रा जान सकते हैं।

4.3.5.4 वज़न उठाना

1. भारी वज़न उठाने के लिए व्हील बैरो का प्रयोग करें। इससे आपके शरीर पर अनावश्यक बोझ नहीं पड़ेगा।
2. अगर वज़न उठाना भी पड़े तो इस तरीके से उठाएं।
   a. वज़न के पास पैरों के बल बैठें।

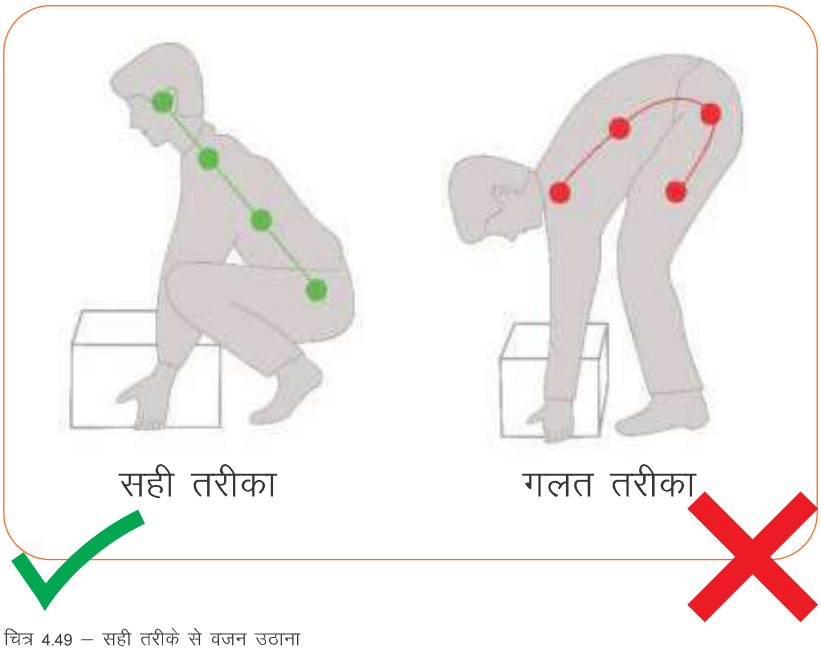

चित्र 4.49 – सही तरीके से वजन उठाना

b. कूल्हों और घुटनों को झुकाएं।

c. वज़न को धीरे–धीरे उठाएं और अपने शरीर के पास रखते हुए उठाएं।

d. वज़न को अपने घुटनों और कंधों के बीच में बनाए रखें।

e. अगर मुड़ना पड़े तो कमर को घुमाने की बजाए पैरों को घुमाते हुए मुड़ें।

चित्र 4.50 – सही तरीके से वज़न उठाना

4.3.5.5 सड़क दुर्घटना

1. आपकी कार्य भूमिका में सड़क की सफाई महत्वपूर्ण होती है। इसके लिए ज़रुरी है कि आप समय पर पहुंचे क्योंकि तब लोगों और वाहनों की आवाजाही कम होती है।
2. पी पी ई बेहद ज़रुरी है। उससे आप सामने वाले को दूर से ही नज़र आ जाते हैं और हादसे से बचाव होता है।
3. अगर आप दुर्घटना का शिकार हों तो अपने सुपरवाइज़र को जल्दी से सूचना भिजवाएं।
4. सड़क पर कूड़े के ढेर न लगाएं।
5. बरसात के मौसम में डिसइंफेक्टैंट का प्रयोग करना अनिवार्य है (अन्य मौसमों में भी अच्छा होता है) ताकि सड़कें किसी भी फंगल, वायरल या बैक्टीरियल हमले से मुक्त रहें।

चित्र 4.51 – दुर्घटना की स्थिति में अधिकारी को सूचित करें

चित्र 4.52 – बरसात के मौसम में डिसइंफेक्टैंट का प्रयोग करना

6. अगर मैन होल का ढ्क्कन गायब हो या टूट गया हो, पानी व्यर्थ बह रहा हो, तो सुपरवाइज़र को सूचित करें।

4.3.6 हाथ से मानव मल निकालना

यह कार्य गैरकानूनी है और आपको गड्ढों से मानव मल साफ नहीं करना है। इस गड्ढे में बनने वाली गैस और कीटाणु सेहत के लिए बहुत बड़ा खतरा है। इसलिए आप को यह कार्य नहीं करना है। किसी के कहने या दबाव में आकर भी ना करें।

चित्र 4.53 – यह कार्य गैर–कानूनी है

अभ्यास

1. आग के मुख्य तत्व बताएं।

2. आग के विभिन्न प्रकार बताएं।

3. अग्निशामक के विभिन्न प्रकार बताएं।

4. बिजली के झटके के 3 प्रभाव बताएं।

5. कैमिकल के खतरे को कम करने के तरीके बताएं।

6. प्राकृतिक आपदा के दौरान क्या करना चाहिए?

7. कार्यस्थल के 3 भौतिक खतरों के नाम बताएं।

8. सही या गलत बताएं:

- आपातकाल के वक्त असेम्बली क्षेत्र में जाएं। (सही / गलत)
- आपातकाल के वक्त लिफ्ट का प्रयोग करें। (सही / गलत)
- यंत्र प्रयोग में न हो तो प्लग सॉकेट से निकाल कर रखें। (सही / गलत)
- प्राकृतिक आपदा के दौरान भागकर निकल जाएं। (सही / गलत)
- नुकीली वस्तुओं को पोलीथीन बैग में डालें। (सही / गलत)
- एक ही मुद्रा में दिन भर काम करें। (सही / गलत)
- हाथ से इंसानी अपशिष्ट को निकालें। (सही / गलत)

यूनिट 4.4: सुरक्षा से संबंधित–निजी सुरक्षा उपकरण

यूनिट उद्देश्य

इस यूनिट को पढ़ने के बाद आप नीचे बताए गए पहलुओं में सक्षम हो जाएंगे:

1. निजी सुरक्षा उपकरण के बारे में
2. निजी सुरक्षा उपकरण के महत्व के बारे में
3. सभी उपकर्णों के उद्देश्य के बारे में
4. निजी सुरक्षा उपकरण के बारे में ध्यान रखने योग्य बातों में

4.4.1 निजी सुरक्षा उपकरण – Personal Protective Equipment

यह आपको कार्यस्थल के विभिन्न खतरों से बचाने के लिए सबसे आवश्यक है। यह रोगाणु से रक्षा करने, दुर्घटनाओं से कुशल और सुरक्षित रखने के लिए बहुत महतवपूर्ण है।

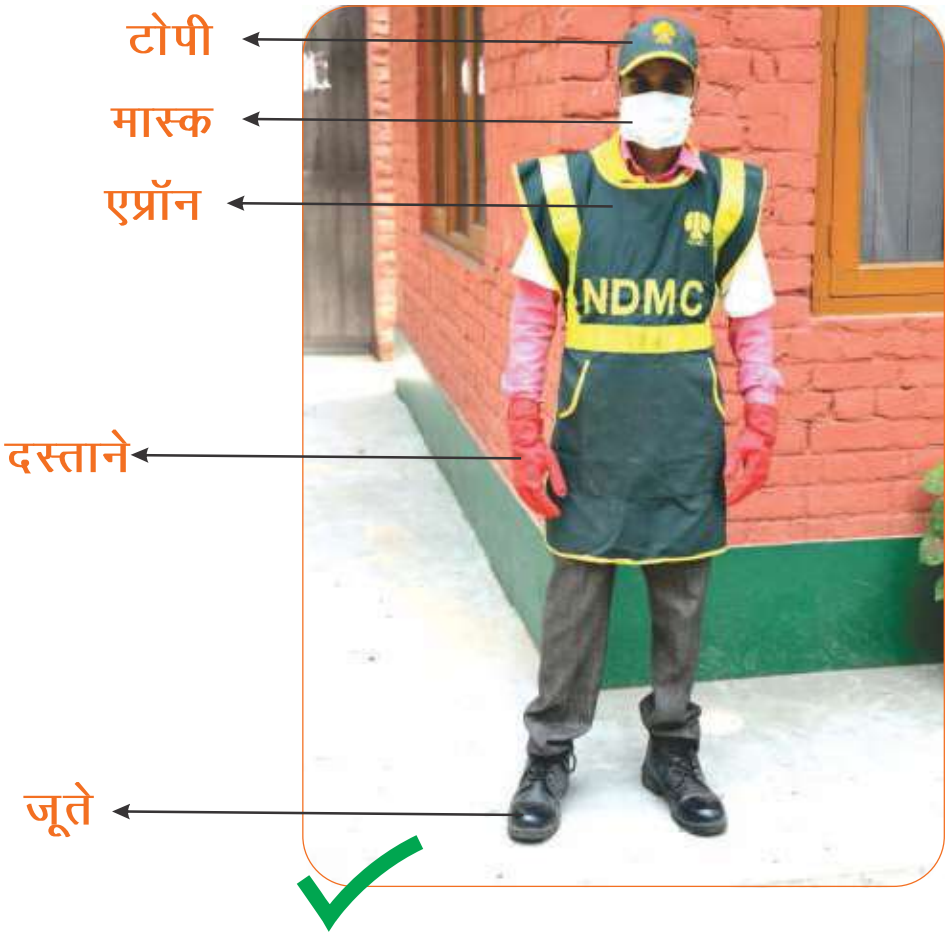

चित्र 4.54 – निजी सुरक्षा उपकरण

इसे कार्य अनुसार पहनना चाहिए ताकि हर दृष्टि से सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। निजी सुरक्षा उपकरण में निम्नलिखित सम्मिलित हैं:

1. एप्रॉन
2. टोपी
3. दस्ताने
4. मास्क
5. जूते

4.4.2 निजी सुरक्षा उपकरण क्यों आवश्यक है?

एक कार्यस्थल पर विभिन्न प्रकार के खतरे मौजूद होते हैं। उनके और अपने बीच में एक अवरोध उत्पन्न करना बेहद आवश्यक होता है जिससे आप सुरक्षित रहकर काम कर सकें। कई खतरे आपकी सेहत पर गम्भीर रूप से भी असर डाल सकते हैं। वे खतरे नीचे दिए गए हैं:

1. दूषित हवा से सांस एवं फेफड़ों की समस्या

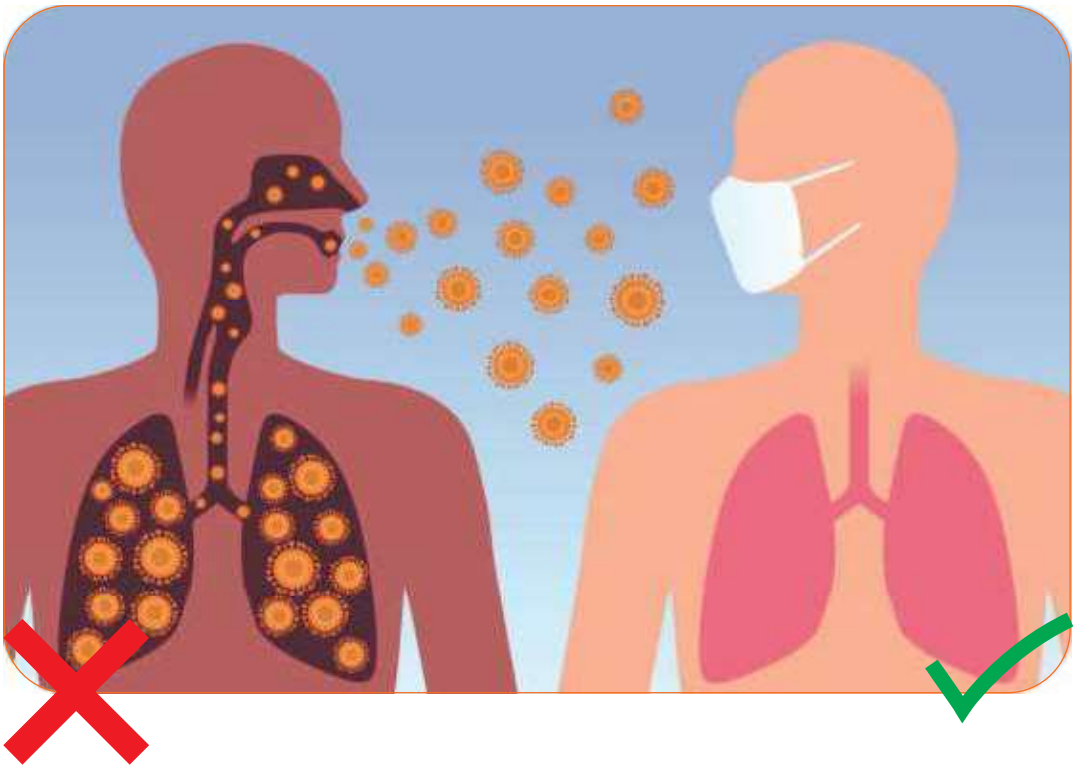

चित्र 4.55 – दूषित हवा से सांस एवं फेफड़ों की समस्या उत्पन्न हो सकती है

2. हानिकारक पदार्थों के सम्पर्क में आने से त्वचा की समस्या

चित्र 4.56 – हानिकारक पदार्थों के सम्पर्क में आने से त्वचा की समस्या हो सकती है

3. हाथ में नुकीली वस्तुएं चुभना

चित्र 4.57 – हाथ में नुकीली वस्तुएं चुभ सकती

4. ठंडक या गर्मी से होने वाली समस्या

चित्र 4.58 – ठंडक या गर्मी से होने वाली समस्या हो सकती है

4.4.3 सभी सुरक्षा उपकरणों का उद्देश्य

चित्र 4.59 – सुरक्षा उपकरणों का उद्देश्य

1. एप्रॉनः इससे सामने वाला व्यक्ति कम रोशनी में भी आपको अच्छे से देख सकता है। साथ ही यह आपको सर्दी, गर्मी, धूल–मिट्टी, रोगाणु, चोट आदि से आपकी रक्षा करने के लिए ज़रुरी है। यह आपके कपड़ों को गंदा होने से भी बचाता है।
2. टोपीः यह आपको ठंडी एवं गर्म हवा, धूल–मिट्टी से बचाती है।
3. दस्तानेः यह नुकीली वस्तुओं, रसायनों, रोगाणुओं, चोट आदि से बचाते हैं।
4. मास्कः यह दूषित हवा से, रसायनों, रोगाणुओं, धूल–मिट्टी आदि से आपको बचाता है।
5. जूतेः यह सर्दी, गर्मी, नुकीली वस्तुओं, रसायनों, धूल–मिट्टी, रोगाणुओं, चोट से आपकी रक्षा करते हैं। यह अन्य खतरे जैसे कि आग, बिजली के झटके, आदि से भी आपका बचाव करते हैं। अपने कार्यस्थल पर पूरी तरह से बंद जूते पहनें। चप्पल, सैंडल, स्लिपर न पहनें।

चित्र 4.59 – बन्द जूते पहनें

चित्र 4.59 – चप्पल ना पहनें

4.4.4 ध्यान रखने योग्य बातें

1. अपने साइज़, और फिटिंग अनुसार पी पी ई पहनें। छोटा, बड़ा या ढीला होने पर इसका उचित फायदा नहीं होगा क्योंकि इसमें से आपके शरीर के भाग आसानी से खतरे के सम्पर्क में आ सकते हैं।

चित्र 4.60 – अपने साइज़, और फिटिंग अनुसार पी पी ई पहनें

2. अपने पी पी ई को कार्यस्थल के बाहर न पहनें।
3. जब पी पी ई इस्तेमाल में न हो तो उसे अच्छे तरीके से सूखी और साफ जगह पर रखें।
4. इसे समय–समय पर साफ करते रहें।
5. क्षतिग्रस्त होने पर इसे बदल दें।

चित्र 4.61 – पी पी ई का इस्तेमाल करना

अभ्यास

1. पी पी ई में शामिल उपकरणों के नाम बताएं।

2. निजी सुरक्षा उपकरण क्यों आवश्यक हैं?

3. मास्क और एप्रॉन के उद्देश्य बताएं।

4. सही या गलत बताएं:
   - दूषित हवा सेहत के लिए अच्छी है। (सही / गलत)
   - कार्यस्थल पर चप्पल पहनें। (सही / गलत)
   - पी. पी. ई. को कार्यस्थल के बाहर न पहनें। (सही / गलत)

यूनिट 4.5: स्वास्थ्य से संबंधित– व्यक्तिगत स्वच्छता

यूनिट उद्देश्य

इस यूनिट को पढ़ने के बाद आप नीचे बताए गए पहलुओं में सक्षम हो जाएंगे:

1. स्वच्छता का महत्व जानने में
2. व्यक्तिगत स्वच्छता के फायदे जानने में
3. व्यक्तिगत स्वच्छता के आवश्यक भाग जानने में

4.5.1 स्वच्छता का महत्व

चित्र 4.62 – स्वच्छ रहें, स्वस्थ रहें

स्वच्छता समाज में ही नहीं हमारे शरीर के लिए भी ज़रुरी है क्योंकि इसका प्रभाव सीधा हमारे स्वास्थ्य पर पड़ता है। अच्छी आदतें जैसे हाथ धोना, नहाना, दांत साफ करना, हमारी स्वच्छता के लिए बहुत आवश्यक है। यह आपको स्वयं के लिए अच्छा महसूस करवाती है और आपको रोगाणुओं एवं बीमारियों से दूर रखती है।

व्यक्तिगत स्वच्छता से आप बैक्टीरिया और वायरस जैसे रोगाणुओं से बचते हैं जो बीमारियां फैलाते हैं। ये रोगाणु आपको निम्न तरीकों से प्राप्त होते हैं:

1. दूषित हवा से

चित्र 4.63 – रोगाणुओं का स्त्रोत–दूषित हवा

2. दूषित पानी से

चित्र 4.64 – रोगाणुओं का स्त्रोत–दूषित पानी

3. सम्पर्क एवं कचरे से

चित्र 4.65 – रोगाणुओं का स्त्रोत–कचरे

5. अस्वच्छता से

चित्र 4.66 – रोगाणुओं का स्त्रोत–अस्वच्छता

4.5.2 व्यक्तिगत स्वच्छता के फायदे

1. कचरे के द्वारा फैलने वाली बीमारियों से बचने में: नाखूनों में अक्सर गंदगी फंस जाती है। यह मल–मूत्र के त्याग के वक्त भी हो सकता है और कचरे के निपटान के दौरान भी। इनसे बचाने में स्वच्छता एक अहम भूमिका निभाती है।

चित्र 4.67 – गंदे हाथों को अच्छे से धोएं

2. सामाजिक प्रभावः साफ और स्वच्छ व्यक्ति का साथ हर कोई पसंद करता है। उसे अस्वच्छ व्यक्ति की तुलना में ज्यादा अवसर मिलते हैं।

3. आत्मविश्वासः अगर आप स्वच्छ रहते हैं तो आप आत्मविश्वासी बनते हैं और हर कार्य के लिए उत्साहित महसूस करते हैं।

चित्र 4.68 – सकारात्मक सामाजिक प्रभाव

4.5.3 व्यक्तिगत स्वच्छता के आवश्यक भाग

अपने शरीर को स्वच्छ रखने के लिए आपको अपने हर अंग की सफाई पर बराबर ध्यान देना आवश्यक है। अपनी स्वच्छता पर आप निम्न तरीके से ध्यान दें:

1. बालों की सफाईः अगर आपके बाल गंदे होते हैं तो वे और भी रोगाणुओं को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। इससे न सिर्फ बीमारी की सम्भावना बढ़ती है बल्कि रूसी, जुएं आदि की समस्या भी हो सकती है। इसलिए अपने बालों को नियमित रूप से कम से कम हफ्ते में 2 बार ज़रुर धोएं।

चित्र 4.69 – बालों की सफाई

2. मौखिक स्वच्छता: इसमें शामिल है दांतो और मुंह की सफाई करना। एक अच्छे टुथब्रश और फ्लोराइड युक्त टुथपेस्ट से दांत साफ करें। अगर दांत सड़ रहे हों या कोई भी समस्या आ रही हो तो दांतों के डॉक्टर को ज़रुर दिखाएं। कई बार पानी कम पीने से या खाना न खाने से भी सांसों की बदबू की समस्या हो सकती है।

चित्र 4.70 – दांतो और मुंह की सफाई करना

3. शरीर के अन्य अंगों की स्वच्छता: पैर, निजी अंग, पसीने की ग्रंथियां, इन अंगों में बुरी बद्बू और संक्रमण की ज़्यादा सम्भावना रहती है क्योंकि ये गर्म रहते हैं एवं हवा से दूर रहते हैं।

a. **पैरों की सफाई:** पैरों में पसीने की ग्रंथियां मौजूद होती हैं और उनके ढके होने के कारण पसीना सूख नहीं पाता और बैक्टीरिया उत्पन्न होने की वजह से बदबू आती है। इसे कम करने के लिए पैरों को नियमित रूप से धोएं और साफ तौलिए से पोंछ कर सुखाएं। सूती जुराबें पहनें और रोज़ बदलें।

b. **निजी अंगों की सफाई:** अगर साफ न रखे जाएं तो निजी अंगों में बैक्टीरियल संक्रमण की सम्भावना बहुत ज़्यादा होती है। परंतु ज्यादा खुशबु वाले साबुन से यीस्ट संक्रमण हो सकता है, इसलिए सौम्य साबुन एवं पानी से सफाई करें।

c. **सम्पूर्ण सफाई:** इसके लिए नियमित रूप से स्नान करें और साफ तौलिए से सुखाकर साफ कपड़े पहनें।

आवश्यकता अनुसार दिन में दो बार स्नान करें जिससे रोगाणु और धूल–मिट्टी से बचाव हो जाए।

चित्र 4.71 – पैरों की सफाई

चित्र 4.72 – पूरे शरीर की सफाई

4. हाथों की सफाईः इसका महत्व सबसे ज्यादा है क्योंकि हर कार्य इनके द्वारा ही सम्पन्न होता है। सभी रोगाणु हाथ के द्वारा ही मुंह से होते हुए शरीर के अंदर पहुंचते हैं। हाथों को नीचे दी गई स्थितियों में अवश्य धोना चाहिएः

   a. शौच आदि नित्य क्रम के बाद
   b. बच्चे के लंगोट या डायपर बदलने के बाद
   c. खाना बनाने से पहले, बाद में और दौरान (कच्चे खाने को छूने के बाद)
   d. खाना खाने और खिलाने से पहले
   e. दूषित चीज़ें छूने के बाद, जैसे, कचरापेटी, झाड़ू, आदि
   f. पालतू जानवरों को छूने के बाद
   g. नाक पोंछने या छींकने के बाद
   h. चोट को छूने से पहले और बाद में
   i. रक्तस्राव या शरीर के अन्य स्राव (उल्टी) के सम्पर्क में आने के बाद
   j. मरहम–पट्टी करने से पहले और बाद में
   k. बीमार या संक्रमित व्यक्ति के सम्पर्क के बाद

हाथ धोने का उपयुक्त तरीकाः हाथ गीले कर के, साबुन लगाएं। फिर हाथ धोने के लिए नीचे दिए गए चरण अपनाएंः

चित्र 4.73 – हाथ धोने का उपयुक्त तरीका

a. हथेलियों को आपस में रगड़ें।
b. दोनों हाथों के पीछे रगड़ें।
c. उंगलियों को आपस में सामने से अटका कर साफ करें।
d. उंगलियों को आपस में पीछे से अटका कर साफ करें।
e. अंगूठे को दूसरे हाथ से पकड़कर घुमा–घुमा कर साफ करें।
f. उंगलियों के सिरे को हथेली पर रगड़ कर साफ करें।
g. कलाइयों को दूसरे हाथ से पकड़कर घुमा–घुमा कर साफ करें।
h. अब पानी को उंगलियों से शुरु कर के हथेली से ले जाकर कलाई पर डालें।

इस तरीके से साफ करने पर वे पूरी तरह साफ हो जाएंगे और अपने हाथ की गंदगी साफ हाथों पर नहीं लगेगी।

5. **माहवारी के समय की सफाई:** अपने हाथ और निजी अंगों की सफाई अच्छे से करें। सेनेटरी पैड का प्रयोग करें और उसे नियमित रूप से बदलें और बदलने से पहले और बाद में हाथ ज़रुर धोएं। कपड़े का प्रयोग न करें। उपयोग किए हुए नैपकिन सही तरीके से फेंके।

अभ्यास

1. आप रोगाणुओं के सम्पर्क में कैसे आ सकते हैं?

2. व्यक्तिगत स्वच्छता के 2 फायदे बताएं।

3. मौखिक स्वच्छता कैसे करें, यह बताएं।

4. हाथ धोने की 5 अनिवार्य स्थितियां बताएं।

5. हाथ धोने का उपयुक्त तरीका बताएं।

यूनिट 4.6: स्वास्थ्य से संबंधित–कार्यस्थल की स्वच्छता

यूनिट उद्देश्य

इस यूनिट को पढ़ने के बाद आप नीचे बताए गए पहलुओं में सक्षम हो जाएंगे:

1. कार्यस्थल की स्वच्छता का महत्व जानने में
2. कार्यस्थल पर स्वच्छता रखने में

4.6.1 कार्यस्थल की स्वच्छता का महत्व

आप जहां भी कार्य करते हैं वहां स्वच्छता होना भी अति आवश्यक है। अगर वहां पर रोगाणु और कीटों का संक्रमण होगा तो सभी कर्मचारी अक्सर बीमार होते रहेंगे जिससे कर्मचारी और अधिकारी दोनों का नुकसान होगा। इसलिए कार्यस्थल को साफ व स्वच्छ होना चाहिए।

चित्र 4.74 – कार्यस्थल की स्वच्छता अति आवश्यक है

4.6.2 कार्यस्थल पर स्वच्छता रखने के तरीके

1. **सूखे व साफ फर्श:** गिरने से बचाने के लिए ये ज़रुरी है कि फर्श साफ व सूखे रहें।

चित्र 4.75 – साफ फर्श

2. **असंगठित और अव्यवस्थितः** ऐसी जगह पर खतरे ज्यादा होते हैं और आपातकाल के वक्त भागने में समस्या भी आएगी। अव्यवस्थित कार्यस्थल पर कर्मचारियों की उत्पादकता कम होती है।

चित्र 4.76 – असंगठित और अव्यवस्थित कार्यस्थल

3. **निस्संक्रामक का प्रयोगः** कार्यस्थल पर बहुत लोगों की आवाजाही होती है जिससे बहुत सारे रोगाणु फैलते हैं। इस स्थिति में निस्संक्रामक का प्रयोग अपरिहार्य हो जाता है।

चित्र 4.77 – निस्संक्रामक का प्रयोग

4. **कीटनाशक का प्रयोगः** बंद जगह जैसे स्टोर, अलमारी में अक्सर कीट उत्पन्न हो जाते हैं जो बीमारियों को बढ़ावा देते हैं। इसलिए समय–समय पर कीटनाशक का छिड़काव करना चाहिए।

चित्र 4.78 – कीटनाशक का प्रयोग

5. **लाइट फिक्सचरः** पर्याप्त रोशनी होना बेहद ज़रुरी है। चाहे काम करना हो या सीढ़ियां चढ़नी हो, रोशनी के बिना दोनों नहीं हो सकते। इसलिए लाइट फिक्सचर को रोज़ साफ करें।
6. **कूड़े का सही निपटानः** कचरे के निपटान के लिए उसे अलग करें और बताएं गए बिनों में डालें। दो प्रकार के बिन में कचरे को डालें– हरा और नीला, जैसे कि सेक्शन 2.2.3 में बताया गया है।

चित्र 4.79 – लाइट फिक्सचर साफ रखें

अभ्यास

1. कार्यस्थल पर स्वच्छता रखने के तरीके बताएं।

यूनिट 4.7: स्वास्थ्य से संबंधित– प्राथमिक चिकित्सा

यूनिट उद्देश्य

इस यूनिट को पढ़ने के बाद आप नीचे बताए गए पहलुओं में सक्षम हो जाएंगे:

1. प्राथमिक चिकित्सा के मुख्य उद्देश्य जानने में
2. प्रबंधन की भूमिका और जिम्मेदारी जानने में
3. प्राथमिक चिकित्सा किट के बारे में
4. प्राथमिक चिकित्सा करने में

4.7.1 प्रस्तावना

प्रबंधक के द्वारा आपको सुरक्षित कार्यस्थल देने की पूर्ण कोशिश की जाती है। परन्तु कुछ अपरिहार्य कारणों और लापरवाही की वजह से व्यक्ति चोटिल हो जाता है। ये चोटें गिरने, फिसलने, बिजली का झटका लगने, जलने या नुकीली वस्तुओं के कारण लगती हैं।

चित्र 4.80 – लापरवाही की वजह से लगने वाले चोटें

कर्मचारियों के कार्यस्थल पर बीमार पड़ने की भी संभावना होती है। सड़क पर काम करते वक्त दुर्घटना भी हो सकती है। इन सब स्थितियों में प्राथमिक चिकित्सा का ज्ञान अनिवार्य हो जाता है। प्राथमिक चिकित्सा, घायल व्यक्ति को मेडिकल मदद मिलने से पहले दी जाने वाली पहली देखभाल होती है।

प्राथमिक चिकित्सा के मुख्य उद्देश्य इस प्रकार हैं:

1. दुर्घटना के स्थान पर दी जाने वाली पहली देखभाल
2. चोट को बढ़ने से रोकना
3. घायल व्यक्ति को जल्द राहत पहुंचाना
4. घायल व्यक्ति को नज़दीकी अस्पताल तक ले जाना

चित्र 4.81 – प्राथमिक चिकित्सा

4.7.2 प्रबंधन की भूमिका और जिम्मेदारी

प्रबंधन के लिए उनके कर्मचारी सबसे महत्वपूर्ण होते हैं। उनके लिए नीचे दिए गए कार्य करना आवश्यक है:

1. घायल व्यक्ति को ले जाने के लिए वाहन/एम्बुलेंस की व्यवस्था करना

चित्र 4.82 – एम्बुलेंस की व्यवस्था करना

2. आवश्यक दवाइयों का स्टॉक रखना

चित्र 4.83 – दवाइयों का स्टॉक रखना

3. जानकारी मिलने पर घटना स्थल पर जल्दी से पहुंचना
4. गम्भीर चोटें लगने पर घायल को ट्रॉमा सेंटर तक साथ ले जाना
5. घातक मामलों में नज़दीकी पुलिस स्टेशन को सम्पर्क करना

चित्र 4.84 – नज़दीकी पुलिस स्टेशन को सम्पर्क करना

4.7.3 प्राथमिक चिकित्सा किट के संघटक

इस किट में नीचे दी गई चीज़ें ज़रुर होनी चाहिए:

1. **आपातकाल फोन नम्बर:** किट में अधिकारियों, सुपरवाइज़र और नज़दीकी अस्पताल का नम्बर होना चाहिए।

चित्र 4.85 – आपातकाल फोन नम्बर

2. **गौज पैड:** यह छोटी पट्टी होती है जो मामूली चोट की मरहम–पट्टी करने में प्रयोग होती है।

चित्र 4.86 – गौज पैड

3. **निस्संक्रामक:** यह चोट को साफ करने और संक्रमण से बचाने में प्रयोग होता है।

चित्र 4.87 – निस्संक्रामक

4. **दवाईयां:** किट में दर्द निवारक, एंटीबायोटिक, पैरासीटामोल जैसी दवाइयां होनी चाहिए। उपयोग करने से पहले दवा की समाप्ति तिथियों की जांच करें।

चित्र 4.88 – दवाईयां

5. **रोलर बैंडेजः** यह बड़ी पट्टी होती है जो बड़ी चोट की मरहम–पट्टी और रक्तस्राव को रोकने में प्रयोग होती है।

चित्र 4.89 – रोलर बैंडेज

6. **टेप/बैंडएडः** यह मामूली घावों के लिए होती है।

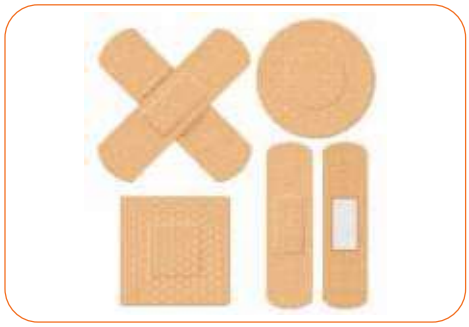

चित्र 4.90 – टेप/बैंडएड

7. **कैंचीः** इसका प्रयोग पट्टी और बैंडएड को अपेक्षित लम्बाई तक काटने में होता है।

चित्र 4.91 – कैंची

8. **सेफ्टी पिनः** यह मरहम–पट्टी को अपनी जगह पर स्थिर करने में प्रयोग होती है।

चित्र 4.92 – सेफ्टी पिन

4.7.4 प्राथमिक चिकित्सा करने का तरीका

हालांकि यह प्रशिक्षित व्यक्ति द्वारा ही की जानी चाहिए पर मामूली चोटों में आप भी कर सकते हैं।

1. **रक्तस्रावः** गंभीर स्थितियों में मेडिकल मदद लें। छोटी चोटों के लिए निस्संक्रामक से साफ करें, गौज पैड रखें, दोनों हाथों से दबाव दें, उस अंग को बाकी शरीर से ऊंचा उठाएं।

चित्र 4.93 – रक्तस्राव

2. **जलने की स्थिति में:** इन घावों की मरहम–पट्टी से पहले उसकी डिग्री जान लें।
   a. प्रथम डिग्रीः त्वचा की बाहरी परत प्रभावित होती है।
   b. द्वितीय डिग्रीः बाहरी त्वचा के साथ निचली परत भी प्रभावित होती है। छालों का बनना भी देखा जाता हैं।
   c. तृतीय डिग्रीः यह बहुत दर्दनाक होता है और त्वचा की कईं परतों को प्रभावित करता है।
   d. चतुर्थ डिग्रीः यह हड्डियों, मांसपेशियों तक को प्रभावित करता है और बहुत गंभीर होता है।

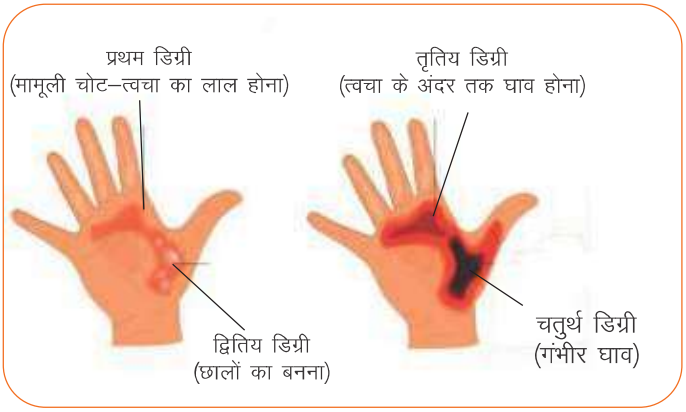

चित्र 4.94 – जलने की स्थिति में

मामूली घावों के लिए प्राथमिक चिकित्साः घाव पर ठंडे पानी को राहत मिलने तक डालें। छालों को न छुएं और न ही फोड़ें। इसे ढीले पैड से ढक दें।

चित्र 4.95 – मामूली घावों के लिए प्राथमिक चिकित्सा

गंभीर घावों के लिए प्राथमिक चिकित्सा: घाव से चिपके कपड़े हटाने की कोशिश न करें। गहनें उतार दें। घाव पर ठंडे पानी को डालें और पैड से ढक दें। बर्फ का प्रयोग न करें।

3. **चोट लगने की स्थिति में:** साफ हाथों से चोट को साफ करें और एंटीबायोटिक क्रीम या मरहम लगाएं। पट्टी से घाव ढक दें। नियमित रूप से पट्टी बदलते रहें। गंभीर चोटों के लिए डॉक्टर को दिखाएं।

चित्र 4.96 – मामूली चोटों के लिए मरहम–पट्टी करें

चित्र 4.97 – गंभीर चोटों के लिए डॉक्टर को दिखाएं

अभ्यास

1. प्राथमिक चिकित्सा के उद्देश्य बताएं।

2. प्राथमिक चिकित्सा किट के संघटक बताएं।

3. जलने के घावों का वर्गीकरण बताएं।

4. चोट की मरहम–पट्टी के बारे में बताएं।

5. सही या गलत बताएं।

- जलने के घाव को ठंडा करने के लिए बर्फ का प्रयोग करें। (सही / गलत)
- कैंची का प्रयोग पट्टी को काटने के लिए करें। (सही / गलत)

6. अपने क्षेत्र के आपातकाल फोन नम्बर लिखें:

Skill India
कौशल भारत-कुशल भारत

सत्यमेव जयते
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF SKILL DEVELOPMENT
& ENTREPRENEURSHIP

N·S·D·C
National
Skill Development
Corporation
Transforming the skill landscape

रोजगार कौशल

SCGJ | SKILL COUNCIL FOR GREEN JOBS

30 घंटे की अवधि के संबंधित रोजगार कौशल के लिए कृपया नीचे दिए गए ईस्किल पोर्टल पर उपलब्ध रोजगार कौशल कार्यपुस्तिका देखें

https://eskillindia.org/NewEmployability

क्यूआर कोड स्कैन करें या क्लिक करें

रोजगार कौशल

Skill India
कौशल भारत-कुशल भारत

सत्यमेव जयते
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF SKILL DEVELOPMENT
& ENTREPRENEURSHIP

N·S·D·C
National
Skill Development
Corporation
Transforming the skill landscape

SCGJ | SKILL COUNCIL FOR GREEN JOBS

6. स्नानघर और शौचालय की गीली सफाई

यूनिट 6.1 – सफाई में प्रयुक्त होने वाले औजार एवं उपकरण

यूनिट 6.2 – गीली सफाई

क्यूआर कोड स्कैन करें या संबंधित वीडियो देखने के लिए लिंक पर क्लिक करें

https://www.youtube.com/watch?v=j5pJL1ftrQY

SGJ/N6112

प्रमुख शिक्षा परिणाम

इस मॉड्यूल को पढ़ने के बाद आप नीचे बताए गए पहलुओं में सक्षम हो जाएंगेः

1. गीली सफाई में प्रयुक्त होने वाले औजारों एवं उपकरणों को जानने में
2. औजारों एवं उपकरणों को पहचानने में
3. गीली सफाई करने में
4. कचरे का उचित निपटान करने में
5. उपकरण की व्यवस्था करने और जांच करने में, जैसे वाइपर, पोंछा, कुदाल, पानी, बाल्टी, कपड़ा, आदि
6. तरल निस्संक्रामक / सफाई एजेंट की व्यवस्था करने में
7. तरल निस्संक्रामक और पानी का उचित मिश्रण तैयार करने में
8. सफाई करने के लिए क्षेत्र तैयार करने में
9. शौचालय के नल, सिंक, सिंक के अंदर और आसपास की स्वच्छता रखने में
10. टाइलें, दर्पण, आदि को साफ करने में
11. निर्दिष्ट क्षेत्र में एकत्रित कचरे, मिट्टी आदि को रखने में
12. फर्श / शौचालयों को पोंछे या गीले कपड़े से साफ करने में और झाड़ू लगाने में
13. एकत्रित कचरे आदि को हटाकर, उसे डंपिंग जगह पर ले जाने में

यूनिट 6.1: समूह में एक साथ काम करने का महत्व

यूनिट उद्देश्य

इस यूनिट को पढ़ने के बाद आप नीचे बताए गए पहलुओं में सक्षम हो जाएंगे:

1. गीली सफाई में प्रयुक्त होने वाले औजारों एवं उपकरणों को जानने में
2. औजारों एवं उपकरणों का प्रयोग जानने में

6.1.1 प्रस्तावना

सफाई कार्य में औजारों एवं उपकरणों का बहुत महत्व है क्योंकि इनके बिना सफाई नहीं की जा सकती। इनके उपयोग व तरीके को समझना बहुत आवश्यक है ताकि इस कार्य को अच्छे से संपन्न किया जा सके। लंबे समय तक औजारों को सही कार्य–दशा में रखने के लिए इनका रख–रखाव और सफाई भी समय–समय पर करना ज़रुरी है।

चित्र 6.1 – सफाई कार्य के लिए आवश्यक औजार एवं उपकरण

6.1.2 गीली सफाई में प्रयोग होने वाले औजार एवं उपकरण

नीचे सभी औजारों एवं उपकरणों को दर्शाया गया है। इन्हें अच्छे से जानें और पहचान करना सीखें।

पोंछा	

ब्रश	
वाइपर	
कपड़ा	
स्प्रे बोतलें	
शीशे, फर्श और सिंक के लिए क्लीनर / निस्संक्रामक	

तालिका 6.1 – गीली सफाई में प्रयोग होने वाले औजार एवं उपकरण

6.1.3 सफाई उपकरणों की जानकारी

- **ब्रश**: सफाई में प्रयुक्त होने वाला साधन जिसमें धातु या अन्य तंतुओं से बने बाल होते हैं, उसे ब्रश कहा जाता है। ये विभिन्न आकारों में आते हैं। ये धातु, नायलॉन या अन्य तंतुओं से बने होते हैं। मुख्य रूप से दो प्रकार के ब्रश हैं:
  - **हार्ड ब्रश**: इसके रेशे कठोर बने होते हैं। कूड़े को हटाने के लिए ये सबसे उपयुक्त हैं उदाहरण: फर्नीचर ब्रश, कालीन ब्रश आदि।

चित्र 6.2 – हार्ड ब्रश

  - **नरम ब्रश**: इसके रेशे लचीले होते हैं। उन्हें ढीली मिट्टी और कूड़े को हटाने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। उदाहरण: जूता साफ करने वाला ब्रश, कोट ब्रश आदि।

चित्र 6.3 – नरम ब्रश

- **पोंछा**: पोंछा आम तौर पर फर्श की सफाई के लिए उपयोग किया जाता है, हालांकि जब संभव हो तो अन्य सतहों की सफाई के लिए भी उपयोग किया जाता है, उदाहरण के लिए टाइल की दीवारें, आदि।
- **झाड़ू**: झाड़ू एक सफाई उपकरण है जिस के कठोर फाइबर एक बेलनाकार हैंडल से जुड़े होते हैं। यह दो प्रकार का होता है– तीलियों का या फूल झाड़ू।
- **वाइपर**: वाइपर फ्लैट, नरम और मोटे रबर ब्लेड के साथ एक सफाई उपकरण है, जो एक सपाट सतह पर तरल के प्रवाह को हटाने या नियंत्रित करने के लिए उपयोग किया जाता है। इसका उपयोग फर्श को साफ करने के लिए किया जाता है और छोटे, पतले एवं लचीले वाइपर का प्रयोग खिड़कियों की सफाई के लिए किया जाता है।
- **फर्श साफ करने वाला कपड़ा**: यह एक सूती कपड़ा होता है जो आम तौर पर ढीले से बुने सूत से बना होता है। इनका उपयोग फर्श से दागों को हटाने के लिए किया जाता है।
- **डिटर्जेंट / क्लीनर / निस्संक्रामक**: इन्हें पानी के साथ उचित मात्रा में मिलाकर प्रयोग किया जाता है। ये आमतौर पर रसायनिक मिश्रण होते हैं जो विभिन्न सतहों को दाग और जीवाणुमुक्त करने के काम आते हैं।
- **स्प्रे बोतलें**: यह एक प्रकार की बोतल है जो धार या स्प्रे के रूप में तरल पदार्थ निकाल सकती है। स्प्रे बोतलों का एक सामान्य उपयोग सफाई के लिए एक नोज़ल के माध्यम से क्लीनर और कैमिकल को स्प्रे करना है।

यूनिट 6.2: गीली सफाई

यूनिट उद्देश्य

इस यूनिट को पढ़ने के बाद आप नीचे बताए गए पहलुओं में सक्षम हो जाएंगे:

1. गीली सफाई करने में
2. कचरे का उचित निपटान करने में

6.2.1 गीली सफाई की प्रकिया

- इस प्रक्रिया में फर्श को साफ करने के लिए झाड़ू लगाने के बाद फ्लोर क्लीनर के साथ गीला पोंछा लगाया जाता है।
- उत्पाद के लेबल पर दिए गए निर्देशों के अनुसार फ्लोर क्लीनर को पानी की बाल्टी में डालें।

चित्र 6.4 – गीली सफाई

चित्र 6.5 – फ्लोर क्लीनर को पानी की बाल्टी में डालना

- एक साफ पोंछे के साथ शुरू करते हुए सफाई करें। पोंछे को बाल्टी में डालकर भिगोएं और अच्छे से निचोड़ लें।

चित्र 6.6 – पोंछे को बाल्टी में डालकर भिगोना

- नम पोंछे से फर्श साफ करें। बाल्टी का क्लीनर गंदा होने पर उसे बदलें।
- टॉयलेट और सिंक हर प्रकार की धारियों, मिट्टी और साबुन के दागों से मुक्त होने चाहिए। इसके लिए क्लीनर में भीगे हुए कपड़े से सिंक को साफ करें।

चित्र 6.7 – सिंक को अच्छी तरह साफ करना

- टॉयलेट को साफ करने के लिए क्लीनर को डालें और टॉयलेट ब्रश से साफ करें।

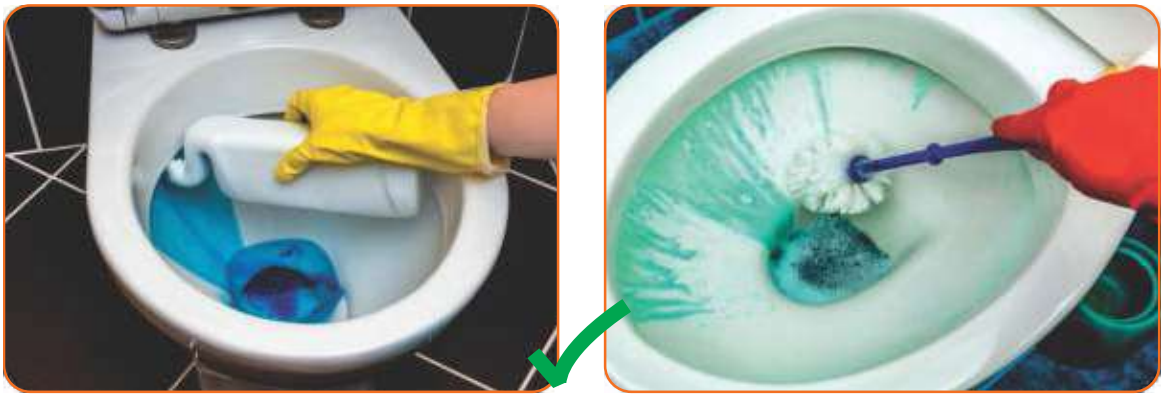

चित्र 6.8 – टॉयलेट को साफ करने के लिए क्लीनर को डालें और टॉयलेट ब्रश से साफ करें

- दर्पण और खिड़कियां धूल और धारियों से मुक्त होने चाहिए। क्लीनर को स्प्रे करें और साफ व सूखे कपड़े से पोंछें।

चित्र 6.9 – दर्पण और खिड़कियां धूल और धारियों से मुक्त होने चाहिए

- डिस्पेंसर धूल, मिट्टी और अवशेषों से मुक्त होने चाहिए और खाली होने पर प्रतिस्थापित होने चाहिए।
- साबुन, टॉयलेट पेपर, हाथ तौलिया/ड्रायर, सेनेटरी पैड मशीन, डस्टबिन और अन्य आवश्यक वस्तुओं की व्यवस्था होनी चाहिए।

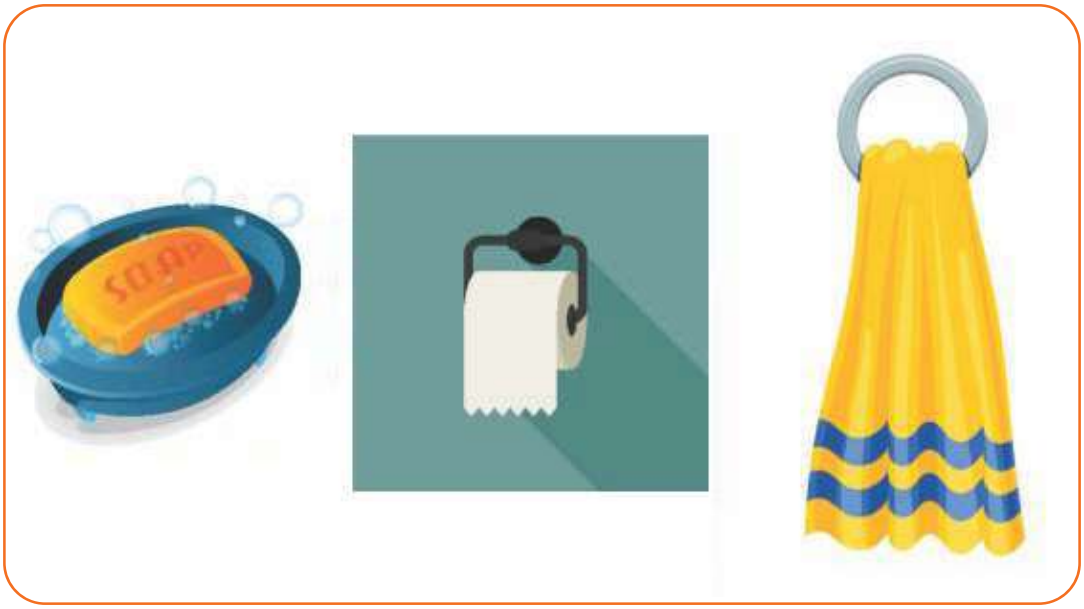

चित्र 6.10 – आवश्यक वस्तुओं की व्यवस्था करना

- टॉयलेट बाउल, मूत्रपात्र और आसपास के क्षेत्रों पर रोज कीटाणुनाशक छिड़कना न भूलें और एसिड–आधारित कीटाणुनाशक के उपयोग से बचें।

चित्र 6.11 – टॉयलेट बाउल, मूत्रपात्र में रोज कीटाणुनाशक छिड़कना

- दीवार पर लगी टाइलों को भी क्लीनर से साफ करें।
- टॉयलेट के फर्श को जितना संभव हो सके उतना सूखा रखा जाना चाहिए।

चित्र 6.12 – दीवार पर लगी टाइल को साफ रखना

चित्र 6.13 – फर्श को सूखा रखना

- कूड़ा उचित रूप से दैनिक आधार पर साफ किया जाना चाहिए।

चित्र 6.14 – कूड़ा उचित रूप से दैनिक आधार पर साफ करना

6.2.2 कचरे के निपटान के तरीके

कचरे के निपटान के लिए उसे अलग करें और बताए गए बिनों में डालें। दो प्रकार के बिन में कचरे को डालें– हरा और नीला, जैसे कि सेक्शन 2.2.3 में बताया गया है। पूरा निपटान इसी प्रकार करें।

अभ्यास

1. सफाई ब्रश क्या होता है? यह कितने प्रकार का होता है?

2. वाइपर क्या होता है?

3. डिटर्जेंट / क्लीनर / निस्संक्रामक का प्रयोग क्यों किया जाता है?

4. टॉयलेट और सिंक को साफ करने का तरीका बताएं।

5. नीचे दिए गए औजारों व उपकरणों को पहचान कर उनके नाम लिखें:

Skill India
कौशल भारत-कुशल भारत

सत्यमेव जयते
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF SKILL DEVELOPMENT
& ENTREPRENEURSHIP

N·S·D·C
National
Skill Development
Corporation
Transforming the skill landscape

SCGJ | SKILL COUNCIL FOR GREEN JOBS

7. मशीनीकृत सफाई उपकरण के साथ सफाई

यूनिट 7.1 – मशीनों का सुरक्षित उपयोग व देखभाल
यूनिट 7.2 – वैक्यूम क्लीनर के साथ सफाई
यूनिट 7.3 – मेकैनिकल स्वीपर के साथ सफाई
यूनिट 7.4 – मैकेनाइज़्ड स्वीपर राइड के साथ सफाई
यूनिट 7.5 – मैकेनाइज़्ड स्क्रबिंग मशीन के साथ सफाई

क्यूआर कोड स्कैन करें या संबंधित वीडियो देखने के लिए लिंक पर क्लिक करें

https://www.youtube.com/watch?v=biZfj4YNSbk

SGJ/N6113

प्रमुख शिक्षा परिणाम

इस मॉड्यूल को पढ़ने के बाद आप नीचे बताए गए पहलुओं में सक्षम हो जाएंगे:

1. मशीनों का सुरक्षित उपयोग व देखभाल करने में
2. वैक्यूम क्लीनर के साथ सफाई करने में
3. मेकैनिकल स्वीपर के साथ सफाई करने में
4. मैकेनाइज़्ड स्वीपर राइड के साथ सफाई करने में
5. मैकेनाइज़्ड स्क्रबिंग मशीन के साथ सफाई करने में
6. सभी मशीनों का संचालन करने में
7. वैक्यूम क्लीनर के उचित स्थान की पहचान करने में
8. वैक्यूम क्लीनर की शुरू करने और बंद करने की प्रक्रिया का प्रदर्शन करने में
9. उचित सक्शन नली की पहचान करने में
10. सक्शन नली को वैक्यूम क्लीनर से लगाने में
12. समय–समय पर धूल बैग की गंदगी की जांच करने में और आवश्यकता होने पर बैग खाली करने में
13. एकत्रित गंदगी का उचित निपटान करने में
14. धूल कंटेनर को ठीक से साफ़ करने में
15. धूल कंटेनर को उपकरण में ठीक से लगाना सुनिश्चित करने में
16. गीले फिल्टर को ठीक से सुखाने में
17. फ़िल्टर बदलने में
18. उपकरण को ठीक से बंद करने में
19. वैक्यूम क्लीनर को साफ करने में और किसी भी क्षति के लिए उपकरण का निरीक्षण करने में
20. उचित स्थान पर उपकरण को सघन रूप से रखने में

यूनिट 7.1: मशीनों का सुरक्षित उपयोग व देखभाल

यूनिट उद्देश्य

इस यूनिट को पढ़ने के बाद आप नीचे बताए गए पहलुओं में सक्षम हो जाएंगे:

1. मशीनों का सुरक्षित उपयोग व देखभाल करने के बारे में

7.1.1 प्रस्तावना

मशीनीकृत सफाई उपकरणों के साथ सफाई करना बहुत आसान हो जाता है। आजकल के समय में बहुत प्रकार की मशीनें उपलब्ध हैं जो सूखी, गीली हर तरह की सफाई करने में सक्षम हैं। हाथ से झाड़ू लगाने पर कई बार हवा में धूल रह जाती है जिससे कर्मचारी को श्वास–संबंधी समस्याएं हो सकती हैं, कमर–दर्द व अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। साथ ही इसमें समय और अथक परिश्रम भी लगता है। मशीनें समय की बचत तो करती ही हैं, स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के खतरे को भी कम करती हैं।

चित्र 7.1 – मशीनीकृत सफाई उपकरणों के साथ सफा

7.1.2 मशीनों का सुरक्षित उपयोग व देखभाल करने के तरीके

इसके लिए आपको सभी नियमों का पालन करना बेहद ज़रुरी है। नीचे कुछ महत्वपूर्ण बिंदु दिए गए हैं, उन्हें ध्यान में रखें:

1. **प्रत्येक उपयोग से पहले बुनियादी निर्देश–**

- सफाई करने से पहले चेतावनी संकेत रखें

चित्र 7.2 – चेतावनी संकेत

- यदि संभव हो तो क्षेत्र को हवादार बनाएं रखें
- यदि संभव हो तो मशीन प्लग सॉकेट में डालने से पहले सर्किट ब्रेकर को पावर सॉकेट में डालें

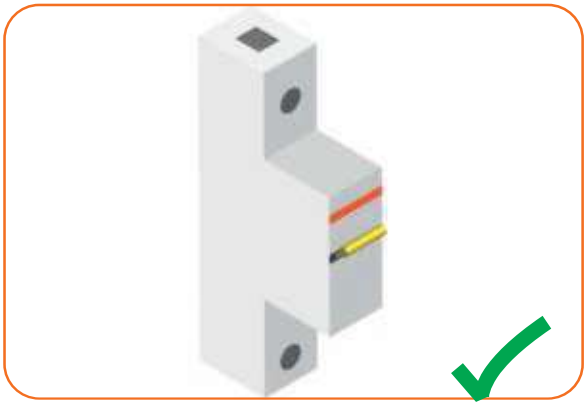

चित्र 7.3 – सर्किट ब्रेकर

- काम शुरू करने से पहले प्रत्येक मशीन के लिए सही ब्रश या पैड चुनें

चित्र 7.4 – सफाई के अनुसार सही ब्रश या पैड चुनें

- प्रत्येक मशीन को चलाने के लिए सही स्थिति का उपयोग करें जिसमें कट आउट स्विच और तारों को भी सही स्थिति में उपयोग किया जाए
- मशीन का प्लग सॉकेट से निकालने से पहले स्विच को "ऑफ" स्थिति में करें

चित्र 7.6 – प्लग निकालने से पहले बटन को ऑफ कर दें

2. उपयोग के बाद

- यदि संभव हो तो वेंटिलेशन बंद करें
- सफाई के लिए सभी मशीनरी की जांच करें
- सॉल्यूशन टेंक को खाली किया जाना चाहिए
- चेतावनी संकेत हटा दें

चित्र 7.7 – सफाई से पहले व बाद में मशीनों की जांच करें

3. सुरक्षा

- उपयुक्त निजी सुरक्षा उपकरण पहनें

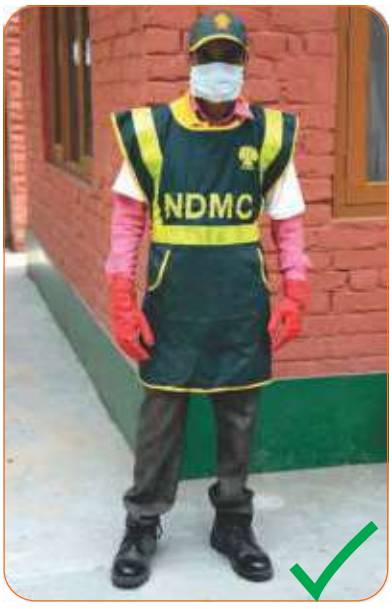

चित्र 7.8 – निजी सुरक्षा उपकरण पहनें

- दोषपूर्ण उपकरणों से निपटने की प्रक्रिया से अवगत रहें

चित्र 7.9 – सभी प्रक्रियाओं से अवगत रहें

- एक मशीन को तब तक प्लग न करें जब तक कि इसे संकलित न किया जाए और उपयोग के लिए तैयार हो
- तारें हर समय मशीन के पीछे होनी चाहिए
- तारों को उलझने न दें

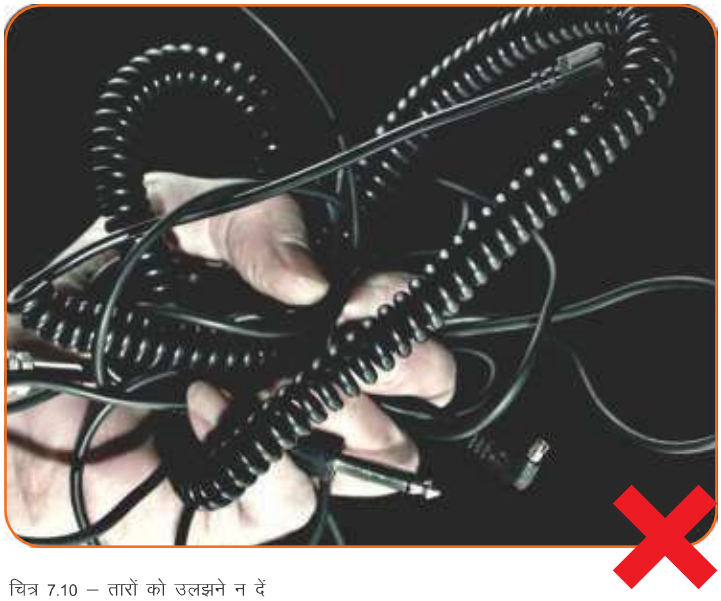

चित्र 7.10 – तारों को उलझने न दें

- जब उपयोग में नहीं हो तो रोटरी फ्लोर मशीन को सीधी स्थिति में छोड़ दें
- सुनिश्चित करें कि ईंधन चालित मशीनरी शुरू होने से पहले तेल, डीजल या पेट्रोल टैंक की जांच की गई हो

चित्र 7.11 – मशीनरी शुरु करने से पहले ईंधन के टैंक की जांच करें

4. उपकरण की देखभाल

- स्टोर करने से पहले सभी उपकरणों को साफ करें
- नीचे के स्तरों पर भारी उपकरण स्टोर करें
- सुनिश्चित करें कि उपकरण किसी प्रवेश द्वार या निकास द्वार को अवरूद्ध न करे

चित्र 7.12 – उपकरणों को रास्ते में न रखें

- सफाई रसायनों को संपर्क में आने से बचाने के लिए अलग स्टोर करें
- उपकरणों और सफाई रसायनों को इस प्रकार स्टोर करें कि अक्सर उपयोग में आने वाली चीज़ें आसानी से प्राप्त हो सकें

चित्र 7.13 – सभी उपकरणों को अच्छे से स्टोर करें

- उपकरणों को सूखने और हवादार रखने के अनुसार स्टोर करें
- पुराने स्टॉक का इस्तेमाल पहले सुनिश्चित करने के लिए पुराने स्टॉक को सामने और नए स्टॉक को पीछे रखें
- एक्सपायर हो चुके स्टॉक को फेंक दें
- साफ बाल्टी को उल्टा स्टोर करें

चित्र 7.14 – साफ बाल्टी को उल्टा स्टोर करें

- संकलित होने वाले पोछे के आगे के भाग को ऊपर रखकर स्टोर करें

यूनिट 7.2: वैक्यूम क्लीनर के साथ सफाई

यूनिट उद्देश्य

इस यूनिट को पढ़ने के बाद आप नीचे बताए गए पहलुओं में सक्षम हो जाएंगे:

1. वैक्यूम क्लीनर को जानने में
2. मशीन के संचालन में

7.2.1 वैक्यूम क्लीनर का परिचय

वैक्यूम क्लीनर या तो बिजली से संचालित होते हैं या बैटरी से। यह हवा के प्रेशर से सफाई करता है।

यह दो प्रकार के होते हैं–

- शुष्क वैक्यूम क्लीनर – महीन धूल, सूखी मिट्टी की सफाई के लिए

चित्र 7.15 – शुष्क वैक्यूम क्लीनर

चित्र 7.16 – गीला और शुष्क वैक्यूम क्लीनर

- गीले और शुष्क वैक्यूम क्लीनर – सूखी और गीली धूल को साफ करने के लिए लेकिन एक ही समय में सूखी और गीली धूल दोनों नहीं उठा सकते

7.2.2 वैक्यूम क्लीनर के महत्वपूर्ण भाग

- **मोटर** – यह मशीन चलाता है और मशीन के अनुचित रखरखाव के कारण क्षतिग्रस्त हो सकता है।
- **फिल्टर** – ये महीन धूल को अवशोषित करने के साथ–साथ मोटर की रक्षा के लिए भी इस्तेमाल किए जाते हैं। जितने अधिक फ़िल्टर मशीन में होंगे मशीन उतनी ही बेहतर होगी।

मोटर फ़िल्टर

एग्ज़ॉस्ट फ़िल्टर

गीली और सूखी मशीन के लिए कारट्रिज फिल्टर

चित्र 7.17 – वैक्यूम क्लीनर के महत्वपूर्ण भाग

- **धूल के लिए थैली** – इसे प्राथमिक फिल्टर भी माना जाता है और यह कागज़ की थैली, ऊन की थैली और कपड़े की थैली जैसी कई किस्मों में आता है। इनमें से केवल कपड़े की थैली को धोया जा सकता है और यह पुनः उपयोग के लिए उपलब्ध होता है।

कपड़े की थैली

ऊन की थैली

कागज की थैली

सक्शन नली

सक्शन ट्यूब

चित्र 7.17.1 – वैक्यूम क्लीनर के महत्वपूर्ण भाग

फर्श उपकरण

अन्य उपकरण–

ब्रश व नोज़ल

चित्र 7.17.2 – वैक्यूम क्लीनर के महत्वपूर्ण भाग

7.2.3 मशीन संचालन के लिए आवश्यक पहलु

1. शुष्क संचालन

क्या करें

- फिल्टर और धूल बैग की जाँच करें

चित्र 7.18 – फिल्टर और धूल बैग की जांच करें

- सॉकेट की जांच करें और मशीन को प्लग करें
- मशीन को ऑन करें
- फर्श के प्रकार के अनुसार उपकरण को समायोजित करें
- यदि ऑपरेशन के दौरान खिंचाव शक्ति कम होती है, तो धूल बैग की जांच करें और अगर यह भरा हुआ हो तो इसे सावधानी से खाली करें

चित्र 7.19 – धूल बैग को सावधानी से खाली करें

- उपयोग के बाद फिल्टर और बाहरी सतह को साफ करें

क्या न करें

- गीली मिट्टी की सफाई के लिए इस मशीन का उपयोग न करें
- फिल्टर थैली के बिना मशीन का उपयोग न करें
- नुकीली वस्तुएं, छिपकली और अन्य कीड़े नहीं उठाएं
- मशीन को छोड़कर न जाएं
- मशीन में गीली फिल्टर थैली न लगाएं
- धूल बैग भरा होने के कारण खिंचाव दबाव कम हो तो काम न करें
- काम के क्षेत्र में तार न लगाएं, तार को हमेशा काम के क्षेत्र के पीछे रखें
- काम करते समय सक्शन ट्यूब को न छुएं क्योंकि इससे बिजली का हल्का झटका लग सकता है

2. गीला संचालन

क्या करें

- रबड़ स्क्वीज़ के साथ फर्श के टूल ब्रश को बदलें
- धूल की थैली निकालें
- सॉकेट की जांच करें और मशीन का प्लग लगाएं

चित्र 7.20 – मशीन का प्लग सावधानी पूर्वक लगाएं

- मशीन को साफ करें और उपयोग के बाद कारट्रिज फ़िल्टर या फ्लैट प्लीटेड फ़िल्टर को सुखाएं

क्या न करें

- सूखी मिट्टी की सफाई के लिए इस मशीन का उपयोग न करें
- कारट्रिज या फ्लैट प्लीटेड फ़िल्टर के बिना मशीन का उपयोग न करें
- नुकीली वस्तुएं, छिपकली और अन्य कीड़े नहीं उठाएं
- मशीन को छोड़कर न जाएं
- मशीन में गीली फिल्टर थैली न लगाएं

चरण

3. मशीन को चालू करना

- उपकरण के नली कनेक्शन में सक्शन नली लगाएं

- मशीन का सक्शन सिरा हटा दें

- सुनिश्चित करें कि उपकरण में मुख्य फिल्टर टोकरी डाली गई है

- सॉकेट में प्लग लगाएं

4. सफाई करना

- मुख्य स्विच से उपकरण को ऑन करें

- फर्श नोजल के सिलेक्शन स्विच को दबाकर फर्श या कालीन के लिए सेट करें

- सफाई करें
- सक्शन फोर्स रेग्युलेटर से खिंचाव शक्ति को सेट करें

5. समापन करना

- मुख्य स्विच से उपकरण को ऑफ करें

- तार को लपेट दें

- उपकरण को पार्किंग स्थिति में रखें

6. देखभाल करना

- उपकरण के सक्शन सिरे को हटाएं

- मुख्य फिल्टर टोकरी को हटाएं

- धूल बैग को बदलें

- मुख्य फिल्टर टोकरी को लगाएं

- उपकरण के सक्शन सिरे को लगाएं और लॉक कर दें

यूनिट 7.3: मेकैनिकल स्वीपर के साथ सफाई

यूनिट उद्देश्य

इस यूनिट को पढ़ने के बाद आप नीचे बताए गए पहलुओं में सक्षम हो जाएंगे:

1. मेकैनिकल स्वीपर को जानने में
2. मशीन संचालन के लिए आवश्यक पहलु जानने में

7.3.1 मेकैनिकल स्वीपर का परिचय

चित्र 7.21 – मेकैनिकल स्वीपर के महत्वपूर्ण भाग

मुख्य झाड़ू

मुख्य रोलर ब्रश ड्राइव

समायोज्य पुश हैंडल

बड़ा धूल कंटेनर

धूल फिल्टर

मानक मुख्य रोलर ब्रश

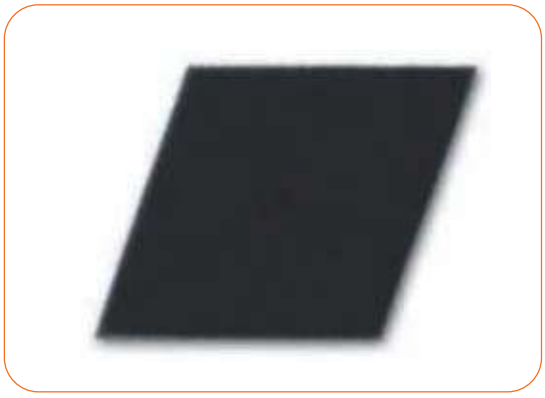

फोम फिल्टर

मानक साइड ब्रश

मुख्य झाड़ू का दबाव नियंत्रित करने वाला लीवर

विशेषताएं–

- मोटी धूल को उठाने के लिए मेकैनिकल स्वीपर अत्यधिक कुशल है
- यह बिना किसी बिजली या बैटरी के काम करता है
- मैनुअल सफाई की तुलना में इसकी दक्षता 70% अधिक है, मेकैनिकल स्वीपर के मामले में एक ही समय में धूल साफ व एकत्र कर सकते हैं
- यह एक सामान्य झाड़ू से सात गुना तेज़ है

7.3.2 मशीन संचालन के लिए आवश्यक पहलु चरण

1. धूल की प्रकृति के आधार पर ब्रश का दबाव समायोजित करें। अत्यधिक धूल वाली जगह के लिए ब्रश के दबाव को एक उच्च मोड पर डालें और ब्रश के अनावश्यक घिसाव से बचने के लिए इसका उपयोग न्यूनतम दबाव में करें।

2. निरंतर आगे की दिशा में चलें

3. साइड ब्रश का उपयोग कोने की सफाई के लिए ही करें अन्यथा इसे पार्किंग मोड पर छोड़ दें
4. **सावधानी:** सुनिश्चित करें कि स्वीपर का उपयोग करने से पहले किसी भी नुकीली वस्तु और भारी मलबे जैसी गंदगी को हटा दिया गया हो
5. **रखरखाव और देखभाल:**

- कंटेनर खाली करें

- अंदर और बाहर एक नम कपड़े से उपकरण को साफ करें
- ब्रश साफ करें

6. **प्रयोगः**
   - यह बहुत बड़ी जगह को साफ करने के लिए बहुत उपयोगी है
   - साइड वॉक, सड़कों और रास्ते को साफ करने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है
   - होटल, उद्योग, बाहरी स्थान आदि के लिए यह आदर्श मशीन है
7. **सीमाएंः**
   - यह सीढ़ियों पर इस्तेमाल नहीं किया जा सकता
   - यह बंद स्थान के लिए उपयुक्त नहीं है। यह फर्श से बर्फ की सफाई के लिए उपयुक्त नहीं है
   - यह गीले फर्श पर इस्तेमाल नहीं किया जा सकता

नोट्स

यूनिट 7.4: मैकेनाइज़्ड स्वीपर राइड के साथ सफाई

यूनिट उद्देश्य

इस यूनिट को पढ़ने के बाद आप नीचे बताए गए पहलुओं में सक्षम हो जाएंगे:

1. मैकेनाइज़्ड स्वीपर राइड को जानने में
2. मशीन के संचालन में

7.4.1 मैकेनाइज़्ड स्वीपर राइड का परिचय

यह ईंधन (पेट्रोल, डीजल और सीएनजी) आधारित और बैटरी संचालित हो सकता है।

7.4.2 मशीन संचालन के चरण

1. **मशीन चालू करने के लिए तैयारी**
   - कवर खोलना और सुरक्षित करना

- तेल के स्तर की जांच करें

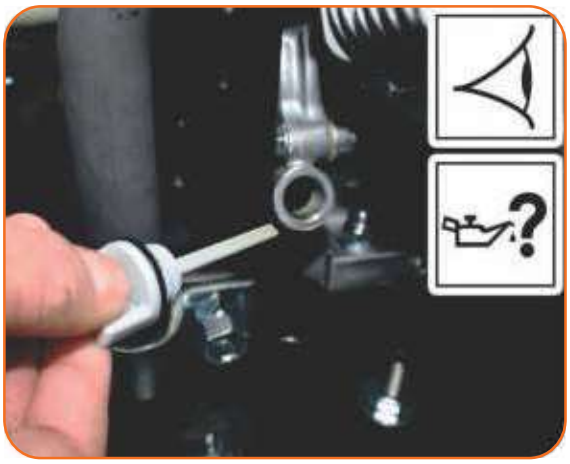

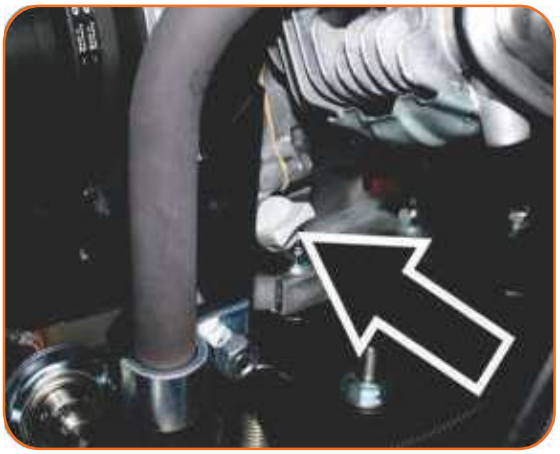

- टैंक सूचक के माध्यम से ईंधन स्तर की जांच करें। "नियमित अनलेडेड पेट्रोल" का प्रयोग करें

- ईंधन आपूर्ति खोलें

- समकारी कंटेनर में तेल स्तर की जांच करें

- स्टोरेज कंटेनर पर हाइड्रोलिक तेल के स्तर की जांच करें

- कवर बंद करें

2. मशीन शुरू करना

- ड्राइवर की सीट पर बैठें

- एक्सलरेटर पेडल नहीं दबाएं

चरण 1 ड्राइविंग पर प्रोग्राम स्विच सेट करें

- यदि मोटर ठंडा है, तो चोक लीवर नीचे दबाएं

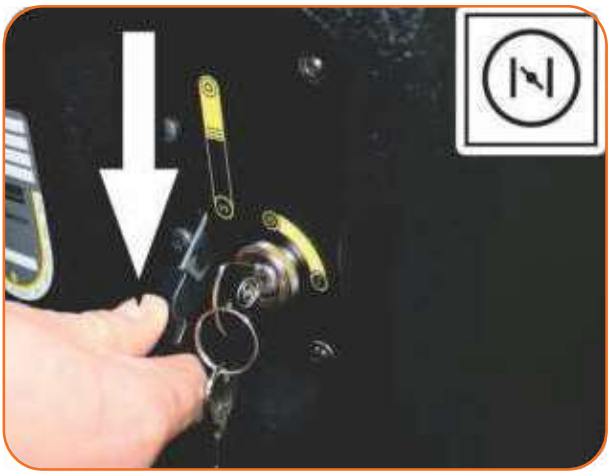

- इग्निशन कुंजी को "I" की स्थिति में घुमाएं, यदि मशीन शुरू हो जाती है, तो इग्निशन कुंजी को छोड़ दें

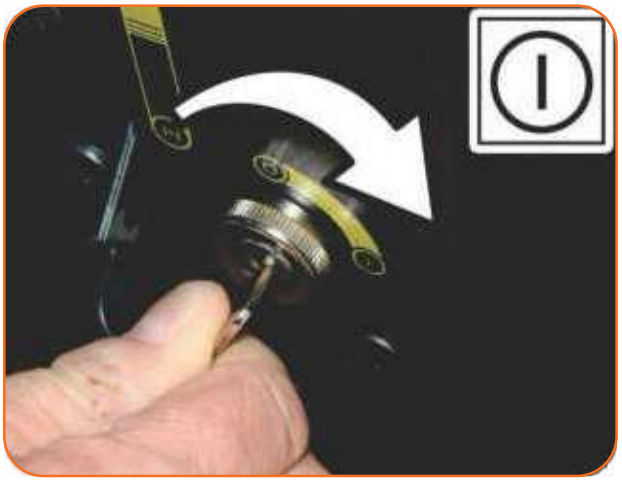

- इंजन चलने के बाद, चोक लीवर को ऊपर कर लें।

3. मशीन ड्राइविंग

- धीरे–धीरे एक्सलरेटर पेडल ''आगे'' दबाएं

- धीरे–धीरे एक्सलरेटर पेडल ''रिवर्स'' दबाएं

- एक्सलरेटर पेडल छोड़ने पर मशीन ब्रेक स्वचालित रूप से लग जाते हैं और यह बंद हो जाती है

4. झाड़ू रोलर के साथ सफाई

चरण 2 में प्रोग्राम स्विच सेट करने पर रोलर ब्रश नीचे आ जाता है

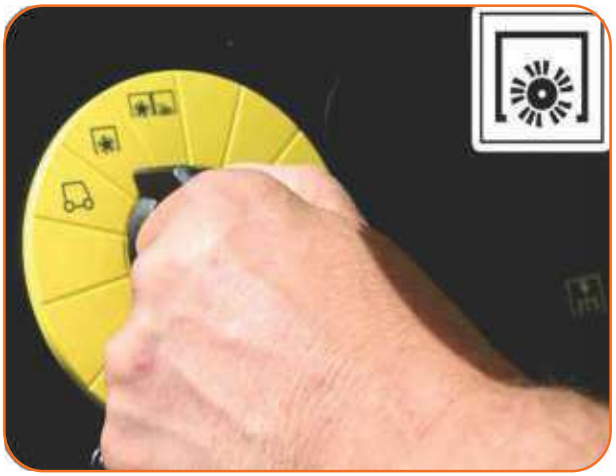

5. साइड ब्रश के साथ सफाई

- प्रोग्राम स्विच को चरण 3 पर सेट करने पर साइड ब्रश और रोलर ब्रश नीचे आ जाते हैं

6. बल्क वेस्ट फ्लैप के साथ सफाई

- ज़्यादा कचरे के लिए पेडल दबाएं रखें। इसे नीचे करने के लिए, पेडल से पैर हटाएं

7. नम व गीले फर्श की सफाई

- गीला/सूखा फ्लैप खोलें

8. धूल फिल्टर की सफाई

- संचालन के दौरान, धूल फिल्टर को हर 15–30 मिनट में हिलाना व एकत्रित धूल की मात्रा के आधार पर साफ किया जाना चाहिए

9. धूल कंटेनर खाली करना

- धूल कंटेनर को थोड़ा उठाएं और बाहर निकालें। कंटेनर को खाली करें। कंटेनर वापिस लगाएं और उसे लॉक करें। विपरीत कंटेनर को खाली करें।

10. उपकरण बंद करें

चरण 1 ड्राइविंग पर प्रोग्राम स्विच सेट करें। साइड ब्रश और रोलर ब्रश उठा लिए जाते हैं

- इग्निशन कुंजी को ''0'' पर रखें और इसे हटा दें

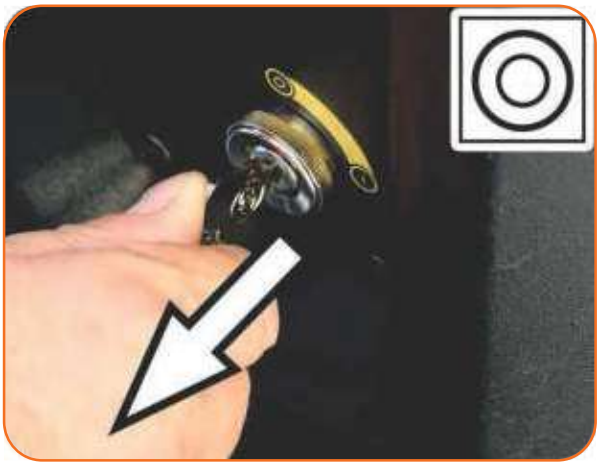

11. ईंधन का ढक्कन बंद करें

- डिवाइस हुड को खोलें

- ईंधन की आपूर्ति बंद करें

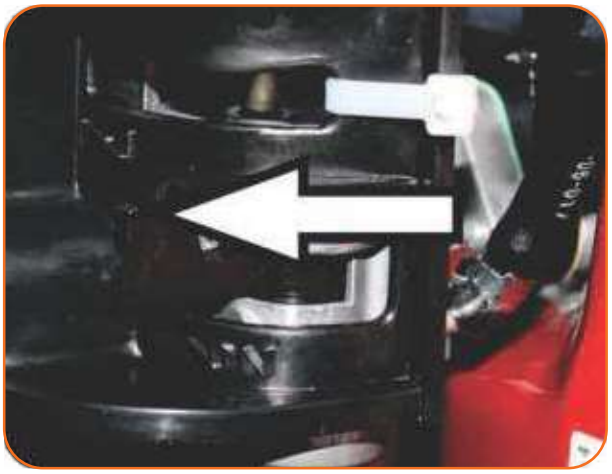

- कवर बंद करें

1. रखरखाव और देखभाल

- इंजन के तेल के स्तर की जांच करें

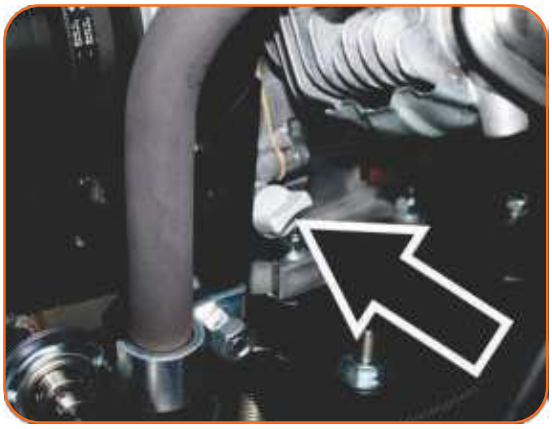

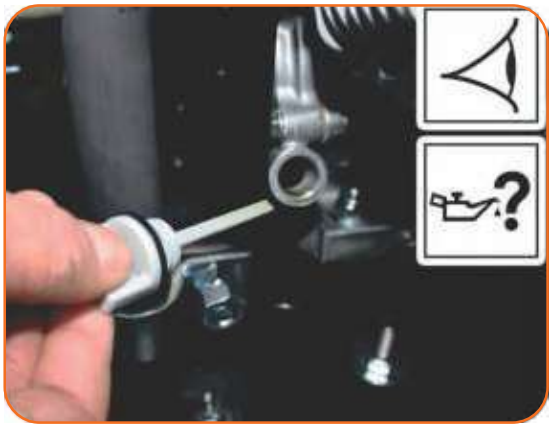

- धूल फिल्टर की जांच करें और यदि आवश्यक हो तो फिल्टर बॉक्स को साफ करें

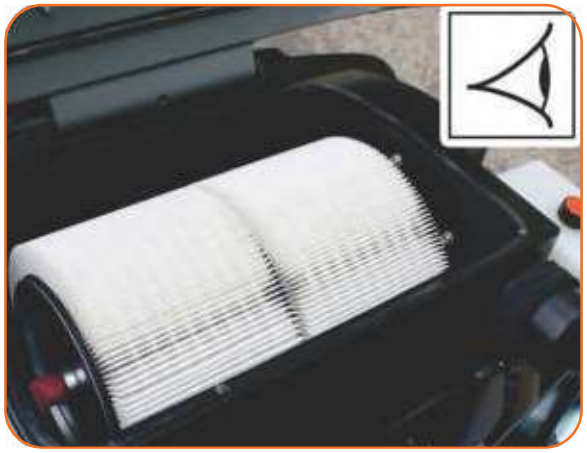

- एक नम कपड़े, जो हल्के डिटर्जेंट में भिगोया गया है, के साथ मशीन को साफ करें
- उपकरण को पानी से न धोएं और आक्रामक डिटर्जेंट का उपयोग न करें

यूनिट 7.5: मैकेनाइज़्ड स्क्रबिंग मशीन के साथ सफाई

यूनिट उद्देश्य

इस यूनिट को पढ़ने के बाद आप नीचे बताए गए पहलुओं में सक्षम हो जाएंगे:

1. मैकेनाइज़्ड स्क्रबिंग मशीन को जानने में
2. मशीन के संचालन में

7.5.1 स्क्रबिंग मशीन का परिचय

फर्श स्क्रबर्स परंपरागत सफाई के तरीकों जैसे कि पोछे और बाल्टी के लिए एक अधिक स्वच्छ विकल्प हैं। कुछ स्क्रबर्स पानी और रसायन के बिना भी सफाई करने में सक्षम हैं। हालांकि, ज्यादातर ऑटो–स्क्रबर्स किनारों, कोनों तक पहुंच नहीं सकते हैं, इसलिए, उस क्षेत्र को साफ करने के लिए आवश्यक है कि वहां पोछा लगाया जाए।

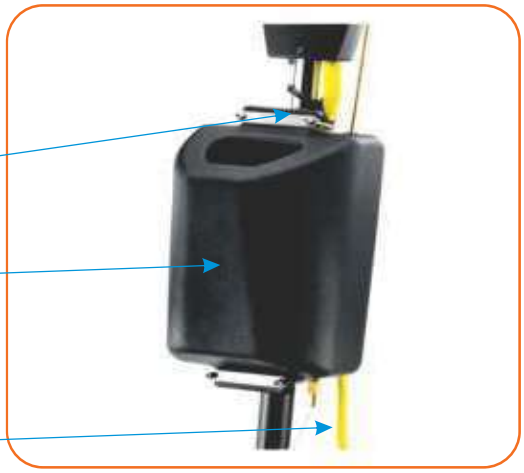

डिस्क ब्रश

पैड होल्डर

डिस्क पैड

सहायक उपकरण

- वजन
- स्क्रबिंग ब्रश
- शैंपू करने वाला ब्रश

उपकरण

- निजी सुरक्षा उपकरण
- चेतावनी के संकेत
- बिजली संचालित स्क्रबिंग मशीन
- उचित पैड के साथ डिस्क ड्राइव
- सफाई रसायन
- बाल्टी/नली

7.5.2 मशीन संचालन के चरण

1. **स्टार्टअप से पहले**

- किसी भी क्षति के लिए मुख्य तार की नियमित जांच करें
- किसी भी क्षति के लिए मशीन की जांच करें

2. **ब्रश/पैड अटैच करें**

- स्तर सही करने के लिए लीवर को खींचें और सामने की तरफ एक लंबरूप स्थिति में ले जाएं
- उपकरण को पार्किंग की स्थिति में रखें
- डिस्क ब्रश/ड्राइवर प्लेट को एक्चुएटर (गति देनेवाले) पर रखें और घड़ी से विपरीत दिशा में घुमा दें

3. **डिटर्जेंट टैंक भरना**

- ढक्कन हटाएं
- डिटर्जेंट टैंक में डिटर्जेंट भरें
- ढक्कन को लगाएं

4. संचालन

- सुनिश्चित करें कि जिस क्षेत्र को साफ करना है, वहां गैर–ज़रूरी सामान या मलबा न पड़ा हो
- फर्श के प्रकार के अनुसार मशीन की उपयुक्तता की जांच करें
- असमान या रूखी सतहों की सफाई में अधिक मुश्किल आती है

5. हैंडल समायोजित करें

- पार्किंग की स्थिति में, एक पिन सफाई करने वाले सिरे को अचानक फोल्ड होने से बचाता है। लॉक हटाने करने के लिए, जब उपकरण पार्किंग स्थिति में हो, हैंडल जमीन के समानांतर हो, झुके हुए लीवर को खींचें और ऊपर उठा दें
- स्तर समायोजन के लिए लीवर को खींचें
- एक आरामदायक स्थिति में हैंडल झुकाएं
- स्तर समायोजन के लिए लीवर को छोड़ दें

6. उपकरण चालू करना

- तार के हुक को नीचे घुमाएं और उपकरण से पूरी तरह हटा दें
- एक सॉकेट में मुख्य प्लग को डालें
- काम की ऊंचाई के लिए हैंडल सेट करें
- दोनों हाथों से हैंडल को पकड़ें

- ताला खोलने के बटन को दबाए रखें
- स्विच को सक्रिय करें
- अनलॉकिंग बटन को छोड़ दें
- संचालन को बीच में रोकने के लिए स्विच को छोड़ दें

7. मशीन दिशा को नियंत्रित करें

- बाएं: हैंडल नीचे की तरफ दबाएं
- दाएं: हैंडल उठाएं

8. सफाई

- फर्श पर डिटर्जेंट लगाएं या डोजिंग लीवर (एक्सेसरी) का उपयोग करें
- साफ करने के लिए सतह पर उपकरण को ले जाएं

- बाद में, एक गीले वैक्यूम या एक कपड़े के साथ बेकार जल साफ करें

9. बंद करना

- स्विच को छोड़ दें
- सॉकेट से मुख्य प्लग को निकाल दें
- स्तर सही करने के लिए लीवर को खींचें और सामने की तरफ एक लंबरूप स्थिति में ले जाएं
- शीर्ष तार हुक को ऊपर की ओर घुमाएं और दो हुक के बीच तार को लपेट दें
- डिटर्जेंट टैंक (एक्सेसरी) को निकालें और बचे हुए डिटर्जेंट को फेंक दें
- साफ पानी से डिटर्जेंट टैंक (एक्सेसरी) को धोएं
- स्तर सही करने के लिए लीवर को खींचें और सामने की तरफ एक लंबरूप स्थिति में ले जाएं
- उपकरण को पार्किंग की स्थिति में रखें
- एक नम कपड़े से आवरण को साफ करें

10. ट्रांसपोर्ट

- हैंडल को लंबरूप स्थिति में घुमाएं और लॉक करें
- उपकरण को पीछे की तरफ झुकाकर ट्रांसपोर्ट स्थिति में करें और गंतव्य स्थान पर ले जाएं

11. रखरखाव और देखभाल

- मशीन को पार्किंग स्थिति में रखें
- फर्श से अतिरिक्त पानी साफ करें
- टैंक को निकालें और उसे खाली करें
- ब्रश को चलते हुए पानी के नीचे धो लें
- एक सूखे कपड़े के साथ मशीन को साफ करें
- हमेशा पैड/ब्रश को मशीन के नीचे से हटा दें अन्यथा यह जल्दी खराब हो जाएगा

12. प्रयोग

- इसे फर्श स्क्रबिंग के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है
- इसे कालीन को शैम्पू करने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है
- इसका उपयोग संगमरमर चमकाने के लिए किया जा सकता है

नोट्स

अभ्यास

1. मशीनों के उपयोग से पहले के बुनियादी निर्देश बताएं।

2. मशीनों के उपयोग के दौरान सुरक्षा निर्देश बताएं।

3. वैक्यूम क्लीनर के महत्वपूर्ण तीन भाग बताएं।

4. शुष्क संचालन के दौरान क्या करना चाहिए?

5. गीले संचालन के दौरान क्या नहीं करना चाहिए?

6. मेकैनिकल स्वीपर की विशेषताएं बताएं।

7. मेकैनिकल स्वीपर की सीमाएं बताएं।

8. मैकेनाइज़्ड स्वीपर राइड मशीन ड्राइविंग बताएं।

9. मैकेनाइज़्ड स्वीपर राइड के धूल फिल्टर की सफाई कैसे करनी चाहिए?

10. स्क्रबिंग मशीन के सहायक उपकरण बताएं।

11. स्क्रबिंग मशीन से सफाई कैसे करनी चाहिए?

12. स्क्रबिंग मशीन के प्रयोग बताएं।

नोट्स

नोट्स

यह पुस्तक निम्नलिखित संस्था द्वारा प्रायोजित है

Skill India
कौशल भारत-कुशल भारत

सत्यमेव जयते
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF SKILL DEVELOPMENT
& ENTREPRENEURSHIP

N·S·D·C
National
Skill Development
Corporation
Transforming the skill landscape

SCGJ | SKILL COUNCIL FOR GREEN JOBS

8. अनुलग्नक

Module No.	Unit No.	Topic Name	Page no.	URL	QR Code(s)
1	Unit 1	परिचय	1	https://www.youtube.com/watch?v=Grt25N5pKtc	
2	Unit 2	सड़कों फुटपाथ और आम इलाके की सफाई	19	https://www.youtube.com/watch?v=3DGpE9NsHc8	
3.1	Unit 3	भवनों के फर्श की सफाई	49	https://www.youtube.com/watch?v=lHYohdFBgWQ	
3.2	Unit 3	भवनों के फर्श की सफाई	49	https://www.youtube.com/watch?v=wuFC1xW7OyQ	
4	Unit 4	सफाई करते समय व्यक्तिगत स्वस्थ्य एवं सुरक्षा	77	https://www.youtube.com/watch?v=Ktv9DdjmS8c	
5	Unit 5	रोजगार कौशल	NIL	https://www.youtube.com/watch?v=yF6AlbAdTts	
5.1	Unit 5	रोजगार कौशल	NIL	https://www.youtube.com/watch?v=IsEbQkL7FB0	

6	**Unit 6**	**शौचालयों की गीली सफाई**	147	https://www.youtube.com/watch?v=j5pJL1ftrQY	
7	**Unit 7**	**मशीनीकृत सफाई उपकरण से सफाई**	159	https://www.youtube.com/watch?v=biZfj4YNSbk	
7.1	**Unit 7**	**मशीनीकृत सफाई उपकरण से सफाई**	159	https://www.youtube.com/watch?v=Whz4WEdTsCc	

Skill India
कौशल भारत-कुशल भारत

सत्यमेव जयते
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF SKILL DEVELOPMENT
& ENTREPRENEURSHIP

N·S·D·C
National
Skill Development
Corporation
Transforming the skill landscape

SCGJ SKILL COUNCIL FOR GREEN JOBS

पता: तीसरी मंजिल, सीबीईपी बिल्डिंग, मालचा मार्ग चाणक्यपूरी नई दिल्ली– 110021

ई–मेल: info@sscgj.in

वेब: www.sscgj.in

फोन: 011-41792866

CIN No.: 00000000

मूल्य : ₹

क्यूआर कोड स्कैन करें या क्लिक करें